☎ STD 05278 V.C. 246223, 246330 (O)
05278 V.C. 246224, 245209 (R)
Fax V.C. 246330(O), 245209(R)
Registrar- 245957(O), 246042(R)
F.O.- 246386(O)

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)

DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

दैनिक जागरण, अयोध्या

दिनांक: 13 मार्च, 2021 — पृष्ठ संख्या: 08

उम्मीदों की नई उड़ान संग झूम उठे मेधावी

डिग्री मात्र कागज का टुकड़ा नहीं है। न ही नौकरी की पात्रता हासिल करने का प्रमाणपत्र, बल्कि यह उस सरोकार की परिणति है, जिसके चलते कोई बच्चा होश संभालने के साथ सीखने की सामान्य प्रक्रिया से लेकर पठन-पाठन के अनेक क्रमबद्ध और व्यवस्थित सोपानों से गुजरता है और स्वयं के साथ समाज एवं देश के लिए कुछ कर सकने में स्वयं को सक्षम पाता है। यह शिखर की ओर बढ़ चलने का लांचिंग पैड है। इस मौके पर उन्हें मिलने वाला विश्वास, प्रोत्साहन और हौसला जितना सुदृढ़ होगा, उनकी उड़ान भी उतनी ही व्यापक होगी। शुक्रवार को आचार्य नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय तथा डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्नातकों, परास्नातकों एवं शोधार्थियों को उपाधि देने के लिए प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल मौजूद थीं। इस मौके पर उनकी उपस्थिति प्रदेश के शीर्षस्थ ओहदेदार से कहीं अधिक कुलाधिपति के रूप में वात्सल्यपूर्ण संरक्षक की थी। इस दौरान छात्र-छात्राओं का उत्साह एक नई उड़ान की तरफ बढ़ने का संकेत दे रहा था।

कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज में मेडल पाने के बाद पगड़ी उछालकर खुशी जताती छात्राएं • जीतू निषाद

कदम-कदम पर सजी रही चित्ताकर्षक रंगोली

संसू,अयोध्या: अवध विवि के दीक्षा समारोह में कैंपस में कदम-कदम पर सजी रंगोली आकर्षित करने वाली रही। फाइन आर्ट्स विभाग के संयोजन 53 रंगोली सजाई गई थीं। मुख्य प्रशासनिक भवन के सामने, विवि के मुख्यद्वार पर, लोहिया वाटिका में, कौटिल्य प्रशासनिक भवन व विवेकानंद प्रेक्षागृह में सजी रंगोली आकर्षण का केंद्र रहीं। रंगोली से बेल लता, राजाराम का प्रतीक चिह्न व अवध की लोक कला को प्रदर्शित किया गया था। विभाग के समन्वयक प्रो.विनोद कुमार श्रीवास्तव की अगुवाई में डॉ. सरिता द्विवेदी, पल्लवी सोनी, सरिता सिंह, रीमा सिंह ने रंगोली सजाई।

खुद की छवि देख निहाल हुए अतिथि: वीसी प्रो. रविशंकर सिंह ने बारी-बारी कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, डिप्टी सीएम डॉ.दिनेश शर्मा, राज्य मंत्री नीलिमा कटियार व मुख्य अभ्यागत डॉ.लक्ष्मण सिंह राठौर को जब चित्र भेंट किए तो सभी गदगद हो उठे।

आजाद भारत के लिए काम करने का अवसर गंवाए मत : राज्यपाल

जासं, अयोध्या : अगले वर्ष ही देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। हममें से अधिकांश को आजादी के संघर्ष को देखने और उसमें शामिल होने का अवसर नहीं मिला, पर हमारे पास आजाद भारत के लिए काम करने का अवसर है और यह अवसर गंवाए मत।

यह आह्वान है, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का। वे आचार्य नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के 22 वें व डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षा समारोह की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने छात्र-छात्राओं को मेडल और उपाधि प्रदान करने के साथ कहा, यह संकल्प का समय है और यह संकल्प शब्दों में न रह जाय। इसे जीवन में उतारना है, तब देश को विश्व गुरु बनाया जा सकेगा। अपना अध्यक्षीय उद्बोधन शुरू करने से पूर्व राज्यपाल ने याद दिलाया कि वह 12 मार्च की ही तारीख थी, जब 1930 में गांधी जी ने नमक पर कर लगाए जाने के विरोध में दांडी यात्रा आरंभ की थी। एक साल बाद जब देश आजादी का 75वां साल मना रहा होगा, तब हमें देश को आजादी दिलाने वाली 75 प्रमुख घटनाएं याद करनी चाहिए। यह अवसर हमारे उन पूर्वजों को गौरव देने का होना, जिनके बल पर देश को आजादी मिली। देश को आजाद कराने में सभी अपने-अपने तरीके से सहयोगी थे। चाहे किसान रहे हों, युवा अथवा महिलाएं। उन्होंने आजादी के संघर्ष से जुड़े स्थलों को स्मारक के तौर पर विकसित करने की जरूरत बताई और कहा कि यहां लोग जाएं, तो देश के लिए कुछ करने की प्रेरणा लेकर आएं। उन्होंने विद्यार्थियों को आजादी के संघर्ष से जुड़ी दस-दस किताबें पढ़ने और उससे मिली सीख का नोट्स तैयार करने का भी सुझाव दिया। कृषि विवि में उन्होंने कन्या भ्रूण हत्या की जघन्यता की ओर इशारा करते हुए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का औचित्य प्रतिपादित किया। राज्यपाल ने पूर्व में हुए सर्वेक्षण का जिक्र करते हुए बताया कि कन्या भ्रूण हत्या की दर गैर पढ़े-लिखे आदिवासी समाज से कहीं अधिक पढ़े-लिखे और आधुनिक समाज में रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि हम क्या पढ़ रहे हैं।

उन्होंने उपाधि पाने वाले छात्रों को दहेज न मांगने का संकल्प दिलाया और दहेज मांगने वालों को पशु की श्रेणी में रखते हुए कहा, बैल, गाय और अन्य पशुओं की तरह दहेज में दूल्हों का भी मूल्य निर्धारित होता है। वहीं अवध विवि में उन्होंने विश्वविद्यालयों से एक-एक गांव गोद लेने का आह्वान किया। कहा, विवि से पांच-सात सौ महाविद्यालय संबद्ध हैं। यदि एक-एक कॉलेज एक-एक गांव को भी गोद लेता है तो इन गांवों का जीवन स्तर तेजी से ऊपर उठेगा। इससे पूर्व कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने राज्यपाल सहित अन्य अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डॉ. राकेशचंद्र अग्रवाल एवं प्रदेश के कृषि राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपूत ने भी विचार रखे, जबकि कुलसचिव डॉ. पीके सिंह ने आभार ज्ञापित किया।

बस्ती की मशरूम उत्पादक कृष्णावती को दी एक लाख की सहायता: कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में राज्यपाल की मुलाकात बस्ती की मशरूम उत्पादक कृष्णावती से हुई। कृष्णावती भूमिहीन कृषक हैं और दूसरों से भूमि किराए पर लेकर मशरूम का उत्पादन करती हैं। कृष्णावती ने राज्यपाल से अपनी मजबूरी भी जताई थी कि भूमिहीन होने की वजह से ऋण नहीं मिल पाता। इस पर उन्होंने केंद्र सरकार की मुद्रा योजना का उदाहरण देते हुए कहाकि इस योजना से ऋण प्राप्त किया जा सकता है। अवध विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में राज्यपाल ने कृष्णावती को राज्यपाल कोष से एक लाख रुपये देने का एलान भी किया। राज्यपाल ने यह भी बताया कि डीएम अनुज झा ने बस्ती के डीएम से इस मसले पर वार्ता भी की। राज्यपाल ने बताया कि बस्ती के डीएम ने कृष्णावती को ऋण दिलाने का भरोसा दिया है।

छात्रों को जेल जरूर दिखाएं: राज्यपाल ने विश्वविद्यालय प्रबंधन से आग्रह किया कि वे छात्रों को एक बार जेल जरूर दिखाएं और छात्र वहां जाकर यह संकल्प लें कि वे ऐसा कुछ नहीं करेंगे, जिससे उन्हें कभी जेल जाना पड़े।

कृषि कार्य करते हुए पढ़ाई की: कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह के दौरान राज्यपाल ने अपने शुरुआती दिन याद किए। कहा, मेरी पढ़ाई-लिखाई कृषि कार्य करते हुए संपन्न हुई। बाजरा-गेहूं काटने के साथ तंबाकू का पत्ता और जीरा निकालने का काम किया।

राज्यपाल को याद आया अपना गोल्ड मेडल: छात्रों को गोल्ड मेडल प्रदान करने के साथ राज्यपाल को अपना भी गोल्ड मेडल याद आया। उन्होंने बताया कि 1964 में उन्होंने बीएससी की, 66 में एमएससी और 1974 में गोल्डमेडल के साथ एमएड की डिग्री हासिल की।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल (बाएं से चौथे)एवं अन्य अतिथियों के साथ गोल्ड मेडल प्राप्त छात्राएं

अविवि में छात्रा को गोल्ड मेडल प्रदान करतीं राज्यपाल आनंदीबेन (दाएं से तीसरी)। •जागरण

किसानों के जीवन में अभूतपूर्व बदलाव आएगा

दीक्षा समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डॉ. राकेशचंद्र अग्रवाल रहे। उन्होंने कहा, कृषि सुधार कानून - 2020 किसानों के जीवन में अभूतपूर्व बदलाव लाएगा और इससे देश में नए कृषि युग का आरंभ होगा। उन्होंने कृषि विज्ञान में नवीनतम तकनीकी का अनुसरण करते हुए दृढ़ इच्छा के साथ मानवता की सेवा का भी आह्वान किया। डॉ. अग्रवाल ने युवाओं को कमजोर वर्गों के लिए काम करने की सलाह दी और विश्वास जताया कि उनके ज्ञान से कृषि क्षेत्र का परिदृश्य बदलेगा।

1356 विद्यार्थियों को मिली उपाधि

कृषि विवि के दीक्षा समारोह के दौरान 579 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की गई। इनमें पीएच डी के 38, मास्टर डिग्री के 139 तथा 402 बैचलर डिग्री के थे। वहीं अवध विश्वविद्यालय में स्नातक, परास्नातक व पीएचडी की 777 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। कुलाधिपति ने 115 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल दिया गया।

खेत-खलिहान से तपकर निकला 'मेधा' का 'सोना'

संसू, अयोध्या: अवध विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में किसानों के पाल्यों ने भी मेधा का खूब जलवा दिखाया। शुक्रवार को स्वर्ण पदक पाने वाले मेधावियों की कतार में कई चेहरे खास हैं। इनके पिता खेतों में सोना उगाते हैं और जब उनकी बारी आई तो वह भी शैक्षणिक जगत की बड़ी उपलब्धि हासिल करने में पीछे नहीं रहे। इन होनहारों ने अपने-अपने कोर्स में सर्वाधिक अंक पाकर स्वर्ण पदक हासिल किया।

अयोध्या की गोसाईंगंज निवासी किसान की बेटी नेहा तिवारी को एमएससी जियोलॉजी में सर्वोच्च अंक हासिल करने के लिए स्वर्ण पदक मिला। नेहा ने कटेहरी स्थित देव इंद्रावती ग्रुप ऑफ कॉलेज से पढ़ाई की। इस मेडल को नेहा ने पिता के परिश्रम को समर्पित करते हुए कहा कि वह अच्छी शिक्षक बनाकर समाज को मूल्ययुक्त बनाने में सहयोगी बनना चाहती है।

धर्मवीर ने नंदिनीनगर नवाबगंज गोंडा से कृषि में परास्नातक की पढ़ाई पूरी की। उन्हें एग्रोनॉमी में सर्वाधिक अंक हासिल करने के लिए स्वर्ण पदक दिया गया। बताते हैं कि पिता खेती किसानी करते हैं। उनके साथ वे भी खेतों में काम करते थे तो कृषि की पढ़ाई करने का लक्ष्य बनाया। ईश्वर व पिता के आशीर्वाद से अथक परिश्रम से यह स्वर्ण पदक मिला। उनका कहना है कि जैविक खेती बारी में ही व्यक्ति सुरक्षित है। मंजीत पांडेय ने नंदिनी नगर महाविद्यालय से ही एंटोमोलॉजी से परास्नातक की पढ़ाई की। सर्वाधिक अंक मिलने पर उन्हें स्वर्ण पदक दिया गया। उनके पिता खेती करते हैं। बताते हैं कि कृषि सुधार की दिशा में कार्य करने की इच्छा है। अयोध्या के देवराकोट की रहने आयुषी सिंह को एमएससी गणित में सर्वोच्च अंक हासिल करने के लिए स्वर्ण पदक मिला। श्रीरामचंद्र पीजी कॉलेज लोहटी सरैया में पढ़ाई करते हुए कामयाबी हासिल की। आयुषी के पिता भीम सिंह खेती करते हैं। आयुषी का सपना पीसीएस अफसर बनने का है। एमकाम में सर्वोच्च अंक पाने वाली शिमली सिंह के पिता फोटोकॉपी की दुकान संचालित करते हैं। सुल्तानपुर की मूल निवासी शिमली ने राजकीय डिग्री कॉलेज मुसाफिरखाना से पढ़ाई की है। वह प्रोफेसर बनना चाहती है। इसी जिले की निवासी यशांकिता को माइक्रोबायोलॉजी में स्वर्ण पदक मिला। केएनआई से पढ़ाई की है। वह शिक्षक बनकर समाज में मूल्यों की स्थापना के लिए कार्य करना चाहती हैं, यहीं की गौरीप्रभा मिश्रा ने एमएससी पर्यावरण में स्वर्ण पदक हासिल किया है। वह शिक्षक बनकर समाज की सेवा करना चाहती हैं।

विश्वविद्यालयों में 70 फीसद कोर्स होंगे एक समान : डिप्टी सीएम

जासं, अयोध्या: डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षा समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहाकि विश्वविद्यालयों के 70 फीसद पाठ्यक्रम को एक समान किया जाएगा। सिर्फ 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय निर्धारित करेंगे, जिससे यदि कोई छात्र द्वितीय वर्ष में किसी दूसरे विवि में प्रवेश ले तो उसे परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

उप मुख्यमंत्री ने कहाकि कोविड-19 के दौरान डिजिटल लाइब्रेरी में 79 हजार ई-कंटेंट अपलोड किए गए हैं, जिसे देश भर के विद्यार्थियों को निश्शुल्क उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहाकि नए कॉलेज भी खोले जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा मौका और विकल्प मिल सके। विश्वविद्यालय भी नए परिवर्तन को अपना रहे हैं। डॉ. शर्मा ने कहाकि अयोध्या में निजी क्षेत्र में श्रीराम विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव मिला है। इसमें धर्मग्रंथों पर शोध किया जाएगा। ज्योतिष और कर्मकांड के पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे और विद्यार्थियों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

समारोह की अध्यक्षता कर रहीं राज्यपाल व आनंदीबेन पटेल ने 115 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किया। स्नातक, परास्नातक व पीएचडी के कुल 777 छात्र-छात्राओं को उपाधि का वितरण हुआ। इससे पहले विवि के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहाकि आठ माह के कार्यकाल में कार्यशाला और प्रशिक्षण के 58, सह शैक्षणिक गतिविधियों के 42 व परीक्षा, प्रवेश एवं अन्य विषयों से संबंधित 52 बैठकें हो चुकी हैं। उन्होंने दीपोत्सव का भी जिक्र किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अशोक शुक्ल ने किया। समारोह में मुख्य अभ्यागत विश्व मौसम संगठन के स्थायी प्रतिनिधि डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौर, विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा राज्यमंत्री नीलिमा कटियार, रामवल्लभाकुंज के अधिकारी राजकुमार दास, नाका हनुमानगढ़ी के महंत रामदास, सांसद लल्लू सिंह, महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, नगर विधायक वेदप्रकाश गुप्त, रुदौली विधायक रामचंद्र यादव, जिलाधिकारी अनुज झा, ब्रिगेडियर जेकेएस विर्क, डीआइजी दीपक कुमार, चीफ प्रॉक्टर प्रो. अजय प्रताप सिंह, कुलसचिव उमानाथ आदि थे।

अविवि में दीक्षा समारोह को संबोधित करते उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा •जागरण

एनडी में इन्हें मिला मेडल

संसू, अयोध्या: नरेंद्रदेव कृषि विवि के दीक्षा समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाने वालों में पीएचडी की प्रीति कुमारी, एमएससी कृषि की श्वेता गुप्ता, बीएससी कृषि की दिव्या सिंह, बीवीएससी एंड एएच की सीमा चौरसिया, बीएफएससी की आर्या सिंह, बीएससी सामुदायिक विज्ञान की शिप्रा त्रिपाठी रहीं। इसी तरह पीएचडी के लिए कन्हैया लाल, एमएससी कृषि में श्वेता गुप्ता, हार्टीकल्चर में श्वेता श्रीवास्तव, एमबीएससी में परवेज अहमद, बीएससी कृषि में दिव्या सिंह व आतिश यादव, बीवीएससी एंड एएच में अनुका यादव, बीएससी उद्यान में दीक्षा संघमित्रा, बीएफएससी में देवर्षि रंजन, बीटेक कृषि अभियंत्रण में अभिषेक पांडेय, बीएससी सामुदायिक विज्ञान में दीक्षा श्रीवास्तव, को कुलपति स्वर्णपदक प्रदान किया गया। इसी क्रम में गौरव सिंह को पीएचडी में, बीएससी कृषि में महेश जायसवाल व आदित्य कुमार जैसल, बीवीएससी एंड एएच में तरुण नरसिंह, बीएससी उद्यान में नीतू सरोज, बीएफएससी में विकास, बीटेक कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में मनीष सक्सेना तथा बीएससी सामुदायिक विज्ञान में अपर्णा सिंह को विवि स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

फेनिल व हुदहुद की भविष्यवाणी करने वाले को मानद उपाधि

संसू, अयोध्या : वर्ष 2013 में आए फेनिल व वर्ष 2014 में आए भीषण तूफान हुदहुद की भविष्यवाणी करने वाले विश्व मौसम विज्ञान संगठन के स्थायी प्रतिनिधि व भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्व महानिदेशक डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौर को अविवि के दीक्षा समारोह में डॉक्टर ऑफ साइंस (डीएससी) की मानद उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने कहाकि प्रदूषण, पर्यावरणीय विक्षोभ, जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन क्षरण, कार्बन उत्सर्जन, जैव-विविधता की हानि आदि समस्याओं के निराकरण के लिए प्राकृतिक संसाधनों के साथ न्याय और सामंजस्य बनाते हुए विधि को विकसित करना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने की भी सीख दी। इससे पहले संचालनकर्ता प्रो. अशोक शुक्ला ने उनके बारे में जानकारी दी।

रामफेर शिवफेर व देवइंद्रावती के खाते में तीन-तीन स्वर्ण पदक

संसू, अयोध्या : ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित महाविद्यालयों के मेधावियों ने भी सफलता का परचम फहराया। हरिंग्टनगंज क्षेत्र के श्री रामफेर शिवफेर स्नातकोत्तर महाविद्यालय निमड़ी की झोली में तीन स्वर्ण पदक आए। बीए की छात्रा राखी सेन, एमए संस्कृत की छात्रा पूजा यादव एवं बीएड के अंकित कुमार ने सर्वोच्च अंक हासिल करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। कॉलेज प्रबंधक डॉ. रामसरदार यादव एवं प्राचार्य डॉ. अमरनाथ यादव ने स्वर्ण पदक विजेताओं को बधाई दी। अंबेडकरनगर के कटेहरी स्थित देव इंद्रावती पीजी महाविद्यालय की एमए चित्रकला की छात्रा मालती शिल्पी, एमएससी वनस्पति विज्ञान में बेबी नगमत तथा जंतु विज्ञान में नेहा तिवारी ने स्वर्ण पदक हासिल कर महाविद्यालय का मान बढ़ाया। प्रबंधक राना रणधीर सिंह ने छात्रों को बधाई दी।

25 विद्यार्थियों को दिया गया स्कूल बैग

संसू, अयोध्या : अविवि के दीक्षा समारोह में परिषदीय विद्यालयों के कक्षा छह से आठ तक के 25 विद्यार्थियों को स्कूल बैग व अध्ययन सामग्री भेंट की गई। राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग भेंट किया। साथ ही यह भी कहाकि दीक्षा समारोह का हिस्सा होने से इनमें भी पढ़ाई के प्रति लगन और बढ़ेगा।

ये हैं सितारे

मीरा तिवारी, जूलोजी | मालती शिल्पी एमए, चित्रकला | श्वेता कुमारी, एमए | शिवांगी शुक्ला, बीडीएस | सोनू, इलेक्ट्रानिक्स

एकता सिंह, एमए, रक्षा अध्ययन | श्वेता सिंह, एमए ज्योग्राफी | शालिनी तिवारी, फिजिक्स | धर्मवीर सिंह, एग्रोनामी | मंजीत, एंटोमोलोजी

स्नेहा, होमसाइंस | दीपाली चाइल्ड डेवलपमेंट | अस्मिता मिश्रा, एमबीबीएस | यशांकिता, माइक्रोबायोलाजी | गौरीप्रभा, पर्यावरण विज्ञान

शिमाली सिंह, एमकाम | अस्मिता मिश्रा,एमबीबीएस | रिनी खन्ना, एमडीएस | अदीबा, एमए अंग्रेजी | जया सिंह,एम एड

अवध विश्वविद्यालय के इन मेधावियों पर बरसा सोना

संसू, अयोध्या: डॉ.राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय 115 मेधावियों को दीक्षा समारोह में स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। अवध विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में वर्ष 2020 के लिए बीए में सर्वाधिक अंक पाने वाली राखी सेन, बीएससी के लिए निदा मोहम्मदी, बीकॉम के लिए श्रेया अग्रवाल, बीएससी कृषि के लिए शिवानी सिंह यादव, बीएससी गृह विज्ञान के लिए अरुणिमा जायसवाल, आवासीय परिसर आईईटी बीटेक के लिए करिश्मा राव, एमई बीटेक के लिए हर्षित सिंह, सीएस बीटेक के लिए आयुष मिश्रा, ईसी बीटेक के लिए राज आर्यन तथा नाजबीना बानो, बीवॉक एमसीजे के लिए युवित गुप्ता व टूरिज्म एंड हॉस्पिटलिटी के लिए ज्योति तिवारी को कुलपति स्वर्ण पदक दिया गया। इसी तरह 2014-15 की एमबीबीएस परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए अस्मिता मिश्रा व रितिका जैन, बीडीएस के लिए शिवांगी शुक्ला तथा 2013-14 बीडीएस के लिए देविका बाजपेयी को कुलपति स्वर्ण पदक दिया गया। वर्ष 2019 बीएड परीक्षा के लिए अंकित कुमार, 2020 बीएड के लिए अभिषेक सिंह, इसी सत्र के लिए एलएलबी त्रिवर्षीय के लिए सौम्या चित्रांशी, 2019 एलएलबी पंचवर्षीय के लिए देवदीप मालवीय, 2020 एलएलबी पंचवर्षीय के लिए श्वेता सिंह, इसी सत्र में बीलिब के लिए अनुराग कुमार तिवारी, बीलिब आवासीय परिसर के लिए राजकपूर, 2019 बीएससी नर्सिंग के लिए जुबी मकसूद, बीएससी पीबी नर्सिंग के लिए खुशबू पांडेय, बीएससी एमएलटी के लिए रवींद्र कुशवाहा, 2020 में बीपीईएस के लिए एकता सिंह, 2019 बीएससी बीआरडीआईटी के लिए राशिद खान को कुलपति स्वर्ण पदक मिला।

इसके अलावा कुलाधिपति स्वर्ण पाने वालों में 2020 एमए हिंदी की शिल्पा देवी, अंग्रेजी के तापस शुक्ला, संस्कृत की पूजा यादव, उर्दू की फातिमा नूरी, समाजशास्त्र की जागृति पांडेय, राजनीति शास्त्र की ज्योति सिंह, प्राचीन इतिहास की ममता यादव, शिक्षा शास्त्र की अमिता चौधरी, मध्यकालीन इतिहास की श्वेता कुमारी, अर्थशास्त्र की आस्था सिंह, दर्शनशास्त्र के प्रशांत मिश्र, भूगोल की श्वेता सिंह, रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन की एकता सिंह, मनोविज्ञान की शालू यादव, गृह विज्ञान की नेहा सिंह, संगीत गायन की अर्वतिका यादव, चित्रकला की मालती शिल्पी, एमएससी भौतिक की प्रतिभा मिश्रा, रसायन के ध्रुव कुमार, वनस्पति विज्ञान की बेबी नगमत, प्राणि विज्ञान की नेहा तिवारी, सूक्ष्म जीव विज्ञान की यशांकिता मिश्रा, पर्यावरण विज्ञान की गौरीप्रभा मिश्रा, गणित की आयुषी सिंह, एमकाम की शिमली सिंह, एमएससी कृषि हार्टीकल्चर के दिव्यांश मिश्र, स्वायल साईंस एंड एग्रीकल्चरल कमेस्ट्री के आकाश पांडेय, एग्रोनॉमी के धर्मवीर सिंह, एनीमल हस्बैंड्री डेयरिंग के नवीन कुमार पटेल, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग के कुमार ऑन्त्रिकेश कल्याण व विशाल सिंह, एंटोमालॉजी के मंजीत पांडेय, गृह विज्ञान फूड एंड न्यूट्रीशन की स्नेहा श्रीवास्तव, चाइल्ड डेवलपमेंट की दीपाली शामिल रहीं।

वर्ष 2019 एमडी कम्युनिटी मेडिसिन की जैनब खान, 2016-17 एमडीएस पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री की नेहा, 2017-18 की एमडीएस पीडोडोन्टिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री की रिनी खन्ना, 2019 एमएससी नर्सिंग की श्वेता, एमएड की जया सिंह, 2020 एमएड की स्वाति तिवारी, वर्ष 2019 एमपीएड के दुर्गेश कुमार, 2020 एमबीए आवासीय परिसर की खुशबू गुप्ता, एमएससी जैव तकनीकी की अनुष्का बारी, जैव रसायन विज्ञान की संध्या पाठक, गणित एवं सांख्यिकी की रीतिका सिंह, अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास की श्रेया पांडेय, इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व की वैशाली सिंह, एमएससी सूक्ष्मजीव विज्ञान की सारा फातिमा, पर्यावरण विज्ञान की आकांक्षा सिंह, भौतिकी इलेक्ट्रानिक्स की शालिनी तिवारी, इलेक्ट्रानिक्स के सोनू कुमार, एमटेक ब्रांच एमई आवासीय परिसर की अनामिका तिवारी, इसी कोर्स में ईसी के सुमित कुमार श्रीवास्तव, सीएस की नेहा यादव, एमसीए आवासीय परिसर की सोनल यादव को कुलाधिपति पदक प्रदान किया गया। इसी तरह एमबीए ब्रांच एग्रीबिजनेस आवासीय परिसर के प्रिंस सिंह, फाइनेंस कंट्रोल के रवि गुप्ता, एमटेक आईटी में विकास कुमार तिवारी, एमए अंग्रेजी की अदीबा, एमसीजे की साक्षी श्रीवास्तव, एमपीएच के विवेक कुमार, एमएसडब्लू की प्रियंका सचदेवा, प्रसार शिक्षा एवं ग्रामीण विकास की वत्सला आचार्य, गवर्नेंस इन पब्लिक पॉलिसी की आशी गुप्ता, एमटीएम के सुनील कुमार, एमलिब आवासीय परिसर के मोती प्रकाश सिंह को कुलाधिपति स्वर्ण पदक मिला। इसी तरह एमलिब में सर्वाधिक अंक पाने के लिए अनुराग मिश्र, एमएसडब्ल्यू में सुकृति गुप्ता, एमए इन योगा थिरेपी के लिए मानसी गुप्ता, एमफिल समाजकार्य में सौरभ श्रीवास्तव को कुलाधिपति स्वर्ण पदक दिया गया।

एमए हिंदी की परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाने के लिए शिल्पा देवी को रणंजय स्वर्ण पदक, संस्कृत के लिए पूजा यादव को रणवीर स्वर्ण पदक, एमए अंग्रेजी के लिए तापस शुक्ला को साहित्य महारथी डॉ.रमाशंकर तिवारी स्वर्ण पदक, एमए प्राचीन इतिहास के लिए ममता यादव को गणेशदत्त शुक्ला स्वर्णपदक, एमएससी रसायन विज्ञान के लिए ध्रुव कुमार को डॉ.डीएस भाकुनी स्वर्ण पदक, बीए परीक्षा के लिए राखी सेन को सेठ द्वारिका दास झुनझुनवाला स्वर्णपदक, बीएससी के लिए निदा मोहम्मदी को राजा जगदम्बिका नारायण स्वर्ण पदक, बीकाम के लिए श्रेया अग्रवाल को सर पदमपत सिंहानिया स्वर्ण पदक, बीएससी प्राणि विज्ञान के लिए रवींद्र मोहन मिश्र स्वर्ण पदक, स्नातक संगीत के लिए श्रेया मिश्रा को स्वर्गीय विष्णु कुमार कपूर स्मृति स्वर्ण पदक, एमए अर्थशास्त्र के लिए आस्था सिंह को स्वर्गीय प्रो. एसपी तिवारी स्वर्ण पदक, एमबीए के लिए खुशबू गुप्ता को गौरव अरोड़ा स्वर्ण पदक, इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व आवासीय परिसर के लिए वैशाली सिंह को डॉ.विश्वमित्र उपाध्याय स्वर्ण पदक, एमएससी गणित एवं सांख्यिकी के लिए रीतिका सिंह को ईएस चंद्रशेखर स्वर्ण पदक, एमए अर्थशास्त्र ग्रामीण विकास आवासीय परिसर के लिए श्रेया पांडेय स्वर्गीय रामकृष्ण सिन्हा स्मृति स्वर्ण पदक, एमबीए मार्केटिंग आशमा सिंह को स्वर्गीय राजीव रंजन राय स्मृति स्वर्ण पदक, एमए राजनीति के लिए ज्योति सिंह को स्वर्गीय डॉ.प्रदीप कुमार सिंह स्मृति स्वर्ण पदक दिया गया।

अयोध्या

आज का दिन: 1996 में स्कॉटलैंड के डनब्लेन के स्कूल में एक बंदूकधारी की गोलीबारी में 16 बच्चे और उनके शिक्षक की मौत।

हिन्दुस्तान लखनऊ • शनिवार • 13 मार्च 2021 10

कुलपति ने गिनाई अवध विवि की उपलब्धियां

अयोध्या | हिन्दुस्तान संवाद

अवध विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षांत समारोह में कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के समक्ष प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कुलपति प्रो. सिंह ने अपने आठ माह के कार्यकाल की उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए अतिथियों का स्वागत किया। विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

समारोह में कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन-काल का उपयोग ज्ञान, संस्कार और मूल्यों की सिद्धि में करें तो हर प्रकार की सफलताएं स्वतः ही प्राप्त हो जाएगी। उन्होंने बताया कि विवि की स्थापना के 46वें वर्ष में पहला नैक मूल्यांकन पूर्ण कर लिया गया है। विवि के एमबीए विभाग को राज्य सरकार की ओर से सेंटर आफ एक्सीलेंस का दर्जा प्रदान किया गया है। इसके अलावा विवि के छह अन्य विभागों को भी सेंटर आफ एक्सीलेंस का दर्जा मिल चुका है। कुलपति प्रो. सिंह ने विवि की उपलब्धियों में अयोध्या के दिव्य दीपोत्सव का जिक्र करते हुए बताया कि चौथी बार गिनीज बुक आफ रिकार्ड में नाम दर्ज हुआ है।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. अशोक शुक्ल ने किया। इस दौरान सांसद लल्लू सिंह, विधायक रामचंद्र गुप्त व वेद प्रकाश गुप्त, डीआईजी / एसएसपी दीपक कुमार, जिलाधिकारी अनुज झा, ब्रिगेडियर जेके ब्रिक, मेयर ऋषिकेश उपाध्याय, विवि के कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह, विधि संकायाध्यक्ष डा. अशोक कुमार राय, वित्त अधिकारी धनंजय सिंह, कांग्रेस नेता राजेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक कुलसचिव डॉ. रीमा श्रीवास्तव, मो. साहिल, साकेत कालेज के प्राचार्य डॉ. अभय सिंह, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. अनिल सिंह, डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी, रामवल्लभा कुंज के अधिकारी राजकुमार दास, राजू दास, केके मिश्र पप्पू, डॉ. राजेश सिंह, विपिन यादव, आदित्य सिंह, विष्णु प्रताप यादव व अन्य मौजूद रहे।

प्रख्यात मौसम वैज्ञानिक डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौर को मिली मानद उपाधि

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौर को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने डीएस-सी की मानद उपाधि प्रदान की। डॉ. सिंह स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन यूएनओ, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय रह चुके हैं।

डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की स्मारिका का विमोचन करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा, कुलपति व अन्य और कुलाधिपति से गोल्ड मेडल व उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं।

डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह में जूनियर हाईस्कूल के बच्चों को भी दिया गया उपहार

विश्वविद्यालय व कॉलेज गांवों को लें गोद : राज्यपाल

अयोध्या | हिन्दुस्तान टीम

डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालयों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों को आदेशित किया कि वह सरकारी योजनाओं का लाभ लाभार्थियों को दिलाएं। उन्होंने इसके लिए सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को एक-एक गांव गोद लेने की अपेक्षा। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित गांवों में विद्यार्थियों के माध्यम से लाभार्थियों को खोजकर उन्हें प्रधानमंत्री मुद्रा योजना समेत अन्य राज्य स्तरीय योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करें।

दीक्षांत समारोह

- गांवों में लाभार्थियों की खोज योजनाओं का दिलाएं लाभ
- स्वतंत्रता आंदोलन व सेनानियों से युवाओं को कराएं परिचित

राज्यपाल श्रीमती पटेल ने नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान उनसे मिली बस्ती जनपद की एक महिला कृषक कृष्णा का जिक्र किया जो कि खेत किराए पर लेकर सब्जियों की खेती कर अपने परिवार का जीविकोपार्जन कर रही थी। उन्होंने इस महिला को राजकीय कोष से एक लाख के सहयोग की घोषणा भी की। कुलाधिपति ने विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों से यह भी अपेक्षा की कि दीक्षांत समारोहों में ऐसे व्यक्तियों को भी सम्मानित किया जाना चाहिए जो अपने परिवार के साथ समाज की भी चिंता कर अपना विशिष्ट योगदान दे रहे हों।

अब देश के लिए मरने नहीं जीने की है जरूरत, पढ़ाई के बाद सामाजिक दायित्वों को भी होगा समझना : आनंदी बेन

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर स्वर्ण विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करते हुए कुलाधिपति आनंदीबेन ने अपने दीक्षोपदेश में कहा कि अब देश के लिए मरने नहीं जीने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्राप्त करने के बाद हमें अपनी सामाजिक दायित्वों को भी समझना होगा। उन्होंने दूरदर्शन में प्रसारित एक डाक्युमेंट्री फिल्म का हवाला देते हुए कहा कि सामूहिक शक्ति का परिणाम किस तरह बेहतर हो सकता है यह जानने योग्य है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य व पर्यावरण जैसे अनेक सामाजिक विषय है जिनके लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

स्वतंत्रा संग्राम के सेनानियों के त्याग और बलिदान की कहानियां युवाओं का संबल बनेंगी, गोष्ठियों का किया जाए आयोजन

अयोध्या। राज्यपाल आनंदीबेन ने अवध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में लीक से हटकर अपना उद्बोधन देते हुए कहा कि देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में आजादी के 75 वें में 75 बड़ी घटनाओं की जानकारियां समाज को दिए जाने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच है कि भले हम आजादी के संघर्ष का हिस्सा नहीं रहे लेकिन आजादी के मकसद को पूरा करने में अपना योगदान अवश्य दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसी दृष्टि से सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में इस संदर्भ में गोष्ठियों व सेमिनारों का आयोजन कर युवाओं को स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास व सेनानियों के बारे में बताया जाना चाहिए। इन सेनानियों के त्याग और बलिदान की कहानियां युवाओं का सम्बल बनेगी। उन्होंने सभी से अपील की कि आजादी के डेढ़ सौ वर्षों के संघर्ष से जुड़ी पुस्तकों को अवश्य पढ़ें। उन्होंने इन पुस्तकों को सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय की ओर से उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया।

सभी विवि में एकरूप होगा 70 फीसद पाठ्यक्रम

अयोध्या | हिन्दुस्तान टीम

उप मुख्यमंत्री व उच्च शिक्षा मंत्री डा. दिनेश शर्मा ने शुक्रवार को यहां कहा कि पूरे प्रदेश के विश्वविद्यालयों में 70 पाठ्यक्रम को समान रुप देने के लिए सरकार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुसार 30 प्रतिशत पाठ्यक्रमों का निर्धारण विश्वविद्यालयों की ओर से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय बदलने की स्थिति में होने वाली असुविधा से बचाना है। इसके अलावा यह भी मकसद है कि नये पाठ्यक्रमों का चलन बढ़े और शिक्षा का स्तर भी बेहतर हो।

उप मुख्यमंत्री डा. शर्मा डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रुप में सम्बोधित कर रहे थे। उच्च शिक्षा मंत्री डा. शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार रोजगारोन्मुखी शैक्षिक पाठ्यक्रमों पर जोर दे रही है। इसके लिए लघु एवं मध्यम मंत्रालय के अलावा आईआईटी खडगपुर व डिजीटल लाइब्रेरी भारत सरकार के साथ भी एमओयू साइन करने जा रही है।

इसी के तहत स्मार्ट क्लासेज व ई-गंगा पोर्टल का उपयोग भी शुरु कराया गया है। उन्होंने बताया कि राज्यपाल के सहयोग से ऑनलाइन अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया भी शुरु की जा चुकी है। यह भी जानकारी दी कि चार साल में खोले गये 89 राजकीय महाविद्यालयों में स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम में रोजगार परक शिक्षा दी जाएगी।

उप मुख्यमंत्री की घोषणा

- 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम का ही निर्धारित विश्वविद्यालय करेंगे
- नई शिक्षा नीति का मकसद नये पाठ्यक्रमों के चलन के साथ शिक्षा का स्तर उठाना

राज्यपाल को भा गया राम मंदिर मॉडल का उपहार

अयोध्या। डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में 25 वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करने आईं प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को कुलपति की ओर से भेंट किए गये राम मंदिर मॉडल का उपहार बहुत भा गया। उन्होंने कहा कि यह सबसे सुंदर और बेशकीमती उपहार है। उन्होंने अपनी शुभकामना देते हुए कहा कि रामलला सभी का कल्याण करें।

विद्यार्थियों के लिए रिकार्ड हुई डिजिटल लाइब्रेरी

अयोध्या। उप मुख्यमंत्री डा. शर्मा ने अपने सम्बोधन में यह जानकारी दी कि कोरोना काल में प्रदेश में डिजीटल लाइब्रेरी रिकार्ड कराई गयी है। इस डिजीटल लाइब्रेरी में विभिन्न विषयों के 89 हजार ई-कंटेंट अपलोड कराए गये है। इसमें देश भर के विशेषज्ञों के ऑडियो एवं वीडियो भी अपलोड है जिनके माध्यम से विद्यार्थी गण अपनी इच्छित विषयवस्तु की सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने दोहराया कि निजी क्षेत्र से वैदिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए श्रीराम विश्वविद्यालय का प्रस्ताव आया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार की मंशा है कि कर्मकांड व ज्योतिष जैसे विषयों पर अध्ययन-अध्यापन के साथ विविध धर्मग्रंथों पर शोध कार्य भी होने चाहिए। उन्होंने बताया कि इसी विषय के दृष्टिगत सम्बन्धित प्रस्तावों का अध्ययन कराया जा रहा है।

अंतिम क्षण में बदले गये अवध विवि में दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि

अयोध्या। डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वे दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय भारत सरकार के पूर्व महानिदेशक डा. लक्ष्मण सिंह राठौर को आमन्त्रित किया गया था। अवध विश्वविद्यालय की ओर से उन्हें डी.एस-सी की मानद उपाधि के लिए भी नामित किया गया था। इस बीच अंतिम क्षण में उप मुख्यमंत्री व उच्च शिक्षा मंत्री डा. दिनेश शर्मा का भी कार्यक्रम तय हो जाने पर उन्हें मुख्य अतिथि व डा. राठौर को अभ्यागत अतिथि बना दिया गया।

स्वर्ण पदक पाने के बाद खिल उठे मेधावी छात्र-छात्राओं के चेहरे

अयोध्या | हिन्दुस्तान संवाद

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह में स्नातक व परास्नातक अन्य पाठ्यक्रमों में सर्वाधिक अंक प्राप्त विद्यार्थियों को 115 स्वर्ण पदक मिला। स्वर्ण पदक पाकर विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी छलक उठी। शुक्रवार को समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के हाथों विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। इसमें 28 कुलपति स्वर्ण पदक, 70 कुलाधिपति स्वर्ण पदक तथा 17 दान स्वरूप पदक दिए गए। इसके अलावा 777 विद्यार्थियों को स्नातक, परास्नातक उपाधि एवं पीएचडी में 24 उपाधि शोधार्थियों को प्रदान की गई।

अवध विश्वविद्यालय आवासीय परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने एमए हिन्दी विषय की परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली शिल्पा देवी, अंग्रेजी में तापस शुक्ल, संस्कृत में पूजा यादव, उर्दू में फात्मा नूरी, समाजशास्त्र में जागृति पांडेय, राजनीति शास्त्र में ज्योति सिंह, प्राचीन इतिहास में ममता यादव, शिक्षा शास्त्र में अमिता चौधरी, मध्यकालीन इतिहास में श्वेता कुमारी, अर्थशास्त्र में आस्था सिंह, दर्शनशास्त्र में प्रशांत मिश्र, भूगोल में श्वेता सिंह, रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन में एकता सिंह, मनोविज्ञान में कुमारी शालू यादव, गृह विज्ञान में नेहा सिंह, संगीत (गायन) में अवंतिका यादव को कुलाधिपति स्वर्ण पदक दिया।

इसी तरह चित्रकला में मालती शिल्पी, एमएससी भौतिक विज्ञान में प्रतिभा मिश्रा, रसायन विज्ञान में ध्रुव कुमार, वनस्पति विज्ञान में बेबी नगमत, प्राणी विज्ञान में नेहा तिवारी, सूक्ष्म जीव विज्ञान में यशांकिता मिश्रा, पर्यावरण विज्ञान में गौरी प्रभा मिश्रा, गणित में आयुषी सिंह, एमकाम में शिमली सिंह, एमएससी कृषि (हार्टीकल्चर) में दिव्यांश मिश्र, कृषि (सोएल साइंस एण्डकेमेस्ट्री) में आकाश पाण्डेय, कृषि (एग्रोनामी) में धर्मवीर सिंह, कृषि (एनीमल हसबेंड्री एण्ड डेयरिंग) में नवीन कुमार पटेल, कृषि (जेनेटिक्स एण्ड प्लांट ब्रीडिंग) में कुमार ऑत्रिकेश कल्याण एवं विशाल सिंह, कृषि (एंटोमोलाजी) में मंजीत पाण्डेय, एमएससी गृह विज्ञान (फूड न्यूट्रीशन) में स्नेहा श्रीवास्तव, (चाइल्ड डेवलपमेंट) में दीपाली को कुलाधिपति स्वर्ण पदक दिया।

एमडी (कम्यूनिटी मेडीसिन) जैनब खान, एमडीएस (पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री) में नेहा, (पीडोडोन्टिक्स एण्ड डेन्टिस्ट्री प्रवेन्टिव) में रिनी खन्ना, एमएससी नर्सिंग में श्वेता एमएड जया सिंह व स्वाति तिवारी, एमपीएड दुर्गेश कुमार, एमबीए में खुशबू गुप्ता, एमएससी जैव तकनीकी अनुष्का खारी, जैव रसायन विज्ञान में संध्या पाठक, गणित एवं सांख्यिकी में रितिका सिंह, एमए अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास में रेया पाण्डेय, इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व में वैशाली सिंह, एमएससी सूक्ष्म जीव विज्ञान में सारा फातिमा, पर्यावरण विज्ञान में आकांक्षा सिंह, भौतिकी इलेक्ट्रानिक्स में शालिनी तिवारी, इलेक्ट्रानिक्स में सोनू कुमार, एमटेक एमई में अनामिका तिवारी, ईसी में सुमित कुमार श्रीवास्तव, सीएम में नेहा यादव, एमसीए सोनल यादव, एमबीए एग्री बिजनेस प्रिंस सिंह, फाइनेंस कंट्रोल रवि गुप्ता, एमटेक आईटी विकास कुमार तिवारी, एमए अंग्रेजी अदीबा, एमसीजे साक्षी श्रीवास्तव, एमपीएच में विवेक कुमार, एमएसडब्ल्यू प्रियंका सचदेवा, प्रसार शिक्षा एवं ग्रमीण विकास में वत्सला अचारी, गवर्नेंस इन पब्लिक पालिसी में आशी गुप्ता, एमटीए में सुनील कुमार, एमलिब में अनुराग मिश्र, एमएसडब्यू में सुकृति गुप्ता, एमलिब में मोती प्रकाश सिंह, एमए योगा थेरेपी में मानसी गुप्ता, एमफिल समाजकार्य में सौरभ श्रीवास्तव को कुलाधिपति स्वर्ण पदक मिला।

इसके अलावा बीए राखी सेन, बीएससी निदा मोहम्मदी, बीकाम में श्रेवा अग्रवाल, बीएससी कृषि में शिवानी सिंह यादव, गृह विज्ञान में अरूणिमा जायसवाल, बीटेक आईटी में करिश्मा राय, एमई में हर्षित सिंह, सीएस में आयुष मिश्र, ईसी में राज आर्यन व नाजनीन बानो, एमसीजे वी-वोक में युक्ति गुप्ता, एमबीबीएस में अस्मिता मिश्रा व रितिका जैन, बीडीएस में शिवांगी व देविका बाजपेयी, बीएड में अंकित कुमार व अभिषेक सिंह, एलएलबी त्रिवर्षीय में सोम्या चित्रांशी, एलएलबी पंचवर्षीय में देवदीप मालवीय व श्वेता सिंह, बीलिब में अनुराग कुमार तिवारी, बीएससी नर्सिंग में जुबी मकसूद, बीएससी पीबी नर्सिंग में खुशबू पाण्डेय, बीएससी एमएलटी में रवीन्द्र कुशवाहा, बीपीईस में एकता सिंह, बीएससी बीआरडीआईटी में राशिद खान, वी-वोक टूरिज्म एण्ड हास्पिटलिटी में ज्योति तिवारी तथा बीलिब में राजकुमार को कुलपति स्वर्ण पदक मिला। मेडल व उपाधि पाकर विद्यार्थी खुश रहे।

खुशी के पल

- विभिन्न पाठ्यक्रमों में 115 विद्यार्थियों को मिला स्वर्ण पदक
- 777 को स्नातक, परास्नातक व पीएचडी में 24 उपाधि दी गई

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

मुख्य परियोजना प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रोफार्मा पर मोहर बन्द ई-निविदाऐं दो पैकेट में आमंत्रित की जाती है।

1	कार्य का नाम व स्थान	उत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल पर लखनऊ यार्ड में 4 - लाइन एंट्री एवं एक्जिट के संबंध में थ्री-स्ट्रिंग स्टील गर्डर के साथ आर.ओ.बी.- 785 (फ्लाई पुल) का प्रतिस्थापन एवं कानपुर में जयपुरिया स्कूल के निकट समपार सं. 43/विशेष पर 2- लेन आर.ओ.बी., कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक स्टेशन के निकट समपार सं. 40/सी पर 4-लेन आर.ओ.बी. व ट्रांसपोर्ट नगर स्टेशन के निकट समपार सं. 5/सी पर 4-लेन आर.ओ.बी. के रेलवे भाग का निर्माण।
2	कार्य पूरा करने की अवधि	15 (पन्द्रह) माह
3	कार्य की अनुमानित लागत	रु. 6758.54 लाख
4	धरोहर राशि	रु. शून्य (Annexure - T में वर्णित निर्देशानुसार निविदाकर्ता बिड सिक्योरिटी डिक्लरेशन IREPS साइट पर अवश्य जमा करें)
5	ई टेंडर जमा करने की तारीख/समय एवं निविदा खुलने की तारीख	निविदाएँ दिनाँक 09.04.2021 को 11:30 बजे तक आई.आर.ई.पी.एस. की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड की जा सकती है तथा दिनाँक 09.04.2021 को समय 11:30 बजे खोली जाएगी।
6	विस्तृत निविदा सूचना एवं प्रपत्र	विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र दिनाँक 19.03.2021 से आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध रहेंगे व दिनांक 26.03.2021 से 09.04.2021 तक ई-निविदा अपलोड की जा सकती है।

संख्या: 21-टेण्डर/सीपीएम/उ.रे./लखनऊ दिनांक 10.03.2021 550/21

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हिन्दुस्तान मीडिया वेन्चर्स लिमिटेड
पॉकेट-2, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ

टेन्डर नोटिस

आवश्यकता है टैक्सी कान्ट्रैक्टरों की

टैक्सी मालिक जिनके पास डीजल गाड़ी मार्शल, टाटा 207, महेन्द्रा मैक्स (डाला), बोलेरो, टवेरा हो तथा निम्नलिखित मार्गों पर अपनी गाड़ी चलाने का इच्छुक हो, उनसे मोहरबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। जिनके पास नया गाड़ी हो एवं अखबार ले जाने का कार्य पूर्ण अनुभव है वह कृपया अलग से विस्तृत जानकारी दें। निविदायें दिनांक 28.03.2021 अपरान्ह 1:00 बजे तक स्वीकार की जायेगी। निविदा का प्रारूप निम्न है-

क्र. सं.	मेन टैक्सी मार्ग	क्र. सं.	लिंक टैक्सी मार्ग
1	लखनऊ - फैजाबाद- गोंडा	1	करनैलगंज-परसपुर-दुरजनपुर
2	लखनऊ - फैजाबाद-उतरौला	2	बहराइच-गिलौला-इकौना
3	लखनऊ - रायबरेली-ऊंचाहार-अरखा	3	बहराइच-इमामगंज-बदलाचौराहा
4	लखनऊ - बाराबंकी -रुदौली	4	बहराइच-निनगा-लक्ष्मण नगर
5	लखनऊ - हैदरगढ -इन्हौना-मऊसैनपौता	5	नानपारा -मिहिनपुरवा
6	लखनऊ - महमूदाबाद-रेउसा	6	जगदीशपुर-गौरीगंज-अमेठी-रामगंज
7	लखनऊ - सीतापुर -हरगांव-तम्बौर	7	सुल्तानपुर-दोस्तपुर
8	लखनऊ - देवा -रामपुर मथुरा	8	सुल्तानपुर-अखण्ड नगर
9	लखनऊ -फैजाबाद	9	सुल्तानपुर-कूरेभार-हलैया-पारा
10	लखनऊ-हरदोई-शाहाबाद-पाली-पवदेवा	10	फैजाबाद -रानगत-चौबरे
		11	फैजाबाद-टाण्डा-बसखारी-राजेसुल्तानपुर
		12	डलमऊ -लालगंज-सरेनी-भोजपुर
		13	रायबरेली-गांधीनगर-महाराजगंज-तिलोई
		14	रायबरेली - डलमऊ-नदागंज
		15	रायबरेली -सलोन-नसीराबाद
		16	बाराबंकी-मसौली-टिकैत नगर
		17	बाराबंकी-जैदपुर -हंसला बाजार
		18	सीतापुर-मिश्रिख-मछरेटा-लहरपुर
		19	रिसौली-बिसवां-लहरपुर
		20	फैजाबाद-कुमारगंज-हलियापुर
		21	फैजाबाद-बीकापुर-चौरेबाजार
		22	हरदोई-बेनीगंज-अतरौली
		23	सण्डीला-हरपालपुर-पिहानी

अपना आवेदन लेटर हेड पर या सादे कागज पर अपना नाम, पता, फोन नम्बर, ऐच्छिक मार्ग तथा प्रतिदिन का किराया स्पष्ट शब्दों में लिखें किराया मात्र एक तरफ का देय होगा।

कृपया लिफाफे पर 'टैक्सी कान्ट्रैक्ट हेतु आवेदन पत्र' लिखकर निम्नलिखित पते पर भिजवायें। चयनित कान्ट्रैक्टरों को रू0 5000/-धनराशि कार्यालय में जमा करना होगा।

केवल रजिस्टर्ड डाक अथवा कोरियर द्वारा भेजे गये आवेदन मान्य होंगे। गाड़ी के कागज आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना आवश्यक है।

उपमहा प्रबन्धक (वाणिज्य)-
हिन्दुस्तान मीडिया वेन्चर्स लिमिटेड पॉकेट-2,
विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ

कार्यालय जिला क्रीड़ा अधिकारी, सीतापुर

अल्पकालीन निविदा

मेजर ध्यान चन्द स्टेडियम/तरणताल स्टेडियम, सीतापुर एवं स्पोर्ट्स स्टेडियम, महमूदाबाद के लिए साइकिल स्टैण्ड के ठेके की कार्यवाही (ठेके की बोली) सत्र 2021-22 हेतु दिनांक 25.03.2021 को 12.00 बजे जिला क्रीडा अधिकारी, सीतापुर के कार्यालय में होगी। इच्छुक ठेकेदार किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से निःशुल्क फार्म एवं नियमावली प्राप्त कर सकते है।

भवदीय,
(नरेश चन्द्र यादव)
जिला क्रीड़ा अधिकारी, सीतापुर

UP 161998, Dt., 09.03.2021,
Website: www.upgov.nic.in

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, उन्नाव

पत्रांक/एस0एस0ए0/फर्नीचर/22553-59/2020-21 दिनांकः 11.03.2021

जेम बिड विज्ञप्ति

राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, लखनऊ के कार्यालय के पत्रांक-नि0का0/स0शि0/बजट/10511/2020-21 दिनांक 05 मार्च 2021 एवं शासनादेश संख्या-351/68-5/2020 दिनांक 11 मार्च 2021 बेसिक शिक्षा अनुभाग-5, लखनऊ दिनांक 05 मार्च 2021 के अनुपालन क्रम में उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में जेम पोर्टल के माध्यम से फर्नीचर क्रय किये जाने हेतु जेम पोर्टल पर बिड संख्या GEM/2021/B/1113776 दिनांक 11.03.2021 को आमंत्रित है। इच्छुक निविदादाता दिनांक 22.03.2021 को अपरान्ह 2 बजे तक जेम पोर्टल पर बिड अपलोड कर सकते है। नियम एवं शर्तें उक्त जेम-बिड पर अंकित है।

(प्रदीप कुमार पाण्डेय)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
उन्नाव

लखनऊ नगर निगम
लालबाग, टी.एन. मार्ग, लखनऊ-226001 (उ.प्र.)
ई-मेल nnlko@up.nic.in फोन फैक्स : 0522-2612639

ई-निविदा सूचना सं0: 328/P/AMC/T.S.(P) दिनांक : 12.03.2021

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत अल्प-कालीन निविदा सूचना

लखनऊ नगर निगम सीमान्तर्गत ''लखनऊ नगर निगम (विज्ञापन पर अनुज्ञा शुल्क का निर्धारण और वसूली) [illegible] होगी, नगर निगम लखनऊ में 'ए' श्रेणी में पंजीकृत विज्ञापन एजेन्सियों से प्रचार विभाग द्वारा निर्धारित ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत द्वि-लिफाफा पद्धति पर दिनांक 20.03.2021 को अपरान्ह 2.00 बजे तक ई-निविदायें ई-निविदा पोर्टल https://etender.up.nic.in पर आमंत्रित की जाती है, जिनकी तकनीकी ई-निविदा मात्र को तद्दिनांक सांयकाल 04.00 बजे खोला जायेगा। अपलोड की गयी निविदा का पोर्टल से प्रिंट कराकर मूल जमानत धनराशि के साथ दिनांक 15.03.2021 को अपरान्ह 3.00 बजे तक प्रभारी अधिकारी (प्रचार) के कार्यालय कक्ष में रखे निविदा बाक्स में डालना होगा। किसी भी ई-निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। अन्य समस्त नियम/शर्तें तथा निविदा प्रपत्र पोर्टल पर उपलब्ध है।

निविदा प्रपत्र शुल्क NEFT/RTGS के माध्यम से नगर निगम के एक्सिस बैंक इंदिरा नगर लखनऊ के लखनऊ नगर निगम प्रचार निधि खाता संख्या-916010004475151 आई0एफ0सी0 कोड UTIB0000355 में आनलाइन जमा किया जायेगा।

अपर नगर आयुक्त (ए0डी0)

कार्यालय आदर्श नगर पंचायत जैदपुर, बाराबंकी

पत्रांकः 779/न0पं0जै0-अ0आ0नी0सू0/2020-21 दिनांक 11 मार्च, 2021

अल्पकालिक नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत जैदपुर, बाराबंकी के निम्नलिखित वार्षिक ठेका वर्ष 2021-22 के लिए खुली नीलामी दिनांक 26 मार्च 2021 को पूर्वाह्न 11.00 बजे अध्यक्ष महोदया, नगर पंचायत जैदपुर की उपस्थिति में की जाएगी। नगर पंचायत जैदपुर के किसी बकायेदार को बोली में भाग लेने का अधिकार नहीं होगा। सर्वोच्च बोली लगाने वाले व्यक्ति को 50 प्रतिशत धनराशि बोली समाप्त होने के तुरन्त बाद जमा करना होगा। बोली की धनराशि जमा न होने पर जमा जमानत धनराशि जब्त कर ली जाएगी। व्यक्ति को निर्धारित दर को जनरल स्टाम्प पेपर पर नगर पंचायत जैदपुर के पक्ष में अनुबन्ध कराना होगा। बोली से सम्बन्धित शर्तें कार्यालय नगर पंचायत जैदपुर में किसी भी कार्यदिवस मे देखी जा सकती हैं।

क्र0 सं0	ठेके का नाम	जमानत धनराशि	तिथि	समय
01	वाहन स्टैण्ड, जैदपुर- बाराबंकी मार्ग	1,00,000.00	26 मार्च 2021	11.00 बजे
02	वाहन स्टैण्ड, जैदपुर- सिद्धौर मार्ग			
03	वाहन स्टैण्ड, जैदपुर-सफदरगंज मार्ग			
04	वाहन स्टैण्ड, जैदपुर-बीबीपुर मार्ग			
05	वाहन स्टैण्ड, जैदपुर-भानमऊ मार्ग			
05	बस स्टॉप में निर्मित दुकान/स्टॉल	25,000.00	"	11.00 बजे
06	हड्डी -चमड़ा।	5,000.00	"	11.00 बजे

(योगेश प्रताप मिश्र)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत जैदपुर, बाराबंकी

(चाँद बीबी)
अध्यक्ष
नगर पंचायत जैदपुर, बाराबंकी

अमर उजाला माईसिटी, अयोध्या

दिनांक: 13 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्या: 01

my city

अमर उजाला

सूर्योदय सुबह 6.18
सूर्यास्त शाम 6.14

35.0°
temperature
17.0°

शनिवार 13.03.2021
फाल्गुन कृष्णपक्ष अमावस्या, विक्रम संवत 2077

lucknow.amarujala.com

अयोध्या

mycity

न्यूज कैप्सूल

पूर्व प्रधान पर फायरिंग युवक के हाथ में लगी गोली

अयोध्या। कोतवाली क्षेत्र के तकपुरा गांव में शुक्रवार देर शाम तकपुरा गांव के पूर्व प्रधान पर फायरिंग कर जानलेवा हमला किया गया। बचाव में दौड़ा एक अन्य युवक हाथ में गोली लगने से घायल हो गया है। खबर लिखे जाने तक पुलिस मामले की जांच कर रही थी। कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के तकपुरा गांव निवासी पूर्व प्रधान संदीप वर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शुक्रवार दोपहर में गांव के एक व्यक्ति ने फोन कर उनसे 10 लाख रुपये रंगदारी मांगी थी। इसकी शिकायत करने वो देर शाम उसके घर गए थे। उन्होंने रंगदारी मांगने की बात शुरू ही की थी, कि उन पर फायर झोंक दिया गया। हालांकि गोली बचाव में दौड़े आरोपी के भाई के हाथ में लग गई। अयोध्या कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मामले की जांच की।आरोपी फरार बताया जा रहा है। संवाद

बकाया न चुकाने पर दो दुकान सीज, एक को जेल

रुदौली। बकाया राजस्व राशि वसूली के लिए पहुंची राजस्व टीम से अभद्रता करना बकायेदार को महंगा पड़ा। बकाया न चुकाने पर आरोपी की दो दुकानों को सीज करने के साथ ही अभद्रता के आरोपी पुत्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मामला सिनेमाहाल रोड का है। यहां के निवासी राम नारायन कनपुरिया पर लगभग 10.60 लाख का विविध देय का राजस्व बकाया है। आरसी जारी होने के बाद भी बकायेदार द्वारा इसे नहीं चुकाया गया। तहसीलदार प्रज्ञा सिंह के निर्देश पर संग्रह अमीन संघ अध्यक्ष सीताकांत तिवारी की अगुवाई में तीन सदस्यीय राजस्व टीम वसूली करने पहुंची तो बकायेदार के पुत्र दीपक ने अपने कुछ साथियों के साथ राजस्व टीम से अभद्रता शु[illegible] दी। जानकारी पर एसडीएम [illegible]न सिंह ने नयागंज चौकी प्रभारी वीरेंद्र [illegible]ल को पुलिस फोर्स के साथ भेजा। [illegible] ने आरोपी दीपक को हिरासत में ले[illegible] एसडीएम कोर्ट में पेश किया। एसडीएम विपिन सिंह ने आरोपी को जेल भेज दिया। - संवाद

अमर उजाला से संपर्क करें- 8392946179

स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास पढ़ें विद्यार्थी : राज्यपाल

अवध विश्व विद्यालय

25 वें दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल व उपाधि पाकर खिले मेधावियों के चेहरे

अवध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मेधावी छात्रा को गोल्ड मेडल देतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। साथ में डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा व अन्य। - संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह में मेधावियों व उपाधि ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को दीक्षोपदेश देते हुए कुलाधिपति/राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि सभी विद्यार्थी स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास को पढ़ें। कम से कम आजादी से जुड़े इतिहास की 10 पुस्तकों का अध्ययन करें और पुस्तकों को पढ़ने के बाद क्या प्रेरणा मिली, इसका नोट्स तैयार करें। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों को आजादी के मायने पता चलेंगे और अब उनकी देश व समाज के प्रति क्या जिम्मेदारी है इसका अहसास होगा।

राज्यपाल के अपने संबोधन में कहा कि आज 12 मार्च है। आज के ही दिन महात्मा गांधी वर्ष 1930 में डांडी यात्रा शुरू की थी। इसके परिपेक्ष्य में प्रधानमंत्री ने अमृत महोत्सव का आगाज किया है। इसमें युवा पीढ़ी को आजादी के मायने पहचाने की कोशिश होगी। उन्होंने कहा कि जब देश में 150 वर्ष से लोग गुलामी के खिलाफ लड़ रहे थे तो उनको यह नहीं मालूम था कि आजादी कब आएगी लेकिन उनका दृढ़ निश्चय ही था कि आजादी आई। कहा कि अब आजादी तो आ गई है लेकिन इस आजादी के लक्ष्य को प्राप्त करना है। भारत को आत्म निर्भर बनाने के साथ अपनी पहचान विश्व गुरु के रूप में करानी है। कहा कि वर्ष भर में आजादी के बड़े आंदोलनों से संबंधित 75 दिन हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति को निर्देश दिया कि सभी अलग-अलग 75 दिवसों में संवाद, व्याख्यान व अन्य कार्यक्रम आयोजित कराए जाएं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कई ऐसे जिले हैं जहां आजादी की लड़ाई में बड़ी घटनाएं हुई हैं। इन स्थानों का लोग दर्शन करें व प्रेरणा लें कि किस तरह से आजादी आई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अभ्यागत भारतीय राजदूत व मौसम वैज्ञानिक लक्ष्मण सिंह राठौर ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के ज्ञान व विचार को अनंत आकाश में ले जाना है लेकिन इस यात्रा में उसे अपनी आधार भूमि से जोड़े रखना चाहिए। समाज व राष्ट्र की समस्याओं के प्रति जागरूकता करना, संवेदनशीलता बनाना व दायित्व- निर्वहन की क्षमता से संपन्न करना शिक्षा का प्राथमिक उद्देश्य है। कहा कि आप सभी को एक संवेदनशील विश्व नागरिक भी बनाना है ताकि मानवीय जीवन के संकट व उसकी चुनौतियों की बेहतर समझ व साझेदारी विकसित की जा सके।

इससे पूर्व दीक्षांत समारोह का आगाज शोभायात्रा के आगमन के साथ हुआ। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन व मां सरस्वती के चित्र पर मुख्य अतिथि समेत सभी लोगों माल्यार्पण कर किया गया। विवि की छात्राओं की ओर से राष्ट्रगीत व विवि का गीत पेश किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह की ओर से राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, मुख्य अभ्यागत लक्ष्मण सिंह राठौर व उच्च शिक्षा राज्य मंत्री नीलिमा कटियार को ग्रंथ गुच्छ व पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया। कुलाधिपति ने सभी मेडल को दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम में सांसद लल्लू सिंह, महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, नगर विधायक वेद गुप्ता, रुदौली विधायक रामचंद्र यादव, विवि के कुलसचिव उमानाथ, कुलानुशासक प्रो. अजय प्रताप सिंह समेत सभी प्रोफेसर, कार्य परिषद के सदस्य सहित संत-महंत मौजूद रहे।

संबंधित खबरें पेज 3 पर...

लगातार ऊंचा हो रहा शिक्षा का स्तर : डॉ. शर्मा

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि दीक्षांत ग्रहण की शिक्षा को समर्पित करने का अवसर है। कहा कि शिक्षा के स्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में नए पाठ्यक्रमों में रोजगार परक शिक्षा व आत्म निर्भरता संबंधी पाठ्यक्रमों का समावेश किया जा रहा है। नई शिक्षा नीति के तहत ऐसे पूरे प्रदेश में इस प्रकार के पाठ्यक्रम बन रहे हैं कि किसी भी विश्वविद्यालय से कोई भी विद्यार्थी कहीं जाता है तो उसे अपने कोर्स से संबंधित 70 प्रतिशत पाठ्यक्रम में समानता मिले। उन्होंने प्रदेश में उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए डिजिटल लाइब्रेरी शुरू की है। इस पर 79 हजार ई-कंटेंट लोड किए गए हैं। इसके लिए प्रदेश सरकार ने आईआईएम खड़गपुर व भारत सरकार से एमओयू किया है। इसको और बेहतर करने का प्रयास चल रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या सनातन धर्म की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। यहां भगवान राम और अयोध्या पर बड़े शोधों की आवश्यकता है। इसके लिए निजी क्षेत्र के लोग आगे आएंगे। यहां जल्द ही निजी क्षेत्र का श्रीराम विश्वविद्यालय खोला जाएगा। साथ ही वैदिक, ज्योतिष, वैदिक रीतियों, योगों से संबंधित विषयों पर शोध किया जाएगा।

विकास में अहम भूमिका निभा रही कृषि विवि की तकनीक

आचार्य नरेंद्रदेव कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 579 छात्र-छात्राओं को राज्यपाल ने दी उपाधि

संवाद न्यूज एजेंसी

आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में मेधावी छात्रा को गोल्ड मेडल देतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व अन्य। - संवाद

कुमारगंज। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का 22 वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को मनाया गया। अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति/राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 579 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की। उन्होंने उपाधि पाने वाले छात्र-छात्राओं को समाज व राष्ट्र के प्रति उनके उत्तरदायित्व का स्मरण कराते हुए कृषि क्षेत्र में उन्नति लाने, राष्ट्र के विकास में योगदान करने का संकल्प दिलाया। कहा कि विवि द्वारा विकसित प्रजातियां व तकनीक अहम भूमिका निभा रही है।

राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं कृषि जगत के वैज्ञानिकों को सरकार द्वारा कृषकों के हित में चलाई जा रही योजनाओं को अपनाने व कृषकों की कृषि आधारित समस्याओं का तकनीकी निदान करने हेतु कृषि आह्वान किया। उन्होंने गुजरात में मुख्यमंत्री रहते हुए महिला शिक्षा, रोजगार व जागरूकता के क्षेत्र में किए तमाम कार्य भी गिनाए। शिक्षक की भूमिका में सफलता के तमाम टिप्स भी दिए। दीक्षांत समारोह में नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद्र को उनकी अनुपस्थिति में मानद उपाधि प्रदान की गई। इसके अलावा कृषि, उद्यान, सामुदायिक, अभियंत्रण व पशु चिकित्सा, पशुपालन पाठ्यक्रमों में स्नातक एवं परास्नातक के कुल 579 छात्र-छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई। समारोह के दौरान छह उपाधि धारकों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, 11 उपाधि धारकों को कुलपति स्वर्ण पदक तथा आठ उपाधि धारकों को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाने वाली समस्त उपाधि धारक छात्राएं रहीं जिसे राज्यपाल द्वारा सराहा गया।

आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं कुलपति द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर राष्ट्रप्रेम की चर्चा की गई।

विवि के कुलपति, डॉ. बिजेंद्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। विवि द्वारा शिक्षा, शोध एवं प्रसार में किए गए कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। मीडिया प्रभारी डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि दीक्षांत समारोह के प्रमुख आकर्षण परिषदीय स्कूल के बच्चे रहे। जिन्हें कुलाधिपति द्वारा स्कूल बैग, ज्ञानवर्धक पुस्तकें व पौष्टिक आहार आदि दे कर सम्मानित किया गया।

प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित

पूर्वांचल के विभिन्न जनपदों से आए पद्मश्री एवं प्रगतिशील किसानों को अंग वस्त्र आदि पहनाकर सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गए किसानों में पद्मश्री चंद्रशेखर सिंह वाराणसी, इंद्रसेन सिंह जौनपुर ,कृष्णावती बस्ती, अशोक सिंह बाराबंकी, सोहेल आलम सुल्तानपुर व राजेंद्र वर्मा अयोध्या शामिल रहे।

नवीन तकनीक किसानों तक पहुंचा रहा विश्वविद्यालय

अयोध्या। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उप महानिदेशक (शिक्षा) डॉ. राकेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि राज्य कृषि विश्वविद्यालय गुणवत्ता युक्त शिक्षा देकर दक्ष एवं योग्य व्यक्तियों के माध्यम से, देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कृषि के बदलते हुए परिवेश में योग्य एवं तकनीकी रूप से दक्ष, सुशील एवं प्रगतिशील युवा वर्ग एवं शिक्षित व्यक्ति किसानों के उत्थान एवं देश के कृषि क्षेत्र के विकास की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगा। कृषि स्नातकों को इस क्षेत्र में सतत विकास के लिए पेशेवर दक्षता की आवश्यकता है। कृषि विश्वविद्यालय द्वारा रोजगार परक शिक्षा प्रदान कर विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने की ओर अग्रसर किया जा रहा है। विश्वविद्यालय गुणवत्ता युक्त बीज तथा नवीन तकनीकें किसानों तक पहुंचा रहा है। विश्वविद्यालय पशु चिकित्सा एवं पशुपालन में पूर्वांचल के किसानों के उत्थान में अहम योगदान प्रदान कर रहा है।

कृषि वैज्ञानिकों को जाता है अनाज उत्पादन में सुधार का श्रेय

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के कृषि राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपूत [illegible] कि देश में अनाज एवं दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश का अप[illegible] विशिष्ट स्थान है। प्रदेश में अनाज उत्पा[illegible] क्षेत्र में होने वाले सुधार का सारा श्रे[illegible] वैज्ञानिकों को जाता है। प्रदेश के स[illegible] कृषि विश्वविद्यालय किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्नतशील प्रजातियों की खोज कर अपनी प्रतिष्ठा का लोहा मनवा रहे हैं। रासायनिक खेती से हटकर प्रदेश में जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिससे न केवल उत्पादन में आशातीत सफलता मिल रही है बल्कि पर्यावरण की सुरक्षा भी हो रही है। छात्र-छात्राएं कृषि के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर देश की उन्नति में सहायक बने प्रदेश को निर्भर बनाने में यह मुख्य रूप से सहायक सिद्ध होंगे। उपरोक्त आशय का विचार आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज के 22वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर दिया।

अमर उजाला माईसिटी, अयोध्या

दिनांक: 13 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्या: 03

अमर उजाला my city अयोध्या शनिवार • 13.03.2021 lucknow.amarujala.com 3

अवध विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह के दौरान शपथ ग्रहण करते मेधावी छात्र-छात्राएं। (बाएं)। कृषि विश्वविद्यालय में समारोह के बाद सेल्फी लेतीं मेधावी छात्राएं। इस दौरान छात्राओं में इन सुनहरे पलों को मोबाइल में कैद करने की होड़ दिखी। (संवाद)

अवध विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। इस दौरान सलामी के दौरान मौजूद एनसीसी कैडेट। (संवाद)

स्वर्ण पदक पाकर झूम उठे 115 मेधावी

संवाद न्यूज एजेंसी

अयोध्या। अवध विवि के 25 वें दीक्षांत समारोह में 115 मेधावियों के चेहरे स्वर्ण पदक पाने के बाद खुशी से झूम उठे। कुलाधिपति/राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने 28 मेधावियों को कुलपति स्वर्णपदक, 70 मेधावियों को कुलाधिपति स्वर्णपदक तथा दान स्वरूप पदक के रूप में 17 मेधावियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले मेधावियों ने 'अमर उजाला' से बातचीत में बताया है कि यह उनकी मेहनत का परिणाम है और इसी तरह की मेहनत कर देश व समाज को आगे ले जाना चाहते हैं।

एमपीएड में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले मेधावी दुर्गेश कुमार ने बताया है कि उनका लक्ष्य शिक्षक बनना है। बॉटनी विषय में स्वर्ण पदक पाने वाली बेनी बगमाम बताती हैं कि उनका लक्ष्य प्रोफेसर बनना है। एमएससी फिजिक्स में स्वर्ण पदक पाने वाली प्रतिभा मिश्रा बताती हैं कि मेरा लक्ष्य अध्यापिका बनने का है। एमए ड्राइंग में स्वर्ण पदक पाने वाली मालती शिल्पी का कहना है कि वह शिक्षिका बनकर देश की सेवा करना चाहती है।

एमएड में स्वर्ण पदक पाने वाली जया सिंह का कहना है कि ससुराल से उनको काफी सहयोग मिलता है। वह शिक्षिका बनना चाहती हैं। एमए अंग्रेजी में स्वर्ण पदक पाने वाली अदीबा बताती हैं कि उनका लक्ष्य प्रोफेसर बनना है। एमटेक कंप्यूटर साइंस में स्वर्ण पदक पाने वाली नेहा यादव बताती हैं कि वह आईटीओ अफसर बनना चाहती हैं। एमबीए फाइनेंस एंड कंट्रोल में स्वर्ण पदक पाने वाले रवि गुप्ता का बताते हैं कि वो कुछ इस तरह से कार्य करना चाहते हैं कि जिसका बेनीफिट समाज को भी मिले। एमएससी चाइल्ड डेवलपमेंट में स्वर्ण पदक पाने वाली दीपाली बताती हैं कि वह भविष्य में प्रोफेसर बनना चाहती हैं। एमटेक आईटी में स्वर्ण पदक पाने वाले विकास कुमार तिवारी बताते हैं कि वह सिविल सर्विस में जाना चाहते हैं। एमएससी होम साइंस में पदक प्राप्त करने वाली स्नेहा श्रीवास्तव बताती हैं कि वह डाईटेशियन बनना चाहती हैं। एमएससी एग्री एंटीयोलॉजी में स्वर्ण पदक पाने वाले मंजीत पांडेय बताते हैं कि वो कृषि के अधिकारी बनना चाहते हैं।

इसी तरह एमएससी एग्रीकल्चर में स्वर्ण पदक पाने वाले धर्मवीर सिंह ने कहा कि वह भविष्य में कृषि आधारित बिजनेस को अपनाएंगें। एमबीए मार्केटिंग में स्वर्ण पदक पाने वाली आशमा सिंह बताती हैं कि वह भविष्य में मल्टी नेशनल कंपनी की सीईओ बनना चाहती हैं। बीटेक सीएसई में स्वर्ण पदक पाने वाले आयुश मिश्रा बताते हैं कि वह इसरो के वैज्ञानिक बनना चाहते हैं। दो स्वर्ण पदक पाने वाली एमबीए छात्रा खुशबू गुप्ता का कहना है कि देश में व्यपार की दिशा बदलना जरूरी है। इसके लिए कुछ विशेष कार्य करना चाहती हैं। उनका लक्ष्य मल्टी नेशनल के कंपनी के कार्यों पर शोध करना है। वह बताती हैं कि कठिन मेहनत रंग लाई है और उनको दो स्वर्ण पदक मिले हैं।

अवध विवि में डॉ.राममनोहर लोहिया की प्रतिमा को नमन करतीं राज्यपाल आनंदीबेन। (संवाद)

कहा यह हमारी मेहनत का परिणाम

खुशबू गुप्ता

अदीबा

दिपाली

स्नेहा श्रीवास्तव

आयुष मिश्रा

दुर्गेश कुमार

विकास कुमार

मंजीत पांडेय

धर्मवीर सिंह

बेनी बगमाम

नेहा

राष्ट्रीय सहारा, लखनऊ

दिनांक: 13 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्या: 03

शिक्षण संस्थाएं भी मनाएं आजादी का अमृत महोत्सव : राज्यपाल

अवध विवि में छात्रा को उपाधि देतीं कुलाधिपति साथ में डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा।

अवध विवि का दीक्षांत समारोह

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डा. दिनेश शर्मा रहे। मुख्य अभ्यागत अतिथि डा. लक्ष्मण सिंह राठौर स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन यूएनओ विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री उच्च शिक्षा व विज्ञान एवं तकनीकी श्रीमती नीलिमा कटियार रहीं। विश्वववविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने स्वागत किया। इस अवसर पर डा. राठौर को डी.एससी की मानद उपाधि दी गयी।

कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने युवाओं से आत्मनिर्भर भारत का संकल्प पूरा करने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत वर्तमान समय में आजादी का अमृतोत्सव मना रहा है। आज ही के दिन 1930 में महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम से दांडी यात्रा का शुभारम्भ किया था। ब्रिटिश सरकार द्वारा नमक पर टैक्स लगाने का विरोध अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम से प्रारम्भ होकर देश का आंदोलन बन गया। 150 वर्षों से लगातार संघर्ष के बाद देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, विद्वजनों, युवाओं ने अपने जान को न्योछावर कर आजादी पायी है।

दीक्षांत समारोह में कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने कहा कि महामहिम की उपस्थिति विश्वविद्यालय के लिए गौरव के साथ ऐतिहासिक भी है। विवि अपनी स्थापना से लेकर अब तक महत्वपूर्ण उपलब्धियों का साक्षी रहा है। वर्तमान समय में विवि से सम्बद्ध 738 महाविद्यालय है। 6 लाख से अधिक विद्यार्थी इस विवि के विभिन्न पाठ्यक्रमों से जुड़े हैं। दीक्षांत समारोह में 115 स्वर्ण पदक प्रदान किए गये जिसमें 28 कुलपति स्वर्णपदक, 70 कुलाधिपति स्वर्णपदक तथा दान स्वरूप पदक के रूप में 17 स्वर्णपदक प्रदान किए गये। दीक्षांत समारोह में कुल 777 स्नातक, परास्नातक उपाधि एवं पीएचडी में 24 उपाधि षोधार्थियों को दी गई। इस समारोह का मुख्य आकर्शक परिधान में पुरूश परिधान में सफेद कुर्ता एवं सफेद पायजामा तथा महिला परिधान में सफेद कुर्ता एवं सफेद सलवार अथवा लाल बार्डर की साड़ी के साथ ही सिर पर अवधी परिधान की परम्परागत पगड़ी रही। इस अवसर पर अयोध्या सांसद श्री लल्लू सिंह, विधायक वेदप्रकाश गुप्त, विधायक रामचन्द्र यादव, महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, जिलाधिकारी अनुज कुमार झा, डीआईजी एवं एसएसपी, ब्रिगेडियर जेएस विर्क कुलसचिव उमानाथ, वित्त अधिकारी, धनंजय सिंह, मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह रहे।

राष्ट्रीय सहारा, लखनऊ

दिनांकः 13 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 03

राज्य विश्वविद्यालयों में कॉमन पाठ्यक्रम लागू करने पर काम तेज : डॉ. शर्मा

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम डॉ. शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह ग्रहण की गयी शिक्षा को देश को समर्पित करने का एक अवसर है। समाज के लिए शिक्षा का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो सके, इस पर कार्य करने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति में शिक्षा का स्तर बढ़े, इसके लिए सरकार द्वारा राज्य विश्वववविद्यालयों में कॉमन पाठ्यक्रम लागू करने की योजना पर कार्य कर रही है। वर्तमान समय में राज्य सरकार द्वारा डिजीटल लाइब्रेरी की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के दौरान राज्य विश्वविद्यालयों ने 30 विभिन्न पाठ्यक्रमों में 79 हजार ई-कंटेंट अपलोड किए है। इनमें वीडियों लेक्चर, वायस एवं टेक्स्ट को शामिल किया गया है। डिजीटल लाइब्रेरी के उपयोग के लिए देशभर के विद्यार्थी एवं शिक्षक शिक्षण एवं ज्ञान के लिए अपने उपयोग में ले रहे हैं। केंद्र सरकार के साथ एमओयू किया गया है। लघु एवं मध्यम उद्योगों के साथ संस्थानों का अनुबंध कर छात्र-छात्राओं को अध्ययन करते-करते रोजगार पाने का अवसर तैयार किया जा रहा है।

पायनियर, लखनऊ

दिनांकः 13 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 05

युवा भी पढ़ें स्वतंत्रता आंदोलन की गाथाः कुलाधिपति

संवाददाता। अयोध्या

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वे दीक्षांत समारोह का आज 12 मार्च, 2021 को कोविड-19 के अनुपालन में भव्य आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं श्रीराज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मा रहे। मुख्य अभ्यागत अतिथि डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन यूएनओ, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यमंत्री उच्च शिक्षा व विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार की श्रीमती नीलिमा कटियार रही। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने स्वागत किया।

समारोह को संबोधित करती हुई कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि भारत वर्तमान समय में आजादी अमृतोत्सव मना रहा है। आज ही के दिन 1930 में महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम से दांडी यात्रा का शुभारम्भ किया था। ब्रिटिश सरकार द्वारा नमक पर टैक्स लगाने का विरोध अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम से प्रारम्भ हुआ यह आंदोलन देश का आंदोलन बन गया। 150 वर्षों से लगातार सघर्ष के बाद देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, विद्वजनों, युवाओं ने अपने जान को न्यौछावर कर आजादी पायी है। इस आजादी के लिए देश ने भीषण यातनाओं को झेला है। तब जाकर कही स्वराज की स्थापना हो पायी। भारत में देश का हित सर्वोपरि हो इसी संकल्प पर हमें कार्य करना होगा। साथ ही आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लेना होगा। आने वाली पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के सघर्षों की गाथा से परिचित कराना होगा जिससे वे समझ सके कि आजादी के क्या मूल्य है। महामहिम ने कहा कि भारत सरकार द्वारा आयोजित इस अमृत महोत्सव के दौरान प्रत्येक युवा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी कथाओं पर अध्ययन कर आपसी चर्चा का विषय बनाये। विश्वविद्यालयों का यह

अध्ययन के साथ रोजगार भी राज्य सरकार की प्रतिबद्धताः डॉ. दिनेश शर्मा

दायित्व बनता है कि वे आने वाली पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों से परिचित कराये और संकल्प करें कि 15 अगस्त, 2022 तक विशेष अभियान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर विमर्श करें और उन स्थलों का भ्रमण करें जो स्वतंत्रता संग्राम के साक्षी बने है।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह ग्रहण की शिक्षा को समर्पित करने का एक अवसर है। समाज के लिए शिक्षा का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो सके इस पर कार्य करने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति में शिक्षा का स्तर बढ़े इसी लिए सरकार द्वारा राज्य विश्वविद्यालयों में कॉमन पाठ्यक्रम लागू करने की योजना पर कार्य कर रही है। वर्तमान समय में राज्य सरकार द्वारा डिजीटल लाइब्रेरी की स्थापना की गई है। कोविड-19 के दौरान राज्य विश्वविद्यालयों ने 30 विभिन्न पाठ्यक्रमों में 79 हजार ई-कंटेंट अपलोड किए है इसमें वीडियों लेक्चर, वायस एवं टेक्स्ट को शामिल किया गया है। डिजीटल लाइब्रेरी के उपयोग के लिए देशभर के विद्यार्थी एवं शिक्षक शिक्षण एवं ज्ञान के लिए अपने उपयोग में ले रहे है। केन्द्र सरकार के साथ एमओयू किया गया है। लघु एवं मध्यम उद्योगों के साथ संस्थानों का अनुबंध कर छात्र-छात्राओं को अध्ययन करते-करते रोजगार पाने का अवसर तैयार किया जा रहा है। डॉ0 दिनेश शर्मा ने बताया कि अयोध्या में श्रीराम विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव कई निजी संगठनों द्वारा प्राप्त हुआ है। इस विश्वविद्यालय में ज्योतिष, धर्मग्रन्थों एवं कर्मकांडों जैसे महत्वपूर्ण विषयों का अध्ययन का प्रस्ताव आया है। राज्य सरकार ने शिक्षण एवं प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन टीचिंग को लेकर कॉफी गंभीर है और इस क्षेत्र में कार्य कर रही है। कार्यक्रम मुख्य अभ्यागत अतिथि डॉ0 लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन यू0एन0ओ0, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली ने कहा कि आधुनिक युग में ज्ञान की नवजागरणयुगीन ऐतिहासिक क्रांतिकारी भूमिका के व्यतीत हो जाने के बाद आज का वर्तमान समय कौशल विकास का ही है। ज्ञान एवं अर्थव्यवस्था एक दूसरे के पूरक है।

कृषि विश्वविद्यालय का 22वां दीक्षांत समारोह हुआ सम्पन्न

मिल्कीपुर अयोध्या। आचार्य नरेंद्र कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 22वें दीक्षांत समारोह में 579 स्नातक एवं परास्नातक छात्र.छात्राओं को उपाधियां प्रदान प्रदान की गई। इसके अलावा भारत सरकार के नीति आयोग सदस्य एवं प्रख्यात वैज्ञानिक प्रोफेसर रमेश चंद्र को उनकी अनुपस्थिति में विज्ञान वारिधि डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि राज्यपाल द्वारा प्रदान की गई। कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या का 22 वा दीक्षांत समारोह दिनांक शुक्रवार को संपन्न हुआ। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति व उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने की। अध्यक्षीय भाषण में कुलाधिपति ने उपाधि पाने वाले छात्र.छात्राओं को बधाई दी तथा उपाधि धारको को समाज व राष्ट्र के प्रति उनके उत्तरदायित्व को स्मरण कराया। उन्होंने उपाधि धारकों को कृषि क्षेत्र में उन्नति लाने का व्रत लेने तथा राष्ट्र के विकास एवं उन्नयन के प्रति दृढ़ संकल्प कराया। उन्होंने कहा कि जब आप दुनिया की

परिषदीय विद्यालयों के बच्चे बने दीक्षांत समारोह के अति विशिष्ट

वास्तविकताओं का सामना करने के लिए तैयार हो रहे हैंए ऐसे समय में मानव मूल्य व आदर्शों का ध्यान रखते हुए सदैव विवेकपूर्ण शब्दों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं कृषि जगत से जुड़े आगंतुकों को सरकार द्वारा कृषकों के हित में चलाई जा रही योजनाओं को अपनाने तथा कृषकों की कृषि आधारित समस्याओं का तकनीकी निदान करने हेतु कृषि वैज्ञानिकों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अयोध्या द्वारा विकसित प्रजातियो एवं तकनीकी के माध्यम से पूर्वांचल के साथ.साथ उत्तर प्रदेश के विकास में विश्वविद्यालय का अमूल्य योगदान है। जिसे भविष्य में जारी रखते हुए विश्वविद्यालय कृषि शिक्षाए शोध एवं प्रसार के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

जनाभास, लखनऊ

दिनांक: 13 मार्च, 2021 **पृष्ठ संख्या: 04**

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आदर्शों का ध्यान रखते हुए सदैव के माध्यम से पूर्वांचल के साथ–साथ देकर दक्ष एवं योग्य व्यक्तियों के मा. आत्मनिर्भर बनाने की ओर अग्रसर सराहनीय कार्य है। विश्वविद्यालय ने समस्त उपाधि धारकों को बधाई अयोध्या में।

अवध विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन

- युवा भी पढ़े स्वतंत्रता आंदोलन की गाथा: कुलाधिपति

- अध्ययन के साथ रोजगार भी राज्य सरकार की प्रतिबद्धता: उपमुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा

अश्वनी पांडेय

जनाभास,अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह का आज 12 मार्च, 2021 को कोविड–19 के अनुपालन में भव्य आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं श्रीराज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा रहे। मुख्य अभ्यागत अतिथि डॉ0 लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन डब्लूएम0ओ0, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यमंत्री उच्च शिक्षा व विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार की श्रीमती नीलिमा कटियार रहीं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने स्वागत किया। समारोह को संबोधित करती हुई कुलाधिपति एवं श्रीराज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि भारत वर्तमान समय में आजादी अमृतोत्सव मना रहा है। आज ही के दिन 1930 में महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम से दांडी यात्रा का शुभारम्भ किया था। ब्रिटिश सरकार द्वारा नमक पर टैक्स लगाने का विरोध अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम से प्रारम्भ हुआ यह आंदोलन देश का आंदोलन बन गया। 150 वर्षों से लगातार संघर्ष के बाद देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, विद्वजनों, युवाओं ने अपने जान को न्यौछावर कर आजादी पायी है। इस आजादी के लिए देश ने भीषण यातनाओं को झेला है। तब जाकर कहीं स्वराज की स्थापना हो पायी। भारत में देश का हित सर्वोपरि हो इसी संकल्प पर हमें कार्य करना होगा। साथ ही आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लेना होगा। आने वाली पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष की गाथा से परिचित कराना होगा जिससे वे समझ सके कि आजादी के क्या मूल्य है। महामहिम ने कहा कि भारत सरकार द्वारा आयोजित इस अमृत महोत्सव के दौरान प्रत्येक युवा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी कथाओं पर अध्ययन कर आपसी चर्चा का विषय बनाये। विश्वविद्यालयों का यह दायित्व बनता है कि वे आने वाली पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों से परिचित कराये और संकल्प करें कि 15 अगस्त, 2022 तक विशेष अभियान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर विमर्श करें और उन स्थलों का भ्रमण करें जो स्वतंत्रता संग्राम के साक्षी बने है। देश को आजादी मिल गई है परन्तु अभी सही अर्थों में देश के समक्ष कई चुनौतियां है। भारत सरकार एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को गांव–गांव तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालयों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों को ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर जनसहयोग करना होगा। कुलाधिपति ने कहा कि सामाजिक सरोकारों का समझाने एवं उसे अपनाने की जरूरत है। स्वास्थ्य शिक्षा, पर्यावरण प्रदूषण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हो इससे जनमानस को प्रेरणा मिलेगी। देश के लिए जीने की आवश्यकता है यह सभी का कर्तव्य है। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह ग्रहण की शिक्षा को समर्पित करने का एक अवसर है। समाज के लिए शिक्षा का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो सके इस पर कार्य करने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति में शिक्षा का स्तर बढ़े इसी लिए सरकार द्वारा राज्य विश्वविद्यालयों में कॉमन पाठ्यक्रम लागू करने की योजना पर कार्य कर रही है। वर्तमान समय में राज्य सरकार द्वारा डिजीटल लाइब्रेरी की स्थापना की गई है। कोविड–19 के दौरान राज्य विश्वविद्यालयों ने 30 विभिन्न पाठ्यक्रमों में 79 हजार ई–कंटेंट अपलोड किए है इसमें वीडियो लेक्चर, वायस एवं टेक्स्ट को शामिल किया गया है। डिजीटल लाइब्रेरी के उपयोग के लिए देशभर के विद्यार्थी एवं शिक्षक शिक्षण एवं ज्ञान के लिए अपने उपयोग में ले रहे है। केन्द्र सरकार के साथ एमओयू किया गया है। लघु एवं मध्यम उद्योगों के साथ संस्थानों का अनुबंध कर छात्र–छात्राओं को अध्ययन करते–करते रोजगार पाने का अवसर तैयार किया जा रहा है। डॉ0 दिनेश शर्मा ने बताया कि अयोध्या में श्रीराम विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव कई निजी संगठनों द्वारा प्राप्त हुआ है। इस विश्वविद्यालय में ज्योतिष, धर्मग्रन्थों एवं कर्मकांडों जैसे महत्वपूर्ण विषयों का अध्ययन का प्रस्ताव आया है। राज्य सरकार ने शिक्षण एवं प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन टीचिंग को लेकर काफी गंभीर है और इस क्षेत्र में कार्य कर रही है। कार्यक्रम मुख्य अभ्यागत अतिथि डॉ0 लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन डब्लूएम0ओ0, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली ने कहा कि आधुनिक युग में ज्ञान की नवजागरणयुगीन ऐतिहासिक क्रांतिकारी भूमिका के व्यतीत हो जाने के बाद आज का वर्तमान समय कौशल विकास का ही है। ज्ञान एवं अर्थव्यवस्था एक दूसरे के पूरक है। भारतीय जनमानस में पाश्चात्य देशों के दबाव में आकर शिक्षण व्यवस्था को बड़े स्तर पर प्रभावित कर लिया है जिसका परिणाम सुखद नहीं रहा। स्वतंत्रता के उपरांत जिस रूप में शिक्षा का माडल अपनाया गया उसमें स्पष्ट दृष्टिकोण का समावेश नहीं हो सका। डॉ0 राठौर ने कहा कि 11वीं पंचवर्षीय योजना में भारत की शैक्षिक योजना को लागू करने का संकल्प लिया गया था और इसे बारहवी पंचवर्षीय योजना में भी 19 से 24 वर्ष आयु के सिर्फ 5 प्रतिशत से कम लोगों ने व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त की। यदि इसका तुलनात्मक अध्ययन किया जाये तो ग्रामीण आबादी की सिर्फ तीन प्रतिशत लोगों तक पहुंच बन पाई। भारत को यदि राष्ट्रीय सकल नामांकन अनुपात की स्थिति को ठीक करना है तो हमें कौशल विकास आधारित पाठ्यक्रमों के साथ–साथ अन्तर विषयक शोध केन्द्रों की स्थापना पर जोर देना होगा। डॉ0 राठौर ने कहा कि नई शिक्षा नीति–2020 के प्रावधानों में इन्क्यूबेशन केन्द्रों की स्थापना, विभिन्न प्रणालियों का एनसीआईवाई के साथ समन्वय कर शिक्षा नीति में और भी विस्तार किया गया है। यह विदित है कि भारत में प्राचीनकाल से ही भारत में कौशल विकास, अभियांत्रिकी, कारीगरी अत्यन्त विकसित अवस्था में रही थी जिसके स्पष्ट रूप से प्रमाण विद्यमान है। आधुनिक भारत का प्रयास है कि भारत पुनः प्राचीन एवं ऐतिहासिक लय को प्राप्त करें। किसी भी देश की उच्च शिक्षा का प्रदर्शन उसकी प्राथमिक शिक्षा की बुनियाद पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के भारत के सबसे बड़ी चुनौती है प्राथमिक शिक्षा में बने हुए गतिरोध को दूर करना है। देश में व्यापक तौर पर प्राथमिक शिक्षा के पुर्नगठन की आवश्यकता है। इसे दूर किए बगैर लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकेगा। उच्च शिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों को शैक्षिक जन जागरूकता के सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकारों ने प्राथमिक शिक्षा के सभी आयामों पर गंभीरता से मंथन किया है अभी इसे और व्यापक तौर पर अपनाने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति में बुनियादी साक्षरता, स्थानीय भाषाओं के विकास, बाल साहित्य, डिजीटल इंफ्रास्ट्रक्चर फार नॉलेज शेयरिंग, पोषण स्वास्थ्य जैसे प्रमुख विषयों पर गंभीरता से विचार कर इन्हें क्रियात्मक रूप प्रदान किया जाना आवश्यक है। आज के विज्ञान को हमें जीवन मूल्यों व नैतिक दृष्टि की आभा से समन्वित करना होगा। इससे हम प्राकृतिक आपदाओं पर नियंत्रण कर आधुनिक भारत का निर्माण कर सकेंगे। प्रकृति के मूल में आधुनिक भारत का विकास है।

डॉ0 राठौर ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य को ज्ञान व विचार के अनंत प्रकाश की ओर ले जाता है और यह यात्रा उसे आधारभूमि से जोड़े रहती है। आज शिक्षा के क्षेत्र में शोध एवं नवअर्जनों को सुदृढ़ करने के लिए प्रभावी नीतियों का निर्माण किया जा रहा है शीघ्र ही उसके सुखद परिणाम जनमानस को मिलेंगे। भारत की चुनौती अपनी मानव सम्पदा को श्रेष्ठता से आगे बढ़ाते हुए उसे तकनीकी संपदा व गुणवत्तात्मक श्रेष्ठता में बदलना है। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महामहिम की उपस्थिति विश्वविद्यालय के लिए गौरव के साथ–साथ ऐतिहासिक भी है। समयत्र पर महामहिम के दिशा–निर्देश से विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, शैक्षिक वातावरण के निर्माण एवं कुशल नेतृत्व ने हम सभी का मार्ग–दर्शन किया है। विश्वविद्यालय अपनी स्थापना से लेकर अबतक महत्वपूर्ण उपलब्धियों का साक्षी रहा है। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 738 महाविद्यालय है। 6 लाख से अधिक विद्यार्थी इस विश्वविद्यालय विभिन्न पाठ्यक्रमों से जुड़े है। सत्र 2021–22 से परिसर में 28 नये रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का संचालन करने का निर्णय लिया गया है। इस प्रकार नियमित एवं स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की संख्या परिसर में लगभग 58 हो चुकी है। प्रो0 सिंह ने कहा कि यह अपार हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय की स्थापना के 46वें वर्ष में 04–6 मार्च, 2021 को अपना पहला नैक मूल्यांकन पूर्ण कर लिया है। राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन में विश्वविद्यालय ऑनलाइन शिक्षा से सम्बन्धित ई–कंटेंट तैयार कर परिसर एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा को सरल एवं सुगम बना रहा है। विश्वविद्यालय ने चौथी बार दिव्य दीपोत्सव कार्यक्रम में सात हजार स्वयंसेवकों के साथ 6 लाख से अधिक दीपों का प्रज्ज्वलन कर गिनीज बुक वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज किया है। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय अयोध्या हॉफ मैराथन का आयोजन कर खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का कार्य किया है। दीक्षांत समारोह में डॉ0 लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन डब्लूएम0ओ0, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली को मानद उपाधि प्रदान की गई। कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने अतिथियों का स्वागत गंध पुष्प, स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम प्रदान कर किया। उपाधि प्राप्त छात्रों को दीक्षोपदेश एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। 25वें दीक्षांत समारोह में कुल 115 स्वर्ण पदक प्रदान किए गये जिसमें 28 कुलपति स्वर्णपदक, 70 कुलाधिपति स्वर्णपदक तथा दान स्वरूप पदक के रूप में 17 स्वर्णपदक प्रदान किए गये। दीक्षांत समारोह में कुल 777 स्नातक, परास्नातक उपाधि एवं पी0एच0डी0 में 24 उपाधि शोधार्थियों को दी गई। समारोह में आकर्षण का केन्द्र अयोध्या ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय के लगभग 25 छात्र–छात्राएं रहे जिन्हें कुलाधिपति ने फल एवं शिक्षण सामग्री भेंट किया। इस समारोह का मुख्य आकर्षक परिधान में पुरुष परिधान में सफेद कुर्ता एवं सफेद पायजामा तथा महिला परिधान में सफेद कुर्ता एवं सफेद सलवार अथवा लाल बार्डर की साड़ी के साथ ही सिर पर अवधी परिधान की परम्परागत पगड़ी रही। समारोह में सर्वप्रथम कुलाधिपति एवं मुख्य अतिथि के समक्ष 65 बटालियन एनसीसी कैडेटों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दी गई। डोगरा रेजीमेंट सेंटर द्वारा मिलेट्रीबैंड से राष्ट्रगान धुन की प्रस्तुति की। दीक्षांत समारोह के अवसर पर परिसर में स्थित डॉ0 राममनोहर लोहिया एवं सरदार वल्लभभाई पटेल, महात्मा गांधी एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमाओं पर कुलाधिपति एवं अतिथियों के द्वारा माल्यार्पण किया गया। दीक्षांत समारोह की शोभायात्रा विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन से प्रारम्भ होकर स्वामी विवेकानंद सभागार दीक्षांत समारोह आयोजन तक सम्पन्न हुई। 25 वें दीक्षांत समारोह की शुभारम्भ कुलाधिपति एवं अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इसके छात्राओं द्वारा वंदेमातरम एवं विश्वविद्यालय कुलगीत का समूह गायन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 अशोक शुक्ल ने किया। इस अवसर पर अयोध्या सांसद श्री लल्लू सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्त, विधायक रामचन्द्र यादव, महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, जिलाधिकारी अनुज कुमार झा, डीआईजी एवं एसएसपी, ब्रिगेडियर जेएस विर्क, अयोध्या के गणमान्य संत, अतुल कुमार सिंह, शक्ति सिंह, कुलसचिव उमानाथ, वित्त अधिकारी धनंजय सिंह, मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह कार्यपरिषद के सदस्यगण, विद्यापरिषद के सदस्यगण, विभिन्न विषयों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, समन्वयक, शिक्षकगण, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में पदक धारक एवं उपाधि धारक रहे।

स्वतंत्र चेतना www.swatantrachetnanews.com | **महानगर** | अयोध्या चेतना अयोध्या, शनिवार 13 मार्च, 2021 | 3

छात्र-छात्राएं राष्ट्र के समग्र विकास में अपनी भूमिका निभाएं : राज्यपाल

कृषि विवि के 22वें दीक्षांत समारोह में 579 छात्र-छात्राओं को मिली उपाधि

कृषि के बदलते परिवेश में उत्पादन के लिए योग्य तकनीकी अपनाएं : डा0 राकेश

चेतना समाचार सेवा

मिल्कीपुर। शुक्रवार को आचार्य नरेंद्र कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के 22वें दीक्षांत समारोह में 579 स्नातक एवं परास्नातक छात्र-छात्राओं को उपाधि मिली तो उनके चेहरे पर नूर चमक उठा। जैसे ही कुलपति ने सभी छात्र छात्राओं को उपाधि प्रदान किए जाने की घोषणा किया तो तालियों की गड़गड़ाहट से हाल गूंज उठा। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कर रहीं राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि उपाधि पाने वाले छात्र-छात्राएं बधाई के पात्र है, कहा कि उपाधि धारको को समाज व राष्ट्र के प्रति अच्छा कार्य करें, राज्यपाल ने उन्हे उनके उत्तरदायित्व को स्मरण कराया। उन्होंने उपाधि धारकों को षि क्षेत्र में उन्नति लाने का व्रत लेने तथा राष्ट्र के विकास एवं उन्नयन के प्रति दृढ संकल्प कराया। कहा कि जब आप दुनिया की वास्तविकताओं का सामना करने के लिए तैयार हो रहे हैं, ऐसे समय में मानव मूल्य व आदर्शों का ध्यान रखते हुए सदैव विवेकपूर्ण शब्दों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं षि जगत से जुड़े आगंतुकों को सरकार द्वारा षकों के हित में चलाई जा रही योजनाओं को अपनाने तथा षकों की षि आधारित समस्याओं का तकनीकी निदान करने हेतु षि वैज्ञानिकों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आचार्य नरेंद्र देव षि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अयोध्या द्वारा विकसित प्रजातियो एवं तकनीकी के माध्यम से पूर्वांचल के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के विकास में विवि का अमूल्य योगदान है। जिसे भविष्य में जारी रखते हुए विवि षि शिक्षा, शोध एवं प्रसार के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

मुख्य अतिथि डा0 राकेश चंद्र अग्रवाल, उप महानिदेशक शिक्षा भारतीय षि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली ने कहा कि राज्य षि विवि, सक्षम मानव संसाधन विकसित करने के केंद्र हैं। जो गुणवत्ता युक्त शिक्षा देकर दक्ष एवं योग्य व्यक्तियों के माध्यम से, देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। षि के बदलते हुए परिवेश में योग्य एवं तकनीकी रूप से दक्ष, सुशील एवं प्रगतिशील युवा वर्ग एवं शिक्षित

व्यक्ति किसानों के उत्थान एवं देश के षि क्षेत्र के विकास की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा। षि स्नातकों को इस क्षेत्र में सतत विकास के लिए पेशेवर दक्षता की आवश्यकता है। षि विवि द्वारा रोजगार परक शिक्षा प्रदान कर विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने की ओर अग्रसर किया जा रहा है। वर्तमान में कोविड-19 से उत्पन्न विषम परिस्थितियों में विवि के शिक्षकों द्वारा छात्रों की जिज्ञासाओं के अनुरूप नवीनतम तकनीक का अनुसरण कर स्मार्ट क्लास द्वारा शिक्षण कार्य किया जा रहा है। जो एक अत्यंत सराहनीय कार्य है। विवि गुणवत्ता युक्त बीज तथा नवीन तकनीकीयों को किसानों तक पहुंचा रहा है। जिससे किसानों को सीधा लाभ पहुंच रहा है। वैश्विक स्तर पर दूध और मांस की बढ़ती मांग को

दृष्टिगत रखते हुए षि विविधीकरण के तहत छोटे, सीमांत तथा भूमिहीन किसानों के लिए षि एवं षि से संबंधित अन्य व्यवसाय जैसे पशुपालन एवं मत्स्य पालन का प्रशिक्षण प्रदान कर किसानों की आय में वृद्धि के लिए बेहतर अवसर प्रदान किए जा रहे है। स्वस्थ एवं उत्पादक पशुधन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है। विविपशु चिकित्सा एवं पशुपालन में पूर्वांचल के किसानों के उत्थान में अहम योगदान प्रदान कर रहा है।

नीति आयोग के सदस्य को नही रहने पर भी दी गई उपाधि

दीक्षांत समारोह में नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर रमेश चंद्र जी को उनकी गैर मौजूदी में मानद उपाधि प्रदान की गई तथा षि, उद्यान, सामुदायिक, अभियंत्रण व पशु चिकित्सा एवं पशुपालन पाठ्यक्रमों में स्नातक एवं परास्नातक के कुल 579 छात्र-छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई। समारोह के दौरान 6 उपाधि धारकों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, 11 उपाधि धारकों को कुलपति स्वर्ण पदक तथा 8 उपाधि धारकों को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाने वाले समस्त उपाधि धारक छात्राएं रही जो महिला सशक्तिकरण का एक सजीव उदाहरण है। महामहिम राज्यपाल द्वारा सराहा गया तथा छात्राओं को और आगे बढ़-चढ़कर परिवार, समाज व देश के उत्थान में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया। दीक्षांत समारोह के विशिष्ट अतिथि लाखन सिंह राजपूत राज्यमंत्री षि, षि शिक्षा एवं अनुसंधान ने समस्त उपाधि धारको को बधाई दी तथा उन्हें षि के क्षेत्र में बड़े आयाम हासिल करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने षि वैज्ञानिकों तथा युवा वर्ग को किसानों के हित में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु आह्वान किया। आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ,मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं कुलपति द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर राष्ट्रप्रेम एवं राष्ट्रभक्ति की चर्चा की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति, डा0 बिजेंद्र सिंह ने दीक्षांत समारोह में पधारे समस्त अतिथियों का स्वागत किया तथा विगत एक वर्ष में विवि द्वारा शिक्षा, शोध एवं प्रसार में किए गए कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने विवि को ऊंचाइयों पर पहुंचाने तथा कीर्तिमान स्थापित करने हेतु कार्य करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। डा0 सिंह ने भारत सरकार तथा उत्तर प्रदेश सरकार का सहयोग एवं मार्गदर्शन हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डा0 अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि दीक्षा समारोह के साथ-साथ इस दीक्षांत समारोह के प्रमुख आकर्षण परिषदीय स्कूल के बच्चे रहे जिन्हें कुलाधिपति द्वारा स्कूल बैग, ज्ञानवर्धक पुस्तकें, फल-फूल, पौष्टिक आहार आदि दे कर संवाद करना तथा पूर्वांचल के विभिन्न जनपदों से आए पद्मश्री एवं प्रगतिशील किसानो को अंग वस्त्र आदि पहनाकर सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गए किसान क्रमशः पद्मश्री चंद्रशेखर सिंह वाराणसी, इंद्रसेन सिंह जौनपुर, श्यावती बस्ती, अशोक सिंह बाराबंकी, सोहेल आलम सुल्तानपुर एवं राजेंद्र वर्मा अयोध्या थे।

अवध विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन

युवा भी पढ़े स्वतंत्रता आंदोलन की गाथाः कुलाधिपति

अध्ययन के साथ रोजगार भी राज्य सरकार की प्रतिबद्धता: उपमुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वे दीक्षांत समारोह शुक्रवार को कोविड-19 के अनुपालन में भव्य आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा रहे। मुख्य अभ्यागत अतिथि डॉ0 लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन यू0एन0ओ0, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यमंत्री उच्च शिक्षा व विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार की श्रीमती नीलिमा कटियार रही। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने स्वागत किया।

समारोह को संबोधित करती हुई कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि भारत वर्तमान समय में आजादी अमृतोत्सव मना रहा है। आज ही के दिन 1930 में महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम से दांडी यात्रा का शुभारम्भ किया था। ब्रिटिश सरकार द्वारा नमक पर टैक्स लगाने का विरोध अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम से प्रारम्भ हुआ यह आंदोलन देश का आंदोलन बन गया। 150 वर्षों से लगातार संघर्ष के बाद देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, विद्वजनों, युवाओं ने अपने जान को न्यौछावर कर आजादी पायी है। इस आजादी के लिए देश ने भीषण यातनाओं को झेला है। तब जाकर कहीं स्वराज की स्थापना हो पायी। भारत में देश का हित सर्वोपरि हो इसी संकल्प पर हमें कार्य करना होगा। साथ ही आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लेना होगा। कुलाधिपति ने कहा कि सामाजिक सरोकारों का समझने एवं उसे अपनाने की जरूरत है। स्वास्थ्य शिक्षा, पर्यावरण प्रदूषण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हो इससे जनमानस को प्रेरणा मिलेगी। देश के लिए जीने की आवश्यकता है यह सभी का कर्तव्य है।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह ग्रहण की शिक्षा को समर्पित करने का एक अवसर है। समाज के लिए शिक्षा का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो सके इस पर कार्य करने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति में शिक्षा का स्तर बढ़े इसी लिए सरकार द्वारा राज्य विश्वविद्यालयों में कॉमन पाठ्यक्रम लागू करने की योजना पर कार्य कर रही है। वर्तमान समय में राज्य सरकार द्वारा डिजीटल लाइब्रेरी की स्थापना की गई है। इस विश्वविद्यालय में ज्योतिष, धर्मग्रन्थों एवं कर्मकांडो जैसे महत्वपूर्ण विषयों का अध्ययन का प्रस्ताव आया है। राज्य सरकार ने शिक्षण एवं प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन टीचिंग को लेकर काफी गंभीर है और इस क्षेत्र में कार्य कर रही है।

दीक्षांत समारोह में डॉ0 लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन यू0एन0ओ0, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली को मानद् उपाधि प्रदान की गई। कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने अतिथियों का स्वागत गंन्ध गुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम प्रदान कर किया। उपाधि प्राप्त छात्रों को दीक्षोपदेश एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। 25वें दीक्षांत समारोह में कुल 115 स्वर्ण पदक प्रदान किए गये जिसमें 28 कुलपति स्वर्णपदक, 70 कुलाधिपति स्वर्णपदक तथा दान स्वरूप पदक के रूप में 17 स्वर्णपदक प्रदान किए गये। दीक्षांत समारोह में कुल 777 स्नातक, परास्नातक उपाधि एवं पी0एच0डी0 में 24 उपाधि शोधार्थियों को दी

गई। समारोह में आकर्षण का केन्द्र अयोध्या ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय के लगभग 25 छात्र-छात्राएं रहे जिन्हे कुलाधिपति ने फल एवं शिक्षण सामग्री भेंट किया। इस समारोह का मुख्य आकर्षक परिधान में पुरूष परिधान में सफेद कुर्ता एवं सफेद पायजामा तथा महिला परिधान में सफेद कुर्ता एवं सफेद सलवार अथवा लाल बार्डर की साड़ी के साथ ही सिर पर अवधी परिधान की परम्परागत पगड़ी रही।समारोह में सर्वप्रथम कुलाधिपति एवं मुख्य अतिथि के समक्ष 65 बटालियन एनसीसी कैडेटों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दी गई।

डोगरा रेजीमेंट सेंटर द्वारा मिलेट्रीबैंड से राष्ट्रगान धुन की प्रस्तुति की। दीक्षांत समारोह के अवसर पर परिसर में स्थित डॉ0 राममनोहर लोहिया एवं सरदार वल्लभभाई पटेल, महात्मा गांधी एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमाओं पर कुलाधिपति एवं अतिथियों के द्वारा माल्यार्पण किया गया। दीक्षांत समारोह की शोभायात्रा विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन से प्रारम्भ होकर स्वामी विवेकानंद सभागार दीक्षांत समारोह आयोजन तक सम्पन्न हुई। 25 वें दीक्षांत समारोह की शुभारम्भ कुलाधिपति एवं अतिथियों द्वारा मॉं सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। इसके छात्राओं द्वारा वंदेमातरम एवं विश्वविद्यालय कुलगीत का समूह गायन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 अशोक शुक्ल ने किया। इस अवसर पर अयोध्या सांसद लल्लू सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्त, विधायक रामचन्द्र यादव, महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, जिलाधिकारी अनुज कुमार झा, डीआईजी एवं एसएसपी, ब्रिगेडियर जेएस विर्क, अयोध्या के गणमान्य संत, अतुल कुमार सिंह, शक्ति सिंह, कुलसचिव उमानाथ, वित्त अधिकारी, धनंजय सिंह, मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह कार्यपरिषद के सदस्यगण, विद्यापरिषद के सदस्यगण, विभिन्न विषयों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, समन्वयक, शिक्षकगण, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में पदक धारक एवं उपाधि धारक रहे।

तरूण मित्र, अयोध्या

दिनांक: 13 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्या: 08

तरुणमित्र अयोध्या- आसपास अयोध्या, 13 मार्च, 2021 8

युवा भी पढ़े स्वतंत्रता आंदोलन की गाथा : कुलाधिपति

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वे दीक्षांत समारोह का शुक्रवार को कोविड-19 के अनुपालन में भव्य आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती

अध्ययन के साथ रोजगार भी राज्य सरकार की प्रतिबद्धताः उपमुख्यमंत्री

आनंदीबेन पटेल ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा रहे। मुख्य अभ्यागत अतिथि डॉ0 लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन यू0एन0ओ0, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यमंत्री उच्च शिक्षा व विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार की श्रीमती नीलिमा कटियार रही। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने स्वागत किया।

समारोह को संबोधित करती हुई कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि भारत वर्तमान समय में आजादी अमृतोत्सव मना रहा है। आज ही के दिन 1930 में महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम से दांडी यात्रा का शुभारम्भ किया था। ब्रिटिश सरकार द्वारा नमक पर टैक्स लगाने का विरोध अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम से प्रारम्भ हुआ यह आंदोलन देश का आंदोलन बन गया। 150 वर्षों से लगातार संघर्ष के बाद देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, विद्वजनों, युवाओं ने अपने जान को न्यौछावर कर आजादी पायी है। इस आजादी के लिए देश ने भीषण यातनाओं को झेला है। तब जाकर कहीं स्वराज की स्थापना हो पायी। भारत में देश का हित सर्वोपरि हो इसी संकल्प पर हमें कार्य करना होगा। साथ ही आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लेना होगा। आने वाली पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के संघर्षों की गाथा से परिचित कराना होगा जिससे वे समझ सके कि आजादी के क्या मूल्य है। महामहिम ने कहा कि भारत सरकार द्वारा आयोजित इस अमृत महोत्सव के दौरान प्रत्येक युवा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी कथाओं पर अध्ययन कर आपसी चर्चा का विषय बनाये। विश्वविद्यालयों का यह दायित्व बनता है कि वे आने वाली पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों से परिचित कराये और संकल्प करें कि 15 अगस्त, 2022 तक विशेष अभियान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर विमर्श करें और उन स्थलों का भ्रमण करें जो स्वतंत्रता संग्राम के साक्षी बने है। देश को आजादी मिल गई है परन्तु अभी सही अर्थों में देश के समक्ष कई चुनौतियां है। नई शिक्षा नीति में शिक्षा का स्तर बढ़े इसी लिए सरकार द्वारा राज्य विश्वविद्यालयों में कॉमन पाठ्यक्रम लागू करने की योजना पर कार्य कर रही है। वर्तमान समय में राज्य सरकार द्वारा डिजीटल लाइब्रेरी की स्थापना की गई है। कोविड-19 के दौरान राज्य विश्वविद्यालयों ने 30 विभिन्न पाठ्यक्रमों में 79 हजार ई-कंटेंट अपलोड किए है इसमें वीडियों लेक्चर, वाचन एवं टेक्स्ट को शामिल किया गया है। डिजीटल लाइब्रेरी के उपयोग के लिए देशभर के विद्यार्थी एवं शिक्षक शिक्षण एवं ज्ञान के लिए अपने उपयोग में ले रहे है। केन्द्र सरकार के साथ एमओयू किया गया है। लघु एवं मध्यम उद्योगों के साथ संस्थानों का अनुबंध कर छात्र-छात्राओं को अध्ययन करते-करते रोजगार पाने का अवसर तैयार किया जा रहा है। डॉ0 दिनेश शर्मा ने बताया कि अयोध्या में श्रीराम विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव कई निजी संगठनों द्वारा प्राप्त हुआ है। इस विश्वविद्यालय में ज्योतिष, धर्मग्रन्थों एवं कर्मकांडों जैसे महत्वपूर्ण विषयों का अध्ययन का प्रस्ताव आया है। राज्य सरकार ने शिक्षण एवं प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन टीचिंग को लेकर काफी गंभीर है और इस क्षेत्र में कार्य कर रही है। कार्यक्रम मुख्य अभ्यागत अतिथि डॉ0 लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन यू0एन0ओ0, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली ने कहा कि आधुनिक युग में ज्ञान की नवजागरणयुगीन ऐतिहासिक क्रांतिकारी भूमिका के व्यतीत हो जाने के बाद आज का वर्तमान समय कौशल विकास का ही है। ज्ञान एवं अर्थव्यवस्था एक दूसरे के पूरक है। भारतीय जनमानस में पाश्चात्य देशों के दबाव में आकर शिक्षण व्यवस्था को बड़े स्तर पर प्रभावित कर लिया है जिसका परिणाम सुखद नही रहा। स्वतंत्रता के उपरांत जिस रूप में शिक्षा का माडल अपनाया गया उसमें स्पष्ट दृष्टिकोण का समावेश नही हो सका। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महामहिम की उपस्थिति विश्वविद्यालय के लिए गौरव के साथ-साथ ऐतिहासिक भी है। समय-समय पर महामहिम के दिशा-निर्देश से विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, शैक्षिक वातावरण के निर्माण एवं कुशल नेतृत्व ने हम सभी का मार्ग-दर्शन किया है। दीक्षांत समारोह में डॉ0 लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन यू0एन0ओ0, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली को मानद उपाधि प्रदान की गई। कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने अतिथियों का स्वागत गन्ध पुष्प, स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम प्रदान कर किया। उपाधि प्राप्त छात्रों को दीक्षोपदेश एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। 25वें दीक्षांत समारोह में कुल 115 स्वर्ण पदक प्रदान किए गये जिसमें 28 कुलपति स्वर्णपदक, 70 कुलाधिपति स्वर्णपदक तथा दान स्वरूप पदक के रूप में 17 स्वर्णपदक प्रदान किए गये। दीक्षांत समारोह में कुल 777 स्नातक, परास्नातक उपाधि एवं पी0एच0डी0 में 24 उपाधि शोधार्थियों को दी गई। समारोह में आकर्षण का केन्द्र अयोध्या ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय के लगभग 25 छात्र-छात्राएं रहे जिन्हे कुलाधिपति ने फल एवं शिक्षण सामग्री भेंट किया। इस समारोह का मुख्य आकर्षक परिधान में पुरूष परिधान में सफेद कुर्ता एवं सफेद पायजामा तथा महिला परिधान में सफेद कुर्ता एवं सफेद सलवार अथवा लाल बार्डर की साड़ी के साथ ही सिर पर अवधी परिधान की परम्परागत पगड़ी रही। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 अशोक शुक्ल ने किया। इस अवसर पर अयोध्या सांसद लल्लू सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्त, विधायक रामचन्द्र यादव, महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, जिलाधिकारी अनुज कुमार झा, डीआईजी एवं एसएसपी, ब्रिगेडियर जेएस विर्क, अयोध्या के गणमान्य संत, अतुल कुमार सिंह, शक्ति सिंह, कुलसचिव उमानाथ, वित्त अधिकारी, धनंजय सिंह, मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह कार्यपरिषद के सदस्यगण, विद्यापरिषद के सदस्यगण, विभिन्न विषयों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, समन्वयक, शिक्षकगण, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में पदक धारक एवं उपाधि धारक रहे।

मखौड़ा संदेश, बस्ती

दिनांकः 13 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 04

हिन्दी दैनिक "मखौड़ा संदेश" बस्ती, शनिवार 1

अवध विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन

युवा भी पढ़े स्वतंत्रता आंदोलन की गाथाः कुलाधिपति अध्ययन के साथ रोजगार भी राज्य सरकार की प्रतिबद्धताः उपमुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा

मखौड़ा संदेश अयोध्या संवाददाता।

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वे दीक्षांत समारोह का आज 12 मार्च, 2021 को कोविड–19 के अनुपालन में भव्य आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं श्रीराज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा रहे। मुख्य अभ्यागत अतिथि डॉ0 लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन यू0एन0ओ0, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यमंत्री उच्च शिक्षा व विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार की श्रीमती नीलिमा कटियार रही। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने स्वागत किया।

समारोह को संबोधित करती हुई कुलाधिपति एवं श्रीराज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि भारत वर्तमान समय में आजादी अमृतोत्सव मना रहा है। आज ही के दिन 1930 में महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम से दांडी यात्रा का शुभारम्भ किया था। ब्रिटिश सरकार द्वारा नमक पर टैक्स लगाने का विरोध अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम से प्रारम्भ हुआ यह आंदोलन देश का आंदोलन बन गया। 150 वर्षों से लगातार सघर्ष के बाद देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, विद्वजनों, युवाओं ने अपने जान को न्यौछावर कर आजादी पायी है। इस आजादी के लिए देश ने भीषण यातनाओं को झेला है। तब जाकर कही स्वराज की स्थापना हो पायी। भारत में देश का हित सर्वोपरि हो इसी संकल्प पर हमें कार्य करना होगा। साथ ही आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लेना होगा। आने वाली पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के सघर्षों की गाथा से परिचित कराना होगा जिससे वे समझ सके कि आजादी के क्या मूल्य है। महामहिम ने कहा कि भारत सरकार द्वारा आयोजित इस अमृत महोत्सव के दौरान प्रत्येक युवा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी कथाओं पर अध्ययन कर आपसी चर्चा का विषय बनाये। विश्वविद्यालयों का यह दायित्व बनता है कि वे आने वाली पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों से परिचित कराये और संकल्प करें कि 15 अगस्त, 2022 तक विशेष अभियान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर विमर्श करें और उन स्थलों का भ्रमण करें जो स्वतंत्रता संग्राम के साक्षी बने है। देश को आजादी मिल गई है परन्तु अभी सही अर्थों में देश के समक्ष कई चुनौतियां है। भारत सरकार एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को गांव–गांव तक पहुँचाने के लिए विश्वविद्यालयों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों को ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर जनसहयोग करना होगा। कुलाधिपति ने कहा कि सामाजिक सरोकारों का समझने एवं उसे अपनाने की जरूरत है। स्वास्थ्य शिक्षा, पर्यावरण प्रदूषण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हो इससे जनमानस को प्रेरणा मिलेगी। देश के लिए जीने की आवश्यकता है यह सभी का कर्तव्य है।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह ग्रहण की शिक्षा को समर्पित करने का एक अवसर है। समाज के लिए शिक्षा का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो सके इस पर कार्य करने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति में शिक्षा का स्तर बढ़े इसी लिए सरकार द्वारा राज्य विश्वविद्यालयों में कॉमन पाठ्यक्रम लागू करने की योजना पर कार्य कर रही है। वर्तमान समय में राज्य सरकार द्वारा डिजीटल लाइब्रेरी की स्थापना की गई है। कोविड–19 के दौरान राज्य विश्वविद्यालयों ने 30 विभिन्न पाठ्यक्रमों में 79 हजार ई–कंटेंट अपलोड किए है इसमें वीडियों लेक्चर, वायस एवं टेक्स्ट को शामिल किया गया है। डिजीटल लाइब्रेरी के उपयोग के लिए देशभर के विद्यार्थी एवं शिक्षक शिक्षण एवं ज्ञान के लिए अपने उपयोग में ले रहे है। केन्द्र सरकार के साथ एमओयू किया गया है। लघु एवं मध्यम उद्योगों के साथ संस्थानों का अनुबंध कर छात्र–छात्राओं को अध्ययन करते–करते रोजगार पाने का अवसर तैयार किया जा रहा है। डॉ0 दिनेश शर्मा ने बताया कि अयोध्या में श्रीराम विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव कई निजी संगठनों द्वारा प्राप्त हुआ है। इस विश्वविद्यालय में ज्योतिष, धर्मग्रन्थों एवं कर्मकांडों जैसे महत्वपूर्ण विषयों का अध्ययन का प्रस्ताव आया है। राज्य सरकार ने शिक्षण एवं प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन टीचिंग को लेकर कॉफी गंभीर है और इस क्षेत्र में कार्य कर रही है।

कार्यक्रम मुख्य अभ्यागत अतिथि डॉ0 लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन यू0एन0ओ0, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली ने कहा कि आधुनिक युग में ज्ञान की नवजागरणयुगीन ऐतिहासिक क्रांतिकारी भूमिका के व्यतीत हो जाने के बाद आज का वर्तमान समय कौशल विकास का ही है। ज्ञान एवं अर्थव्यवस्था एक दूसरे के पूरक है। भारतीय जनमानस में पाश्चात्य देशों के दबाव में आकर शिक्षण व्यवस्था को बड़े स्तर पर प्रभावित कर लिया है जिसका परिणाम सुखद नही रहा। स्वतंत्रता के उपरांत जिस रूप में शिक्षा का माडल अपनाया गया उसमें स्पष्ट दृष्टिकोण का समावेश नही हो सका। डॉ0 राठौर ने कहा कि 11वीं पंचवर्षीय योजना में भारत की शैक्षिक योजना को लागू करने का संकल्प लिया गया था और इसे बारहवीं पंचवर्षीय योजना में भी 19 से 24 वर्ष आयु के सिर्फ 5 प्रतिशत से कम लोगों ने व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त की। यदि इसका तुलनात्मक अध्ययन किया जाये तो ग्रामीण आबादी की सिर्फ तीन प्रतिशत लोगों तक पहुँच बन पाई। भारत को यदि राष्ट्रीय सकल नामांकन अनुपात की स्थिति को ठीक करना है तो हमें कौशल विकास आधारित पाठयक्रमों के साथ–साथ अन्तर विषयक शोध केन्द्रों की स्थापना पर जोर देना होगा। डॉ0 राठौर ने कहा कि नई शिक्षा नीति–2020 के प्रावधानों में इन्क्यूवेशन केन्द्रों की स्थापना, विभिन्न प्रणालियों का एनसीआईवाई के साथ समन्वय कर शिक्षा नीति में और भी विस्तार किया गया है। यह विदित है कि भारत में प्राचीनकाल से ही भारत में कौशल विकास, अभियांत्रिकी, कारीगरी अत्यन्त विकसित अवस्था में रही थी जिसके स्पष्ट रूप से प्रमाण विद्यमान है। आधुनिक भारत का प्रयास है कि भारत पुनः प्राचीन एवं एतिहासिक लय को प्राप्त करें। किसी भी देश की उच्च शिक्षा का प्रदर्शन उसकी प्राथमिक शिक्षा की बुनियाद पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के भारत के सबसे बड़ी चुनौती है प्राथमिक शिक्षा में बने हुए गतिरोध को दूर करना हैं। देश में व्यापक तौर पर प्राथमिक शिक्षा के पुर्नगठन की आवश्यकता है। इसे दूर किए बगैर लक्ष्य को प्राप्त नही किया जा सकेगा। उच्च शिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों को शैक्षिक जन जागरूकता के सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकारों ने प्राथमिक शिक्षा के सभी आयामों पर गंभीरता से मंथन किया है अभी इसे और व्यापक तौर पर अपनाने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति में बुनियादी साक्षरता, स्थानीय भाषाओं को विकास, बाल साहित्य, डिजीटल इंन्फ्रास्क्चर फार नॉलेज शेयरिंग, पोषण स्वास्थ्य जैसे प्रमुख विषयों पर गंभीरता से विचार कर इन्हें क्रियात्मक रूप प्रदान किया जाना आवश्यक है। आज के विज्ञान को हमें जीवन मूल्यों व नैतिक दृष्टि की आभा से समन्वित करना होगा। इससे हम प्राकृतिक आपदाओं पर नियंत्रण कर आधुनिक भारत का निर्माण कर सकेंगे। प्रकृति के मूल में आधुनिक भारत का विकास है। डॉ0 राठौर ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य को ज्ञान व विचार के अनंत प्रकाश की ओर ले जाता है और यह यात्रा उसे आधारभूमि से जोड़े रहती है। आज शिक्षा के क्षेत्र में शोध एवं नवप्रर्वतनों को सुदृढ़ करने के लिए प्रभावी नीतियों का निर्माण किया जा रहा है शीघ्र ही उसके सुखद परिणाम जनमानस को मिलेंगे। भारत की चुनौती अपनी मानव सम्पदा को श्रेष्ठता से आगे बढ़ाते हुए उसे तकनीकी संपदा व गुणवत्तात्मक श्रेष्ठता में बदलना है।

दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महामहिम की उपस्थिति विश्वविद्यालय के लिए गौरव के साथ–साथ एतिहासिक भी है। समयत्र पर महामहिम के दिशा–निर्देश से विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, शैक्षिक वातावरण के निर्माण एवं कुशल नेतृत्व ने हम सभी का मार्ग–दर्शन किया है। विश्वविद्यालय अपनी स्थापना से लेकर अबतक महत्वपूर्ण उपलब्धियों का साक्षी रहा है। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 738 महाविद्यालय है। 6 लाख से अधिक विद्यार्थी इस विश्वविद्यालय विभिन्न पाठ्यक्रमों से जुड़े है। सत्र 2021–22 से परिसर में 25 नये रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का संचालन करने का निर्णय लिया गया है। इस प्रकार नियमित एवं स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की संख्या परिसर में लगभग 58 हो चुकी है।

स्वतंत्र प्रभात, लखनऊ

दिनांक: 13 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्या: 05

अवध विश्वविद्यालय के 25 वें दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन

स्वतंत्रता आंदोलन की गाथा: कुलाधिपति
अध्ययन के साथ रोजगार भी राज्य सरकार की प्रतिबद्धता: उपमुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा

स्वतंत्र प्रभात

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वे दीक्षांत समारोह का आज 12 मार्च, 2021 को कोविड-19 के अनुपालन में भव्य आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं श्रीराज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा रहे। मुख्य अभ्यागत अतिथि डॉ0 लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन यू0एन0ओ0, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यमंत्री उच्च शिक्षा व विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार की श्रीमती नीलिमा कटियार रही। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने स्वागत किया।

समारोह को संबोधित करती हुई कुलाधिपति एवं श्रीराज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि भारत वर्तमान समय में आजादी अमृतोत्सव मना रहा है। आज ही के दिन 1930 में महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम से दांडी यात्रा का शुभारम्भ किया था। ब्रिटिश सरकार द्वारा नमक पर टैक्स लगाने का विरोध अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम से प्रारम्भ हुआ यह आंदोलन देश का आंदोलन बन गया। 150 वर्षों से लगातार सघर्ष के बाद देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, विद्वजनों, युवाओं ने अपने जान को न्यौछावर कर आजादी पायी है। इस आजादी के लिए देश ने भीषण यातनाओं को झेला है। तब जाकर कही स्वराज की स्थापना हो पायी। भारत में देश का हित सर्वोपरि हो इसी संकल्प पर हमें कार्य करना होगा। साथ ही आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लेना होगा। आने वाली पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के सघर्षों की गाथा से परिचित कराना होगा जिससे वे समझ सके कि आजादी के क्या मूल्य है। महामहिम ने कहा कि भारत सरकार द्वारा आयोजित इस अमृत महोत्सव के दौरान प्रत्येक युवा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी कथाओं पर अध्ययन कर आपसी चर्चा का विषय बनाये। विश्वविद्यालयों का यह दायित्व बनता है कि वे आने वाली पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों से परिचित कराये और संकल्प करें कि 15 अगस्त, 2022 तक विशेष अभियान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर विमर्श करें और उन स्थलों का भ्रमण करें जो स्वतंत्रता संग्राम के साक्षी बने है। देश को आजादी मिल गई है परन्तु अभी सही अर्थों में देश के समक्ष कई चुनौतियां है। भारत सरकार एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुँचाने के लिए विश्वविद्यालयों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों को ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर जनसहयोग करना होगा। कुलाधिपति ने कहा कि सामाजिक सरोकारों का समझने एवं उसे अपनाने की जरूरत है। स्वास्थ्य शिक्षा, पर्यावरण प्रदूषण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हो इससे जनमानस को प्रेरणा मिलेगी। देश के लिए जीने की आवश्यकता है यह सभी का कर्तव्य है।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह ग्रहण की शिक्षा को समर्पित करने का एक अवसर है। समाज के लिए शिक्षा का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो सके इस पर कार्य करने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति में शिक्षा का स्तर बढ़े इसी लिए सरकार द्वारा राज्य विश्वविद्यालयों में कॉमन पाठ्यक्रम लागू करने की योजना पर कार्य कर रही है। वर्तमान समय में राज्य सरकार द्वारा डिजीटल लाइब्रेरी की स्थापना की गई है। कोविड-19 के दौरान राज्य विश्वविद्यालयों ने 30 विभिन्न पाठ्यक्रमों में 79 हजार ई-कंटेंट अपलोड किए है इसमें वीडियों लेक्चर, वायस एवं टेक्स्ट को शामिल किया गया है। डिजीटल लाइब्रेरी के उपयोग के लिए देशभर के विद्यार्थी एवं शिक्षक शिक्षण एवं ज्ञान के लिए अपने उपयोग में ले रहे है। केन्द्र सरकार के साथ एमओयू किया गया है। लघु एवं मध्यम उद्योगों के साथ संस्थानों का अनुबंध कर छात्र-छात्राओं को अध्ययन करते-करते रोजगार पाने का अवसर तैयार किया जा रहा है। डॉ0 दिनेश शर्मा ने बताया कि अयोध्या में श्रीराम विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव कई निजी संगठनों द्वारा प्राप्त हुआ है। इस विश्वविद्यालय में ज्योतिष, धर्मग्रन्थों एवं कर्मकांडों जैसे महत्वपूर्ण विषयों का अध्ययन का प्रस्ताव आया है। राज्य सरकार ने शिक्षण एवं प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन टीचिंग को लेकर काफी गंभीर है और इस क्षेत्र में कार्य कर रही है कार्यक्रम मुख्य अभ्यागत अतिथि डॉ0 लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन यू0एन0ओ0, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली ने कहा कि आधुनिक युग में ज्ञान की नवजागरणयुगीन ऐतिहासिक क्रांतिकारी भूमिका के व्यतीत हो जाने के बाद आज का वर्तमान समय कौशल विकास का ही है। ज्ञान एवं अर्थव्यवस्था एक दूसरे के पूरक है। भारतीय जनमानस में पाश्चात्य देशों के दबाव में आकर शिक्षण व्यवस्था को बड़े स्तर पर प्रभावित कर लिया है जिसका परिणाम सुखःद नही रहा। स्वतंत्रता के उपरांत जिस रूप में शिक्षा का माडल अपनाया गया उसमें स्पष्ट दृष्टिकोण का समावेश नही हो सका। डॉ0 राठौर ने कहा कि 11वीं पंचवर्षीय योजना में भारत की शैक्षिक योजना को लागू करने का संकल्प लिया गया था और इसे बारहवीं पंचवर्षीय योजना में भी 19 से 24 वर्ष आयु के सिर्फ 5 प्रतिशत से कम लोगों ने व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त की। यदि इसका तुलनात्मक अध्ययन किया जाये तो ग्रामीण आबादी की सिर्फ तीन प्रतिशत लोगों तक पहुँच बन पाई। भारत को यदि राष्ट्रीय सकल नामांकन अनुपात की स्थिति को ठीक करना है तो हमें कौशल विकास आधारित पाठ्यक्रमों के साथ-साथ अन्तर विषयक शोध केन्द्रों की स्थापना पर जोर देना होगा। डॉ0 राठौर ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों में इन्क्यूबेशन केन्द्रों की स्थापना, विभिन्न प्रणालियों का एनबीआईआई के साथ समन्वय कर शिक्षा नीति में और भी विस्तार किया गया है। यह विदित है कि भारत में प्राचीनकाल से ही भारत में कौशल विकास, अभियांत्रिकी, कारीगरी अत्यन्त विकसित अवस्था में रही थी जिसके स्पष्ट रूप से प्रमाण विद्यमान है। आधुनिक भारत का प्रयास है कि भारत पुनः प्राचीन एवं एतिहासिक लय को प्राप्त करें। किसी भी देश की उच्च शिक्षा का प्रदर्शन उसकी प्राथमिक शिक्षा की बुनियाद पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के भारत के सबसे बड़ी चुनौती है प्राथमिक शिक्षा में बने हुए गतिरोध को दूर करना है। देश में व्यापक तौर पर प्राथमिक शिक्षा के पुर्नगठन की आवश्यकता है। इसे दूर किए बगैर लक्ष्य को प्राप्त नही किया जा सकेगा। उच्च शिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों को शैक्षिक जन जागरूकता के सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकारों ने प्राथमिक शिक्षा के सभी आयामों पर गंभीरता से मंथन किया है अभी इसे और व्यापक तौर पर अपनाने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति में बुनियादी साक्षरता, स्थानीय भाषाओं को विकास, बाल साहित्य, डिजीटल इन्फ्रास्टक्चर फार नॉलेज शेयरिंग, पोषण स्वास्थ्य जैसे प्रमुख विषयों पर गंभीरता से विचार कर इन्हें क्रियात्मक रूप प्रदान किया जाना आवश्यक है। आज के विज्ञान को हमें जीवन मूल्यों व नैतिक दृष्टि की आभा से समन्वित करना होगा। इससे हम प्राकृतिक आपदाओं पर नियंत्रण कर आधुनिक भारत का निर्माण कर सकेंगे। प्रकृति के मूल में आधुनिक भारत का विकास है। डॉ0 राठौर ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य को ज्ञान व विचार के अनंत प्रकाश की ओर ले जाता है और यह यात्रा उसे आधारभूमि से जोड़े रहती है। आज शिक्षा के क्षेत्र में शोध एवं नवप्रर्वतनों को सुदृढ़ करने के लिए प्रभावी नीतियों का निर्माण किया जा रहा है शीघ्र ही उसके सुखद परिणाम जनमानस को मिलेंगे। भारत की चुनौती अपनी मानव सम्पदा को श्रेष्ठता से आगे बढ़ाते हुए उसे तकनीकी संपदा व गुणवत्तात्मक श्रेष्ठता में बदलना है।

दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महामहिम की उपस्थिति विश्वविद्यालय के लिए गौरव के साथ-साथ एतिहासिक भी है। समय- पर महामहिम के दिशा-निर्देश से विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, शैक्षिक वातावरण के निर्माण एवं कुशल नेतृत्व ने हम सभी का मार्ग-दर्शन किया है। विश्वविद्यालय अपनी स्थापना से लेकर अबतक महत्वपूर्ण उपलब्धियों का साक्षी रहा है। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 738 महाविद्यालय है। 6 लाख से अधिक विद्यार्थी इस विश्वविद्यालय विभिन्न पाठ्यक्रमों से जुड़े है। सत्र 2021-22 से परिसर में 25 नये रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का संचालन करने का निर्णय लिया गया है। इस प्रकार नियमित एवं स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की संख्या परिसर में लगभग 58 हो चुकी है। प्रो0 सिंह ने कहा कि यह अपार हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय की स्थापना के 46वें वर्ष में 04-6 मार्च, 2021 को अपना पहला नैक मूल्यांकन पूर्ण करा लिया है। राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन में विश्वविद्यालय ऑनलाइन शिक्षा से सम्बन्धित ई-कंटेंट तैयार कर परिसर एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा को सरल एवं सुगम बना रहा है। विश्वविद्यालय ने चैथी बार दिव्य दीपोत्सव कार्यक्रम में सात हजार स्वयंसेवकों के साथ 6 लाख से अधिक दीपो का प्रज्वलन कर गिनीज बुक वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज किया है। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय अयोध्या हॉफ मैराथन का आयोजन कर खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का कार्य किया है। दीक्षांत समारोह में डॉ0 लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन यू0एन0ओ0, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली को मानद् उपाधि प्रदान की गई। कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने अतिथियों का स्वागत गन्ध गुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम प्रदान कर किया। उपाधि प्राप्त छात्रों को दीक्षोपदेश एवं कर्त्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। 25वें दीक्षांत समारोह में कुल 115 स्वर्ण पदक प्रदान किए गये जिसमें 28 कुलपति स्वर्णपदक, 70 कुलाधिपति स्वर्णपदक तथा दान स्वरूप पदक के रूप में 17 स्वर्णपदक प्रदान किए गये। दीक्षांत समारोह में कुल 777 स्नातक, परास्नातक उपाधि एवं पी0एच0डी0 में 24 उपाधि शोधार्थियों को दी गई। समारोह में आकर्षण का केन्द्र अयोध्या ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय के लगभग 25 छात्र-छात्राएं रहे जिन्हे कुलाधिपति ने फल एवं शिक्षण सामग्री भेट किया। इस समारोह का मुख्य आकर्षक परिधान में पुरूष परिधान में सफेद कुर्ता एवं सफेद पायजामा तथा महिला परिधान में सफेद कुर्ता एवं सफेद सलवार अथवा लाल बार्डर की साड़ी के साथ ही सिर पर अवधी परिधान की परम्परागत पगड़ी रही।

समारोह में सर्वप्रथम कुलाधिपति एवं मुख्य अतिथि के समक्ष 65 बटालियन एनसीसी कैडेटों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दी गई। डोगरा रेजीमेंट सेंटर द्वारा मिलेट्रीबैंड से राष्ट्रगान धुन की प्रस्तुति की। दीक्षांत समारोह के अवसर पर परिसर में स्थित डॉ0 राममनोहर लोहिया एवं सरदार बल्लभभाई पटेल, महात्मा गांधी एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमाओं पर कुलाधिपति एवं अतिथियों के द्वारा माल्यार्पण किया गया। दीक्षांत समारोह की शोभायात्रा विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन से प्रारम्भ होकर स्वामी विवेकानंद सभागार दीक्षांत समारोह आयोजन तक सम्पन्न हुई। 25 वें दीक्षांत समारोह की शुभारम्भ कुलाधिपति एवं अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। इसके छात्राओं द्वारा वंदेमातरम एवं विश्वविद्यालय कुलगीत का समूह गायन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 अशोक शुक्ल ने किया। इस अवसर पर अयोध्या सांसद श्री लल्लू सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्त, विधायक रामचन्द्र यादव, महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, जिलाधिकारी अनुज कुमार झा, डीआईजी एवं एसएसपी, ब्रिगेडियर जेएस विर्क, अयोध्या के गणमान्य संत, अतुल कुमार सिंह, शक्ति सिंह, कुलसचिव उमानाथ, वित्त अधिकारी, धनंजय सिंह, मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह कार्यपरिषद के सदस्यगण, विद्यापरिषद के सदस्यगण, विभिन्न विषयों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, समन्वयक, शिक्षकगण, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में पदक धारक एवं उपाधि धारक रहे।

अमृत प्रवाह, लखनऊ

दिनांक: 13 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्या: 10

अमृत विचार
www.amritvichar.com

सामाजिक सरोकारों को समझें युवाः राज्यपाल

अवध विवि के 25वें दीक्षांत समारोह में 230 मेधावियों को मेडल व 818 को मिली उपाधि

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित व छात्रा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करती राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। फोटो : अमृत विचार

अमृत विचार अयोध्या

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में आयोजित 25 वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि देश की आजादी के लिए तमाम लोगों ने संघर्ष किया और कई युवाओं ने अपना बलिदान दिया। स्वतंत्र भारत मे अब जरूरत देश के लिए मरने वालों को याद करने की और देश के लिए जीने की है।

समारोह की अध्यक्षता के दौरान राज्यपाल ने कहा कि देश को आजादी मिल गई लेकिन अभी भी देश के समक्ष कई चुनौतियां हैं। सामाजिक सरोकारों को समझने और उसे अपनाने की जरूरत है। देश आज आजादी का अमृतोत्सव मना रहा है। आज के दिन ही 1930 में महात्मा गांधी ने नमक पर टैक्स लगाने के खिलाफ साबरमती आश्रम से दांडी यात्रा शुरू की थी। 150 वर्षों तक चले इस संघर्ष में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों युवाओं समेत अन्य ने यात्राओं को झेला तथा अपने जान की कुर्बानी कर देश को आजादी दिलाई। कुलाधिपति ने कहा कि एक लड़की आप निर्भर भारत और देश का हित सर्वोपरि हो इस संकल्प के साथ आने वाली पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के संघर्षों की गाथा से परिचय कराना होगा। जिससे वह आजादी के मूल्य को समझ सके। विश्वविद्यालयों की अजान मेदारी बनती है कि इस अभियान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर चर्चा हो, आजादी से जुड़े स्थलों का भ्रमण हो और युवा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी गाथाओं पर चर्चा करें। केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव पहुंचाने के लिए उच्च शिक्षा केंद्रों को सहयोग करना होगा।

आज जरूरत देश के लिए जीने की है। इसके पूर्व उन्होंने विश्व मौसम विज्ञान संगठन यू एन ओ में भारतीय राजदूत और पूर्व महानिदेशक मौसम विज्ञान भारतीय मौसम विभाग पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय नई दिल्ली डॉ लक्ष्मण सिंह राठौर को मानद उपाधि, अध्ययन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 28 को कुलाधिपति, 70 को कुलपति और 17 को विभिन्न दान स्वरूप मिले स्वर्ण पदक प्रदान किया। स्नातक और परास्नातक के 777 तथा पीएचडी की में 24 को उपाधि और प्राइमरी स्कूल के 25 छात्र छात्राओं को फल एवं शिक्षण सामग्री वितरित की। अवध विश्वविद्यालय स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए के कुलपति प्रो रविशंकर सिंह ने विवि की उपलब्धियां गिनाई

वर्तमान युग कौशल विकास का, ज्ञान एवं अर्थव्यवस्था एक दूसरे के पूरक : राठौर

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अभ्यागत विश्व मौसम विज्ञान संगठन यूएनओ के भारतीय राजदूत और पूर्व महानिदेशक मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय नई दिल्ली डॉ लक्ष्मण सिंह राठौर ने कहा कि ज्ञान की नवजागरण युगीन क्रांतिकारी भूमिका बीत चुकी है। वर्तमान समय कौशल विकास का है। ज्ञान योग अर्थव्यवस्था एक दूसरे के पूरक हैं। देश मे प्राचीन काल से ही कौशल विकास,अभियांत्रिकी, कारीगरी विकसित अवस्था में रही लेकिन आजादी के बाद जिस शिक्षा के पाश्चात्य मॉडल को अपनाया गया उसमे स्पष्ट दृष्टिकोण का समावेश नही हो सका और परिणाम दुखद रहे। उन्होंने कहा कि ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना मे देश मे शैक्षिक योजना को लागू करने का संकल्प लिया गया लेकिन 12वी योजना मे भी 1 मई से 24 वर्ष आयु के सिर्फ 5 फीसदी से कम लोगों को ही व्यवसायिक शिक्षा हासिल हो सकी। ग्रामीण आबादी मे सिर्फ 3 फीसदी लोगों तक पहुंच पाई। देश को यदि राष्ट्रीय सकल नामांकन अनुपात की स्थिति को ठीक करना है तो कौशल विकास आधारित पाठ्यक्रमो के साथ अंतर विषयक शोध केंद्रों की स्थापना करनी होगी। नई शिक्षा नीति 2020 मे इकोवेशन केंद्रों की स्थापना, विभिन्न प्रणालियों का एनएसआईवाई के साथ समन्वय कर शिक्षा नीति मे और विस्तार किया गया है। उच्च शिक्षा का प्रदर्शन प्राथमिक शिक्षा की बुनियाद पर टिका है।

सभी विश्वविद्यालयों में समान पाठ्यक्रम की बन रही योजना

बतौर मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि समाज के लिए शिक्षा का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो, इस प्रकार की जरूरत है। सरकार सभी विश्वविद्यालयों मे समान पाठ्यक्रम की योजना पर कार्य कर रही है। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की गई 30 विभिन्न पाठ्यक्रमों मे 79 हजार ई कंटेंट अपलोड किए गए, वीडियो, लेक्चर वायस एव टेक्स्ट को शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि निजी संगठनों के प्रस्ताव पर अयोध्या मे श्रीराम विश्वविद्यालय की स्थापना होगी इसमे ज्योतिष, धर्म ग्रंथ एवं कर्मकांड का अध्ययन और शोध किया जाएगा। शिक्षण प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन टीचिंग के क्षेत्र मे कार्य किया जा रहा है।

निमडी महाविद्यालय के छात्रों ने मनवाया प्रतिभा का लोहा

मिल्कीपुर। जनपद के अत्यंत पिछड़े ब्लॉक के रूप मे पहचाने जाने वाले हैरिंग्टनगंज क्षेत्र मे स्थापित श्री रामफेर शिवफेर स्नातकोत्तर महाविद्यालय निमडी के छात्र/छात्राओं ने एक बार पुन: अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए तीन तीन स्वर्ण पदक अपनी झोली में डाल लिया। डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय मे आयोजित 25वे दीक्षांत समारोह लगभग 700 महाविद्यालयों के छात्र/छात्राओं को पीछे करते हुए बी. ए. की छात्रा राखी सेन एम. ए. संस्कृत की छात्रा पूजा यादव एवं बी एड् के छात्र अंकित कुमार ने सर्वोच्च अंक हासिल करते हुए स्वर्ण पदक हासिल कर महाविद्यालय साथ साथ पूरे जनपद का नाम रोशन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ. राम सरदार यादव एवं प्राचार्य डॉ अमर नाथ यादव ने स्वर्ण पदक विजेता छात्र/छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान करते अपनी उपाधि की सार्थकता को आजीवन सिद्ध करने का वचन लिया।

कृषि विवि के दीक्षान्त समारोह मे छात्रा को उपाधि प्रदान करती राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। फोटो : अमृत विचार

कुलाधिपति पदक से सम्मानित हुईं छात्राएं

कृषि विवि में आयोजित हुआ 22वां दीक्षांत समारोह

अमृत विचार अयोध्या

आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज के 22 वां दीक्षांत समारोह अबकी बार कुछ अलग ही दिखा। समारोह में बिखरी भारतीय परिधान की अनोखी छटा आकर्षण के साथ-साथ कौतूहल का विषय बनी रही। शुक्रवार को कृषि विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में शुरू हुई दीक्षांत समारोह की संपूर्ण कार्यवाही में विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, अधिष्ठाता, प्राचीन भारतीय वेशभूषा कुर्ता धोती और सदरी तथा साफे में नजर आए। वहीं दूसरी ओर उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र एवं छात्राएं भी कुर्ता पाजामा धारण किए हुए दीक्षांत समारोह में चार चांद लगा रहे थे। इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए कुलाधिपति पदक से छात्राओं को सम्मानित किया। खास बात यह रहीं कि इस बार के कुलाधिपति पदक पर छात्राओं का ही कब्जा रहा।

बतौर कार्यक्रम अध्यक्ष कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि अब आप दुनिया की वास्तविकताओं का सामना करने के लिए तैयार हो रहे हैं, ऐसे समय में मानव मूल्य व आदर्शों का ध्यान रखते हुए सदैव विवेकपूर्ण शब्दों का प्रयोग करना चाहिए। कृषि विवि से विकसित प्रजातियो एवं तकनीकी के माध्यम से पूर्वांचल के साथ-साथ प्रदेश का विकास हुआ है। जिसे विवि भविष्य में जारी रखते हुए कृषि शिक्षा, शोध एवं प्रसार के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। नीति आयोग के सदस्य प्रो रमेश चन्द्र को उनकी गैर मौजूदगी में मानद उपाधि, कृषि शिक्षा में सर्वोच्च उपलब्धि के लिए 25 को मेडल, स्नातक एवं परास्नातक के 579 छात्र-छात्राओं को उपाधियां प्रदान की और उन्नतशील किसानों को सम्मानित किया।

कृषि उन्नयन के लिए पेशेवर दक्षता की जरूरत

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए समारोह के मुख्य अतिथि उप महानिदेशक शिक्षा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली ने डॉ. राकेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि राज्य कृषि विश्वविद्यालय गुणवत्ता युक्त शिक्षा देकर दक्ष एवं योग्य लोगों के माध्यम से सक्षम मानव संसाधन विकसित कर रहे हैं और देश के विकास मे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। कृषि के बदलते हुए परिवेश मे जरुरत योग्य एवं तकनीकी रूप से दक्ष, सुशील, प्रगतिशील एवं शिक्षित की है, जिससे वह किसानों के उत्थान एवं देश के कृषि क्षेत्र की विकास की अपेक्षाओं पर खरा उतर सके। इसके लिए कृषि स्नातकों को पेशेवर दक्षता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भविष्य की चुनौतियों के मद्देनजर कृषि विश्वविद्यालय रोजगारपरक शिक्षा प्रदान कर विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बना रहे हैं। वर्तमान महामारी की चुनौती को लेकर नवीनतम तकनीक के अनुरूप स्मार्ट क्लास और ऑनलाइन कक्षाओ के माध्यम से समय से शैक्षणिक कैलेंडर के मुताबिक पाठ्यक्रम पूरा कर सराहनीय कार्य किया गया।

25 को मेडल, 579 को उपाधि, किसानों को सम्मान

22 वे दीक्षांत समारोह मे नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर रमेश चंद्र को उनकी अनुपस्थिति मे मानद उपाधि, विश्वविद्यालय के कृषि, उद्यान, सामुदायिक, अभियंत्रण व पशु चिकित्सा एवं पशुपालन पाठ्यक्रमो मे स्नातक एवं परास्नातक के कुल 579 छात्र-छात्राओं को उपाधियां, उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 6 को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, 11 को कुलपति स्वर्ण पदक तथा 8 को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाने वाले सभी उपाधि धारक छात्राएं रही। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ अखिलेश सिंह ने बताया कि समारोह मे प्रगतिशील किसान पद्मश्री चंद्रशेखर सिंह वाराणसी, इंद्रसेन सिंह जौनपुर, कृष्णावती -बस्ती, अशोक सिंह बाराबंकी, सोहेल आलम- सुल्तानपुर एवं राजेंद्र वर्मा- अयोध्या को अंग वस्त्र आदि पहनाकर सम्मानित किया। वहीं परिषदीय स्कूल के बच्चों को कुलाधिपति ने स्कूल बैग, ज्ञानवर्धक पुस्तकें, फल- फूल, पौष्टिक आहार आदि दिया।

युवा भी पढ़े स्वतंत्रता आंदोलन की गाथा : आनंदीबेन पटेल

अवध विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह का हुआ भव्य आयोजन

संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वे दीक्षांत समारोह का शुक्रवार को भव्य आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा रहे। मुख्य अभ्यागत अतिथि डॉ0 लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन डब्लू0एम0ओ0, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यमंत्री उच्च शिक्षा व विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार की नीलिमा कटियार रही। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने स्वागत किया।

अवध विवि के 25वें दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित व छात्रा को उपाधि देती राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल

समारोह को संबोधित करती हुई कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि भारत वर्तमान समय में आजादी अमृतोत्सव मना रहा है। आज ही के दिन 1930 में महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम से दांडी यात्रा का शुभारम्भ किया था। ब्रिटिश सरकार द्वारा नमक पर टैक्स लगाने का विरोध अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम से प्रारम्भ हुआ यह आंदोलन देश का आंदोलन बन गया। 150 वर्षों से लगातार संघर्ष के बाद देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, विद्वजनों, युवाओं ने अपने जान को न्यौछावर कर आजादी पायी है। इस आजादी के लिए देश ने भीषण यातनाओं को झेला है। तब जाकर कही स्वराज की स्थापना हो पायी। भारत में देश का हित सर्वोपरि हो इसी संकल्प पर हमें कार्य करना होगा। साथ ही आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लेना होगा। आने वाली पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के संघर्षों की गाथा से परिचित कराना होगा जिससे वे समझ सके कि आजादी के क्या मूल्य है। महामहिम ने कहा कि भारत सरकार द्वारा आयोजित इस अमृत महोत्सव के दौरान प्रत्येक युवा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी कथाओं पर अध्ययन कर आपसी चर्चा का विषय बनाये। विश्वविद्यालयों का यह दायित्व बनता है कि वे आने वाली पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों से परिचित कराये और संकल्प करें कि 15 अगस्त, 2022 तक विशेष अभियान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर विमर्श करें और उन स्थलों का भ्रमण करें जो स्वतंत्रता संग्राम के साक्षी बने है। देश को आजादी मिल गई है परन्तु अभी सही अर्थों में देश के समक्ष कई चुनौतियां है। भारत सरकार एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुँचाने के लिए विश्वविद्यालयों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों को ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर जनसहयोग करना होगा। कुलाधिपति ने कहा कि सामाजिक सरोकारों का समझने एवं उसे अपनाने की जरूरत है। स्वास्थ्य शिक्षा, पर्यावरण प्रदूषण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हो इससे जनमानस को प्रेरणा मिलेगी। देश के लिए जीने की आवश्यकता है यह सभी का कर्तव्य है।

डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौर को दी गयी मानद् उपाधि

–दीक्षांत समारोह मे डॉ0 लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाई प्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठन डब्लू0एम0ओ0, पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीय मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली को मानद् उपाधि प्रदान की गई। कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने अतिथियों का स्वागत गंन्ध गुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम प्रदान कर किया। उपाधि प्राप्त छात्रों को दीक्षोपदेश एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। 25वे दीक्षांत समारोह मे कुल 115 स्वर्ण पदक प्रदान किए गये जिसमे 28 कुलपति स्वर्णपदक, 70 कुलाधिपति स्वर्णपदक तथा दान स्वरूप पदक के रूप मे 17 स्वर्णपदक प्रदान किए गये। दीक्षांत समारोह में कुल 777 स्नातक, परास्नातक उपाधि एवं पी0एच0डी0 मे 24 उपाधि शोधार्थियों को दी गई। समारोह मे आकर्षन का केन्द्र अयोध्या ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय के लगभग 25 छात्र-छात्राएं रहे जिन्हे कुलाधिपति ने फल एवं शिक्षण सामग्री भेंट किया। इस अवसर पर सांसद लल्लू सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्त, विधायक रामचन्द्र यादव, महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, जिलाधिकारी अनुज कुमार झा, डीआईजी एवं एसएसपी, ब्रिगेडियर जेएस विर्क, अयोध्या के गणमान्य संत, अतुल कुमार सिंह, शक्ति सिंह, कुलसचिव उमानाथ, वित्त अधिकारी, धनंजय सिंह, मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह कार्यपरिषद के सदस्यगण, विद्यापरिषद के सदस्यगण, विभिन्न विषयों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, समन्वयक, शिक्षकगण, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में पदक धारक एवं उपाधि धारक रहे।

अध्ययन के साथ रोजगार सरकार की प्रतिबद्धता : डॉ दिनेश शर्मा

–समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह ग्रहण की शिक्षा को समर्पित करने का एक अवसर है। समाज के लिए शिक्षा का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो सके इस पर कार्य करने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति में शिक्षा का स्तर बढ़े इसी लिए सरकार द्वारा राज्य विश्वविद्यालयों में कॉमन पाठ्यक्रम लागू करने की योजना पर कार्य कर रही है। वर्तमान समय में राज्य सरकार द्वारा डिजीटल लाइब्रेरी की स्थापना की गई है। कोविड-19 के दौरान राज्य विश्वविद्यालयों ने 30 विभिन्न पाठ्यक्रमों में 79 हजार ई-कंटेंट अपलोड किए है इसमें वीडियो लेक्चर, वायस एवं टेक्स्ट को शामिल किया गया है। डिजीटल लाइब्रेरी के उपयोग के लिए देशभर के विद्यार्थी एवं शिक्षक शिक्षण एवं ज्ञान के लिए अपने उपयोग में ले रहे है। केन्द्र सरकार के साथ एमओयू किया गया है। लघु एवं मध्यम उद्योगों के साथ संस्थानों का अनुबंध कर छात्र-छात्राओं को अध्ययन करते-करते रोजगार पाने का अवसर तैयार किया जा रहा है। डॉ0 दिनेश शर्मा ने बताया कि अयोध्या में श्रीराम विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव कई निजी संगठनों द्वारा प्राप्त हुआ है। इस विश्वविद्यालय में ज्योतिष, धर्मग्रन्थों एवं कर्मकांडो जैसे महत्वपूर्ण विषयों का अध्ययन का प्रस्ताव आया है। राज्य सरकार ने शिक्षण एवं प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन टीचिंग को लेकर कॉफी गंभीर है और इस क्षेत्र में कार्य कर रही है। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महामहिम की उपस्थिति विश्वविद्यालय के लिए गौरव के साथ-साथ एतिहासिक भी है। समय-समय पर महामहिम के दिशा-निर्देश से विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, शैक्षिक वातावरण के निर्माण एवं कुशल नेतृत्व ने हम सभी का मार्ग-दर्शन किया है। विश्वविद्यालय अपनी स्थापना से लेकर अबतक महत्वपूर्ण उपलब्धियों का साक्षी रहा है। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 738 महाविद्यालय है। 6 लाख से अधिक विद्यार्थी इस विश्वविद्यालय विभिन्न पाठ्यक्रमों से जुड़े है। सत्र 2021-22 से परिसर में 25 नये रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का संचालन करने का निर्णय लिया गया है। इस प्रकार नियमित एवं स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की संख्या परिसर में लगभग 58 हो चुकी है। प्रो0 सिंह ने कहा कि यह अपार हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय की स्थापना के 46वें वर्ष में 04-6 मार्च, 2021 को अपना पहला नैक मूल्यांकन पूर्ण करा लिया है। राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन में विश्वविद्यालय ऑनलाइन शिक्षा से सम्बन्धित ई-कंटेंट तैयार कर परिसर एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा को सरल एवं सुगम बना रहा है।

पंजाब नैशनल बैंक के कार्यपालक निदेशक बने साहा, संभाला पदभार

लखनऊ के अचंल प्रबन्धक थे स्वरूप कुमार साहा

लखनऊ। स्वरूप कुमार साहा ने पंजाब नैशनल बैंक के कार्यपालक निदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया है। इससे पूर्व वे पंजाब नैशनल बैंक, अंचल कार्यालय, लखनऊ में अंचल प्रबंधक (मुख्य महाप्रबंधक) थे। अपने 30 साल से अधिक के बैंकिंग करियर में, उन्होंने विभिन्न पदों पर देश भर में कार्य किया है। उन्हें मानव संसाधन विकास, ट्रेजरी, अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, क्रेडिट, जोखिम प्रबंधन, संगठन का पुनर्गठन और बोर्ड मामलों का व्यापक अनुभव प्राप्त है। पूर्ववृत्ति ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स के प्रधान कार्यालय के अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने ट्रेजरी और अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, मानव संसाधन विकास प्रभाग एवं बोर्ड प्रभाग का नेतृत्व भी किया है। कोलकाता विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक श्री साहा ने 1990 में प्रोबेशनरी अधिकारी के रूप में पूर्ववृत्त ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स में अपने बैंकिंग करियर की शुरूआत की। वे इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ बैंकर्स (सीएआईआईबी) के प्रमाणित एसोसिएट सदस्य है। उन्होंने ट्रेजरी, निवेश और जोखिम प्रबंधन (डीटीआईआरएम) भारतीय बैंकिंग संस्थान और वित्त (आईआईबीएफ) में डिप्लोमा भी प्राप्त किया है तथा उन्हें सीआईएसआई, लंदन के सहयोग से आईआईबीएफ द्वारा वित्तीय सेवाओं में जोखिम प्रमाण पत्र के साथ आईटी सुरक्षा, साइबर अपराध और धोखाधड़ी प्रबंधन से संबंधित विभिन्न प्रमाणपत्र प्राप्त हैं। वे बैंक बोर्ड ब्यूरो (बीबीबी) 2019 में आईआईएम, बैंगलोर के माध्यम से आयोजित प्रमुख नेतृत्व विकास कार्यक्रम के प्रतिभागियों में से एक थे। श्री साहा ने सीएएफआरएएल, स्टर्न बिजनेस स्कूल, न्यूयॉर्क और एनआईबीएम और केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, यूएसए द्वारा संचालित नेतृत्व विकास कार्यक्रम द्वारा संचालित उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम में भी भाग लिया है।

साहित्य प्रेमियों की निगाहें बिल्कुल नई किताबों पर

संवाददाता

लखनऊ। प्रेमचन्द जैसे स्थापित पर एक अभ्याश अंग्रेजी की कहानी सामने रखती संवेदनाएं जगाने वाली का वैधानिक गल्प, ईशान त्रिवेदी का पीपलटोले के लौंडे साहित्यप्रेमी टटोल

अग्रवाल शिक्षा संस्थान के 36 नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ

संवाददाता

लखनऊ। मोती नगर स्थित महाराजा अग्रसेन विद्यालय में अग्रवाल पिक्चर संस्थान के त्रिवर्षीय चुनाव 7मार्च को सम्पन्न हुए जिसमे 36 नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण विद्यालय के प्रांगण में किया गया कार्यक्रम की संचालन भारत भूषण गुप्ता ने की वही उत्तर विधानसभा क्षेत्र विधायक डॉ नीरज बोरा ने संस्थान के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष मदन गोपाल गुप्ता, पवन गोयल, राजकुमार अग्रवाल, प्रदीप कुमार अग्रवाल, मंत्री सुधीर एस हलवासिया, कोषाध्यक्ष नीलेश अग्रवाल टाटा, संयुक्त मंत्री जितेंद्र जिंदल, कार्यकारिणी सदस्य हरिपाल अग्रवाल, सीताराम अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, हरिराम अग्रवाल, अंजनी मित्तल, महेश गोयल, रवि शंकर गोयल, विजय अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, अनिरुद्ध अग्रवाल, संतोष हवेलिया, गोविंद प्रसाद अग्रवाल वालो में अग्रवाल पब्लिक स्कूल जानकीपुरम के अध्यक्ष लोकराम अग्रवाल, मंत्री कमल किशोर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष गोपाल कृष्ण अग्रवाल। महाराजा अग्रसेन बालिका विद्यालय डालीगंज के अध्यक्ष बृजमोहन अग्रवाल, मंत्री अनूप गोयल, कोषाध्यक्ष घनश्याम अग्रवाल,महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल गोमती नगर के अध्यक्ष आशीष कुमार अग्रवाल , मंत्री राजीव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अंकुर अग्रवाल,महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल मोती नगर के अध्यक्ष देशराज अग्रवाल, मंत्री मनोज हवेलिया, कोषाध्यक्ष राजीव अग्रवाल,महाराजा अग्रसेन विद्यालय इंटर कॉलेज मोती नगर अध्यक्ष चंद्र प्रकाश अग्रवाल, मंत्री पुनीत अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अध्यक्ष नीरज अग्रवाल कार्यक्रम की संचालन कर रहे भारत भूषण गुप्ता ने अग्रवाल शिक्षा संस्थान के सदस्यों धन्यवाद व आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष डॉ जगदीश अग्रवाल, राजेंद्र

स्वतंत्र भारत, लखनऊ

दिनांकः 13 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 08

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, शनिवार, 13 मार्च, 2021 (8)

अयोध्या

अंबेडकरनगर

अवध विवि और कृषि विवि में दीक्षान्त समारोह का हुआ समापन

विश्व में जगद्गुरू बनकर उभरा है भारत : आनंदी बेन पटेल

अयोध्या (ब्यूरो)। डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के पच्चीसवें दीक्षान्त समारोह में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन को सम्बोधित करते हुए कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि विश्व में जगद्गुरू बनकर भारत उभरा है। उन्होंने कहा कि देश के लिये मरने की नहीं बल्कि जीने की भी आवश्यकता है। राज्यपाल ने कहा कि आजादी के दिनों का एहसास करने के लिये पूरा देश आज अमृत महोत्सव मना रहा है। देश की आजादी के लिये 150 साल पूर्व 12 मार्च 1930 को गांधी जी ने नमक आंदोलन को लेकर सत्याग्रह किया था और गुजरात से डांडी यात्रा निकाली थी। उसके स्वर्ण जयंती वर्ष में आज गुजरात से डांडी यात्रा का शुभारंभ देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। श्रीमती पटेल ने आजादी की लड़ाई का ब्यौरा देते हुए कहा कि नमक आंदोलन में जो यात्रा की शुरुआत हुई थी उस डांडी यात्रा की चिंगारी पूरे भारत में फैली थी और पूरा देश एक होकर अंग्रेजों के विरुद्ध बिना अंजाम जाने लड़ाई लड़ी थी जिसका परिणाम हुआ कि एक दिन देश को आजादी मिली। उन्होंने कहा कि हमें उस यात्रा से प्रेरणा लेकर राष्ट्र को विभिन्न समस्याओं के लिये लड़ाई लड़नी चाहिये। प्रदेश के विश्वविद्यालयों का आव्हान करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें गोष्ठियों का आयोजन करके आज के युवाओं को यह बताये कि आजादी कैसे मिली थी। राज्यपाल ने कहा कि आजादी तो मिली पर विभिन्न समस्याओं से आजादी नहीं मिली। इसके लिये शिक्षा संस्थानों को गोष्ठियों के माध्यम से विद्यार्थियों को बताने की जरूरत है कि ये समस्याओं का निदान कैसे करें। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में लोक से अलग हटकर वहां किसानों और महिला किसानों का सम्मान किया गया, जिसकी तारीफ की जानी चाहिये। खेती जनपद की निवासिनी महिला किसान कृष्णा के बारे में उन्होंने बताया कि वह भूमिहीन है और जमीन ले लेकर मशरूम का उत्पादन करती है परन्तु उसे लोन इसलिये नही मिल पाता क्योंकि उसकी अपनी जमीन नहीं है। इसीलिए उन्होंने कृष्णा को राज्यपाल के एक करोड़ रुपये के फंड से एक लाख रुपये दान दिया है, ताकि वह उस कार्य को अच्छे से कर सके। पीएम की मुद्रा योजना के बारे में उन्होंने बताया कि बैंक लाख तक का लोन बिना क्लाज के कोई भी व्यक्ति ले सकता है जिसमें वह अपने किसी भी उद्योग को लगा सकता है। विश्वविद्यालयों को कहा कि वे अपने महाविद्यालयों को प्रेरित करें कि कम से कम एक-एक गांव गोद लें जिससे उस गांव के लाभार्थी को लाभ मिल सके। ग्रहमी के बच्चों को दीक्षान्त समारोह में स्थान दिये जाने पर उन्होंने कहा कि यह एक नया प्रयोग है। इससे दीक्षान्त समारोह में आने वाले बच्चों के अंदर में नई भावना का अभ्युदय होगा। सामूहिक शक्ति से अच्छे परिणाम आते हैं। इस पर जोर देते हुए राज्यपाल ने कहा कि स्वच्छता की ओर ध्यान देकर समाज के लोग एक साथ मिलकर बड़ा से बड़ा काम कर सकते हैं। इसके पूर्व शोभा यात्रा दीक्षान्त समारोह स्थल पर पहुंची जिसमें राष्ट्रगीत के साथ दीप प्रज्ज्वलन, कुलगीत, विश्वविद्यालय की छात्राओं ने प्रस्तुत किया। कुलाधिपति को ग्रंथ, पुष्पगुच्छ और श्रीफल भेंट किया गया। दीक्षोपदेश के बाद विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किये गये। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह दीक्षान्त समारोह है परन्तु शिक्षान समारोह नहीं है इसलिए विद्यार्थी नई शिक्षा की ओर लगातार अग्रसर रहें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने कोरोना काल में डिजीटल लाइब्रेरी बनाई है जिसमें 79 हजार लेक्चर अपलोड किये गये है। डिजीटल लाइब्रेरी के प्रति पूरे भारत में उत्सुकता दिखाई है। कौशल विकास के साथ-साथ रोजगार परक शिक्षा की व्यवस्था की गयी है जिससे बच्चे पढ़ते-पढ़ते रोजगार पा सकें। उन्होंने कहा कि अनेकों विश्वविद्यालयों की मांग है कि अयोध्या में उनकी स्थापना हो जिससे वे ऐसी परिकल्पना पूरी कर सके जिसमें धर्म और शास्त्र पर शोध हो सके। इस अवसर पर विश्व मौसम विज्ञान संगठन के स्थायी प्रतिनिधि डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौर को मानद उपाधि प्रदान की गयी। अपने उद्बोधन में श्री राठौर ने कहा कि आधुनिक युग में ज्ञान की नवजागरण चुनौत ऐतिहासिक क्रांतिकारी भूमिका के व्यतीत हो जाने के बाद आज का वर्तमान समय कौशल विकास का है। इस अवसर पर 70 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक सम्मान से नवाजा गया। कुलपति स्वर्ण पदक से 28 और दान स्वरूप स्वर्ण पदक 17 विद्यार्थियों को प्रदान किया गया। कुलसचिव उमानाथ सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डीन डॉ. अजय प्रताप सिंह, डॉ. एम.पी. सिंह, प्रो. नरेंद्रकिशोर तिवारी, प्रो. अशोक शुक्ल, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. विनैद कुमार श्रीवास्तव, प्रो. शैलेन्द्र कुमार, डॉ. सुरेन्द्र प्रताप सिंह, डा. जेबा महमूद सहित विद्या परिषद के अनेकों सदस्य मौजूद रहे। शोभा यात्रा में विद्या परिषद के अलावा कोर्ट के सदस्य आदि मौजूद रहे।

समारोह में शिक्षक की भूमिका में नजर आयीं राज्यपाल

कुमारगंज (सं)। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज के 22 वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कुलाधिपति/ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एक शिक्षक की भूमिका में नजर आईं। उन्होंने उपाधि प्राप्त छात्र-छात्राओं से कहा कि माता पिता एवं अपने अभिभावकों कभी भी मत भूलना समय-समय पर उनकी देखभाल जरूर करते रहना, शांति से घर एवं समाज तथा देश में रहे। ऐसा कोई भी कार्य कतई मत करना कि जिससे उन्हें दंड मिले। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि मैं भी एक किसान की बेटी हूं। तंबाकू, गेहूं, जीरा निकालने से लेकर हर कृषि कार्य तक का काम मैंने किया जिसका परिणाम है कि आगे बढ़ी हूं। आत्मनिर्भर भारत की बात देश के प्रधानमंत्री करते हैं। उन्होंने मौजूद छात्र छात्राओं सहित शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज 12 मार्च का दिन हमारे लिए ऐतिहासिक दिन है। विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी जब बेटा बेटी के विभेद के भाव कतई नहीं बनने चाहिए। उन्होंने बाल विवाह और दहेज प्रथा पर जमकर तंज कसा तथा अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि मैं द्वारा भी चंद दिन पूर्व उत्तर प्रदेश की जेलों वाराणसी, लखनऊ, उन्नाव का दौरा किया गया था जहां 350 से अधिक महिलाएं केवल दहेज हत्या को लेकर आजीवन कारावास से लेकर भारी सजा काट रही हैं। उन्होंने दीक्षांत समारोह का मतलब बताते हुए कहा कि आप स्वयं दीक्षित हुए हो और समाज में यह संदेश जाए कि हम दहेज नहीं लेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. आर.सी. अग्रवाल उप महानिदेशक कृषि शिक्षा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली ने कहा कि मैं उन शिक्षकों को बधाई देता हूं जिन्होंने विद्यार्थियों विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा ज्ञान कौशल और मानव मूल्य प्रदान करने के लिए अपना उत्कृष्ट योगदान दिया है विश्वविद्यालय के समक्ष उत्तर प्रदेश के कृषि आधारित क्षेत्रों में उत्थान की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कृषि फसलों में विविधीकरण फसल चक्र एवं एक जिला एक उत्पाद मूल्य वर्धित उत्पाद जैविक एवं प्राकृतिक कृषि पारंपरिक ज्ञान एवं विज्ञान में संबंध स्थापित कर हमें आगे बढ़ने की नसीहत दी। उन्होंने नए कृषि अधिनियम 2020 के लागू होने पर किसानों के जीवन में अभूतपूर्व बदलाव और देश में एक नई कृषि युग का शुभारंभ होने की कामना व्यक्त करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति भी छात्रों के भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। सरकार की विभिन्न योजनाओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि आत्मनिर्भर भारत तभी बनेगा जब सभी अपनी जिम्मेदारी समझेंगे। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह ने अपने कार्यकाल में कृषि विश्वविद्यालय में हुई उपलब्धियों को एक-एक करके गिनाया और बताया कि विश्वविद्यालय में काफी दिनों से लंबित कर्मचारियों के विनियमितीकरण सहित विश्वविद्यालय द्वारा अपने स्रोतों से वित्तीय वर्ष 2019 - 20 में 16.43 करोड़ रुपए अर्जित किए जाने की बात बताई। कुलपति श्री सिंह ने बताया कि वर्तमान में कृषि विश्वविद्यालय के अधीन पूर्वांचल के 26 जनपदों में कृषि के समग्र विकास को सुनिश्चित करने हेतु 25 कृषि विज्ञान केंद्र एवं चार कृषि ज्ञान केंद्र तथा अच्छे फसल अनुसंधान केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। कुलपति ने विश्वविद्यालय की स्थापना, शिक्षा, प्रसार, प्रशासनिक प्रबंधन, वित्तीय संसाधन एवं प्रबंधन सहित अपनी प्राथमिकताएं एवं प्रयास को विस्तार से गिनाया। कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह एवं विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ पी के सिंह ने उपाधि प्राप्त छात्र-छात्राओं को आशीर्वचन देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना की तथा अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार जताया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष सहित डीआईजी दीपक कुमार एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

वॉयस ऑफ लखनऊ

दिनांकः 13 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 03

अर्जित ज्ञान किसानों तक पहुंचायें विद्यार्थी : आनंदी बेन

नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि के 22वें दीक्षान्त समारोह को राज्यपाल ने किया संबोधित

सामाजिक कार्यों से भी जुड़ें विवि : राज्यपाल

- 579 स्नातक एवं परास्नातक छात्र-छात्राओं को उपाधियां बांटी
- डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या का 25वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न

जिला संवाददाता

अयोध्या। दीक्षांत का दिन विद्यार्थियों के लिये अविस्मरणीय होता है, क्योंकि आज से उनके कंधों पर अस्मिता को साबित करने और जीवन में एक मुकाम हासिल करने का दायित्व बोध आता है। विद्यार्थी अब अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिये संभावनाओं को तलाशेंगे एवं अपने जीवन के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए स्व-विवेक के अनुभव प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। यह विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या के 22वें दीक्षान्त समारोह में 579 स्नातक एवं परास्नातक छात्र-छात्राओं को उपाधियां प्रदान करने के पश्चात अपने उद्बोधन के दौरान व्यक्त किये। समारोह के दौरान 6 उपाधि धारकों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, 11 उपाधि धारकों को कुलपति स्वर्ण पदक तथा 8 उपाधि धारकों को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। राज्यपाल ने कहा कि छात्राओं द्वारा समस्त कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्राप्त करना महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त उदाहरण है।

राज्यपाल ने उपाधि धारकों से कहा कि वे कृषि के क्षेत्र में उन्नति लाने के साथ-साथ राष्ट्र के विकास हेतु संकल्पबद्ध होकर कार्य करें। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के प्रांगण में रहकर विद्यार्थियों ने जो ज्ञान अर्जित किया है, उसे किसानों के खेतों तक पहुंचायेंगे और कृषि जगत में एक नई क्रांति को दिशा देंगे। विद्यार्थियों द्वारा अर्जित ज्ञान जब किसानों को लाभान्वित करेगा तभी उसकी सार्थकता सिद्ध होगी। इसके साथ ही विद्यार्थियों को राष्ट्र के विकास एवं उन्नयन के प्रति भी दृढ़ संकल्प होना होगा। उन्होंने कहा कि कृषि विकास के लिये उत्तर प्रदेश सरकार पूरी तरह से बचनबद्ध है क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा भाग कृषि क्षेत्र से संबंधित है। कृषि अधिनियम, 2020 ने किसानों के सुनहरे भविष्य की नींव रखी है। संसद द्वारा पारित कृषि संबंधी तीनों अधिनियम किसानों की भलाई के लिए उठाये गये सबसे अभूतपूर्व प्रयासों में से एक हैं, जिससे किसानों को हर तरह से बेहतर लाभ मिलेगा।कुलाधिपति ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को कृषि संबंधी शिक्षा के साथ रूलर एग्रीकल्चर वर्क एक्सपीरियेंस कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण कृषि कार्य अनिवार्य रूप से कराया जाए, जिससे छात्र-छात्राएं प्रायोगिक रूप से कृषि कार्य के साथ ग्रामीणों के बीच रहकर उनकी जीवन शैली का अध्ययन कर सकें तथा किसानों से कृषि की जानकारी भी प्राप्त कर सकें। राज्यपाल ने कहा कि

उत्तर प्रदेश के लिए स्वीकृत बीस कृषि नये विज्ञान केन्द्रों में से आठ कृषि विज्ञान केन्द्रों का इस विश्वविद्यालय के लिये स्वीकृत होना गर्व की बात है। अब यहां कुल पच्चीस कृषि विज्ञान केन्द्र हो गये हैं।

अयोध्या। वैश्विक चुनौतियों के इस समय में विद्यार्थी शिक्षा-जगत में हो रहे परिवर्तनों पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हुए अर्जित किए ज्ञान को जन-कल्याण के लिए यथार्थ के धरातल पर रूपांतरित करने की कला का विकास करें। ये विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के विवेकानन्द सभागार में आयोजित 25वें दीक्षांत समारोह में 67 मेधावियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, 26 को कुलपति स्वर्ण पदक तथा 17 मेधावियों को विशिष्ट पदक प्रदान करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि वृक्ष संसाधन के रूप में यह एक अच्छा अवसर है जब विद्यार्थी देश की सांस्कृतिक व बौद्धिक विरासत को अक्षुण्ण बनाये रखते हुए आर्थिक महाशक्ति के रूप में देश को आगे ले जाने में अपना योगदान प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा की कि वे ज्ञान व मूल्य सम्पदा के द्वारा विश्वविद्यालय की गरिमा को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्र का गौरव बढ़ायें।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय शैक्षणिक कार्य के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी सहभाग करें, ताकि सामाजिक समस्याओं का जल्द ही समाधान हो सके। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय ने अयोध्या की पौराणिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासतों को संजोने एवं उसे नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने में अपना सर्वोत्कृष्ट योगदान दिया है। उसी योगदान के परिणाम स्वरूप दिव्य-दीपोत्सव जैसे महा अभियान में विश्वविद्यालय के सात हजार स्वयं सेवकों, छात्रों तथा शिक्षकों ने एक साथ सरयू नदी के घाटों पर छह लाख छह हजार पांच सौ उनहत्तर दीपक जलाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में चौथी बार नाम दर्ज कराया, जिससे पूरे भारत में विश्वविद्यालय ने अपना नाम रोशन किया। कुलाधिपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने परिसर में वीमेन ग्रीवेंस एवं वेलफेयर सेल की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि परिसर के प्लेसमेंट सेल द्वारा छात्र-छात्राओं को रोजगार के अवसर प्राप्त करना है।

स्वदेश समाचार, लखनऊ

दिनांकः 13 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 05

देश के लिए मरना नहीं, जीना सीखें : आनंदीबेन

गांवो को गोद लें महाविद्यालय, विश्वविद्यालय बनाएं योजना

अयोध्या। जनपद के दो विश्वविद्यालयों, डॉ. राममनोहर लोहिया विश्वविद्यालय के साथ आचार्य नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह शुक्रवार को भव्यता के साथ संपन्न हो गया। दोनों समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने किया। अवध विश्वविद्यालय में राज्यपाल ने कहा कि देश के लिए मरना नहीं जीना सीखें। विश्वविद्यालय योजनाएं बनाकर गांवों में जाएं और सरकारी योजनाओं को लागू करने के संकल्प के साथ आगे आए। भारत में देश का हित सर्वोपरि हो इसी संकल्प पर हमें कार्य करना होगा। साथ ही आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लेना होगा। आने वाली पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के सघर्षों की गाथा से परिचित कराना होगा जिससे वे समझ सके कि आजादी के क्या मूल्य है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत सरकार द्वारा आयोजित इस अमृत महोत्सव के दौरान प्रत्येक युवा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी कथाओं पर अध्ययन कर आपसी चर्चा का विषय बनाए। विश्वविद्यालयों का यह दायित्व बनता है कि वे आने वाली पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों से परिचित कराये और संकल्प करें कि 15 अगस्त, 2022 तक विशेष अभियान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर विमर्श करें और उन स्थलों का भ्रमण करें जो स्वतंत्रता संग्राम के साक्षी बने है। देश को आजादी मिल गई है परन्तु अभी सही अर्थों में देश के समक्ष कई चुनौतियां है। भारत सरकार एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालयों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों को ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर जनसहयोग करना होगा। कुलाधिपति ने कहा कि सामाजिक सरोकारों का समझने एवं उसे अपनाने की जरूरत है। स्वास्थ्य शिक्षा, पर्यावरण प्रदूषण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हो इससे जनमानस को प्रेरणा मिलेगी। देश के लिए जीने की आवश्यकता है यह सभी का कर्तव्य है।

ग्राम्यवार्ता, लखनऊ

दिनांकः 13 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्याः 05

अध्ययन के साथ रोजगार भी सरकार की प्रतिबद्धताः डॉ. दिनेश शर्मा

युवा भी पढ़ें स्वतंत्रता आंदोलन की गाथाः कुलाधिपति

बयान

भारत वर्तमान समय में आजादी अमृतोत्सव मना रहा हैः राज्यपाल

ग्राम्यवार्ता संवाददाता

अयोध्या/लखनऊ। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 25 वे दीक्षांत समारोह का आज 12 मार्च, 2021 को कोविड-19 के अनुपालन में भव्य आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथिप्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मारहे। मुख्य अभ्यागत अतिथि डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौर, स्थाईप्रतिनिधि (भारतीय राजदूत) विश्व मौसम विज्ञान संगठनयू.एन.ओ., पूर्व महानिदेशक, मौसम विज्ञान, भारतीयमौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यमंत्री उच्च शिक्षा व विज्ञान एवंतकनीकी विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार की नीलिमा कटियार रही। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंहने स्वागत किया। समारोह को संबोधित करती हुई कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि भारत वर्तमान समय में आजादी अमृतोत्सव मना रहा है। आज ही केदिन 1930 में महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम से दांडीयात्रा का शुभारम्भ किया था। ब्रिटिश सरकार द्वारा नमक परटैक्स लगाने का विरोध अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम से प्रारम्भ हुआ यह आंदोलन देश का आंदोलन बन गया। 150 वर्षों से लगातार सघर्ष के बाद देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, विद्वजनों, युवाओं ने अपने जान को न्यौछावर कर आजादी पायी है। इस आजादी के लिए देश ने भीषणयातनाओं को झेला है। तब जाकर कही स्वराज की स्थापना हो पायी। भारत में देश का हित सर्वोपरि हो इसी संकल्प परहमें कार्य करना होगा। साथ ही आत्मनिर्भर भारत का संकल्पलेना होगा। आने वाली पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के सघर्षों कीगाथा से परिचित कराना होगा जिससे वे समझ सके कि आजादी के क्या मूल्य है। महामहिम ने कहा कि भारतसरकार द्वारा आयोजित इस अमृत महोत्सव के दौरान प्रत्येकयुवा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी कथाओं पर अध्ययन करआपसी चर्चा का विषय बनाये। विश्वविद्यालयों का यह दायित्वबनता है कि वे आने वाली पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के मूल्योंसे परिचित कराये और संकल्प करें कि 15 अगस्त, 2022 तक विशेष अभियान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर विमर्शकरें और उन स्थलों का भ्रमण करें जो स्वतंत्रता संग्राम केसाक्षी बने है। देश को आजादी मिल गई है परन्तु अभी सहीअर्थों में देश के समक्ष कई चुनौतियां है। भारत सरकार एवंराज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुँचाने के लिए विश्वविद्यालयों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों कोग्रामीण क्षेत्रों में जाकर जनसहयोग करना होगा। कुलाधिपतिने कहा कि सामाजिक सरोकारों का समझने एवं उसे अपनानेकी जरूरत है। स्वास्थ्य शिक्षा, पर्यावरण प्रदूषण जैसेमहत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हो इससे जनमानस को प्रेरणामिलेगी। देश के लिए जीने की आवश्यकता है यह सभी काकर्तव्य है समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्चशिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह ग्रहणकी शिक्षा को समर्पित करने का एक अवसर है। समाज केलिए शिक्षा का ज्यादा से ज्यादा उपयोग हो सके इस पर कार्यकरने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति में शिक्षा का स्तरबढ़े इसी लिए सरकार द्वारा राज्य विश्वविद्यालयों में कॉमनपाठ्यक्रम लागू करने की योजना पर कार्य कर रही है। वर्तमानसमय में राज्य सरकार द्वारा डिजीटल लाइब्रेरी की स्थापनाकी गई है। कोविड-19 के दौरान राज्य विश्वविद्यालयों ने 30 विभिन्न पाठ्यक्रमों में 79 हजार ई-कटेंट अपलोड किए हैइसमें वीडियों लेक्चर, वायस एवं टेक्सट को शामिल कियागया है। डिजीटल लाइब्रेरी के उपयोग के लिए देशभर केविद्यार्थी एवं शिक्षक शिक्षण एवं ज्ञान के लिए अपने उपयोग मेले रहे है। केन्द्र सरकार के साथ एमओयू किया गया है। लघुएवं मध्यम उद्योगों के साथ संस्थानों का अनुबंध कर छात्र-छात्राओं को अध्ययन करते-करते रोजगार पाने का अवसरतैयार किया जा रहा है। डॉ0 दिनेश शर्मा ने बताया कि अयोध्या में श्रीराम विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव कईनिजी संगठनों द्वारा प्राप्त हुआ है। इस विश्वविद्यालय मेंज्योतिष, धर्मग्रन्थों एवं कर्मकांडों जैसे महत्वपूर्ण विषयों काअध्ययन का प्रस्ताव आया है। राज्य सरकार ने शिक्षण एवंप्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन टीचिंग को लेकर काँफी गंभीर हैऔर इस क्षेत्र में कार्य कर रही है।

जनमोर्चा, अयोध्या

दिनांक: 13 मार्च, 2021 पृष्ठ संख्या: 08

पदक पाकर छात्र–छात्राओं के चेहरे खिले

फैजाबाद (अयोध्या)।

कुलाधिपति के हाथों शुक्रवार को अवध विश्वविद्यालय में 115 मेधाओं को वर्ष 2020 में अपने विषयों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए स्वर्ण पदक से नवाजा गया। इनमें 70 बच्चों को कुलाधिपति, 28 को कुलपति तथा 17 को दानस्वरूप स्वर्ण पदक मिले हैं।

कुलाधिपति स्वर्ण पदक

शिल्पा देवी एमए हिन्दी, तापस शुक्ला एमए अंग्रेजी, पूजा यादव एमए संस्कृत, फात्मा नूरी एमए उर्दू, जागृति पांडेय एमए समाज शास्त्र, ज्योति सिंह एमए राजनीति शास्त्र, ममता यादव एम प्राचीन इतिहास, अमिता चौधरी एमए शिक्षा शास्त्र, श्वेता कुमारी एमए मध्य कालीन इतिहास, आस्था सिंह एमए अर्थशास्त्र, प्रशान्त मिश्रा एमए दर्शन शास्त्र, श्वेता सिंह एमए भूगोल, एकता सिंह, एमए रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन, कुमारी शालू यादव एमए मनोविज्ञान, नेहा सिंह एमए गृह विज्ञान, अवंतिका यादव एमए संगीत गायन, मालती शिल्पी एमए चित्रकला।

प्रतिभा मिश्रा एमएससी भौतिक विज्ञान, ध्रुव कुमार एमएससी रसायन विज्ञान, केवी नगमन एमएससी वनस्पति विज्ञान, नेहा तिवारी एमएससी प्राणि विज्ञान, यशाकिता मिश्रा एमएससी सूक्ष्म विज्ञान, गौरी प्रभा मिश्रा एमएससी पर्यावरण विज्ञान, आयुषी सिंह एमएससी गणित, शिम्पनी सिंह एम.काम, दिव्यांश मिश्रा एमएससी कृषि हार्टीकल्चर, आकाश पाण्डेय एमएससी कृषि स्वायल साइंस एण्ड एग्रीकल्चरल केमेस्ट्री, धरमवीर सिंह एमएससी कृषि एग्रोनामी, नवीन कुमार पटेल एमएससी कृषि ऐनीमल हसबैन्ड्री एण्ड डेयरिंग, कुमार अजिकेश कल्याण व विशाल सिंह एमएससी कृषि जेनेटिक्स एण्ड प्लान्ट ब्रिडिंग, मंजीत पाण्डेय एमएससी कृषि एन्टिमोलॉजी, श्वेता श्रीवास्तव एमएससी गृह विज्ञान फूड न्यूट्रीसन, दीपाली एमएससी गृह विज्ञान चाइल्ड डेवेलपमेंट, जैनब खान एमडी कम्यूनिटी मेडीसिन, नेहा एमडीएस पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री, रिनी खन्ना एमडीएस, श्वेता एमएससी नर्सिंग, जया सिंह व स्वाती तिवारी एमएड, दुर्गेश कुमार एमपीएड, खुशबू गुप्ता एमबीए, अनुष्का बरी एमएससी जैव तकनीकी, संध्या पाठक एमएससी जैव रसायन विज्ञान।

रैतिका सिंह एमएससी गणित एवं सांख्यकी, श्रेया पाण्डेय एमए अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास, वैशाली सिंह इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व, तारा फातिमा एमएससी सूक्ष्म जीव विज्ञान, आकांक्षा सिंह एमएससी पर्यावरण विज्ञान, शालिनी तिवारी व सोनू कुमार एमएससी भौतिकी, अनामिका तिवारी एमटेक, एमई, सुमित कुमार श्रीवास्तव, एमटेक ईसी, नेहा यादव एमटेक सीएस, सोनल यादव एमसीए, प्रिंस सिंह एमबीए एग्री बिजनेस, रवी गुप्ता एमबीए फाइनेन्स कण्ट्रोल, विकास कुमार तिवारी एमटेक आईटी, अदीबा एमए अंग्रेजी, साक्षी श्रीवास्तव एमए एमसीजे, विवेक कुमार एमपीएन, प्रियंका सचदेवा एमएस डब्लू, वात्सला अचारी प्रसार शिक्षा एवं ग्रामीण विकास, आरती गुप्ता गवर्नेंस इन पब्लिक पालिसी, सुनील कुमार एमटीए, अनुराग मिश्रा एमलिब, सुकृति गुप्ता एमएस डब्लू, मोती प्रकाश सिंह एमलिब, मानसी गुप्ता एमए इन योगथेरेपी, सौरभ श्रीवास्तव एमफिल इन समाज कार्य।

कुलपति स्वर्ण पदक

राखी सेन बीए, निदा मोहम्मदी बीएससी, श्रेया अग्रवाल बी.काम, शिवानी सिंह यादव बीएससी कृषि, अरुणिमा जायसवाल बीएससी गृह विज्ञान, करिश्मा राय बीटेक आईटी, हर्षित सिंह बीटेक एमई, अनुष मिश्रा बीटेक सीएस, राज आर्यन व नाजमीन बानो बीटेक ईसी, युक्ति गुप्ता बीवोक एमसीजे, अस्मिता मिश्रा व रितिका जैन एमबीबीएस, शिवांगी शुक्ला व वैदिका वाजपेयी बीडीएस, अंकित कुमार व अभिषेक सिंह बीएड, सोम्या चित्रवंशी, देवदीप मालवीय व श्वेता सिंह एलएलबी, अनुराग तिवारी बीलिब, जुबी मकमूद बीएससी नर्सिंग, खुशबू पाण्डेय बीएससी पीबी नर्सिंग, रवीन्द्र कुशवाहा बीएससी एमएलटी, एकता सिंह, बीपीईएस, राशिद खान बीएससी, बीआरडी आईटी, ज्योति तिवारी बीवोक टूरिज्म एण्ड हास्पिटलिटी व राजकपूर बीलिब।

दानस्वरूप स्वर्ण पदक

शिल्पा देवी एमए हिन्दी रणंजय, पूजा यादव एमए संस्कृत, रणवीर, तापस शुक्ला एमए अंग्रेजी साहित्य महारथी डा.रमाशंकर तिवारी, ममता यादव, एमए प्राचीन गणेशदत्त शुक्ला, ध्रुव कुमार एमएससी रसायन विज्ञान डा.डीएस भाकुनी, राधेश्याम बीर सेठ द्वारिकाधीश झुनझुनवाला, निदा मोहम्मदी बीएससी, राजा जगदम्बिका प्रसाद सिंह, श्रेया अग्रवाल बीकाम, सरपदमपत सिंहानिया, निदा मोहम्मदी बीएससी प्राणि विज्ञान रमेन्द्र मोहन मित्र, कु.श्रेया मिश्रा संगीत स्व विष्णु कुमार कपूर स्मृति, आस्था सिंह एमए अर्थशास्त्र स्व.एसबी तिवारी स्मृति, खुशबू गुप्ता एमबीए, गौरव अरोड़ा स्मृति वैशाली सिंह इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व डा.विश्वमित्र उपाध्याय। रैतिका सिंह एमएससी गणित एवं सांख्यिकी ईएस चन्द्रशेखर, श्रेया पाण्डेय एमए अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विज्ञान, स्व.रामकृष्ण सिन्हा, आस्था सिंह एमबीए मार्केटिंग स्व.राजीवरंजन राय स्मृति व ज्योति सिंह एमए राजनीति शास्त्र को स्व.डा.प्रदीप कुमार स्मृति स्वर्णपदक से नवाजा गया।

गुप्त रोगों से निराश क्यों?
प्रतिदिन मिलें फैजाबाद में रजि. 48519
नयी तकनीक द्वारा मात्र 14 खुराक में इलाज की गारंटी
मर्दाना कमजोरी, शीघ्रपतन, धातु का जाना, नपुंसकता बचपन की गलतियाँ, अधिक उम्र की शिथिलता, चर्मरोग सफेद दाग, सुजाक, उपदंश, पेशाब में जलन, स्वप्नदोष आदि।
विशेषता : वीर्य का शोधन व शुक्राणुओं का बढ़ाना
हरिओम क्लीनिक
नियावाँ चौराहा. मो. 9415164247, 9044334247
(नीम के पेड़ के नीचे)

यह दीक्षान्त है, शिक्षा का अंत नहीं :शर्मा

फैजाबाद (अयोध्या)।

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री/उच्च शिक्षा मंत्री दिनेश शर्मा ने कहा कि ये दीक्षांत समारोह है न कि शिक्षाणान्त समारोह। समारोह में मेडल हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को अब उच्चतर शिक्षा की ओर जाना है।

उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि अवध विश्वविद्यालय में तमाम योजनाएं चल रही है। विश्वविद्यालय का प्रयत्न हो कि नये पाठ्यक्रम बढ़े। नई शिक्षानीति में विश्वविद्यालय तीस प्रतिशत तक पाठ्यक्रम स्वयं तय करेंगे। श्री शर्मा ने कहा कि सरकार ने डिजिटल लाइब्रेरी बनाया है। जिसमे 79000 ई-कान्टेंट डिजिटल लाइब्रेरी में लोड है छात्र-छात्राएं निःशुल्क यह सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में रोजगार उन्मुख पाठ्यक्रम शामिल किया गया है।

वर्तमान समय कौशल विकास का :डॉ.राठौर

फैजाबाद (अयोध्या)।

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के अभ्यागत अतिथि पूर्व महानिदेशक मौसम विज्ञान विभाग में डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौर ने कहा कि वर्तमान समय कौशल विकास का ही है।

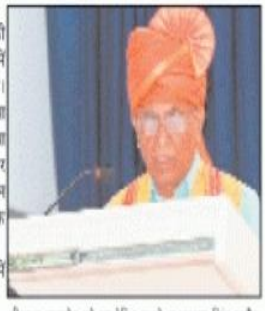

ज्ञान के असीमित विस्तार, प्रौद्योगिकी के उन्नत व सुलभ होते जाने और जनसंख्या के अत्यधिक दबाव ने हमारी अब तक की चली आ रही प्रणाली में महत्वपूर्ण परिवर्तन उपस्थित कर दिये हैं। तकनीकी विकास की अपार सम्भावनाओं और उसके एक वृहत्तर वैश्विक बाजार व उसकी अर्थव्यवस्था से जुड़ जाने के कारण ज्ञान की परम्परागत दृष्टि में बदलाव आया है। ज्ञान ने अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है और अर्थव्यवस्था ने ज्ञान को। भारत के आधुनिक कालखण्ड में औपनिवेशिक अनुभवों के दबाव में हमने अकादमिक व व्यावसायिक शिक्षा को पृथक कर लिया था। व्यावसायिक या कौशल-आधारित शिक्षा को हीनतर मानने की प्रवृत्ति का प्रारम्भ इस समय से ही होता है। स्वतंत्रता के पश्चात, शिक्षा का जो मॉडल बना उसमें प्रत्येक स्तर पर प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक कौशल-विकास की जिस पाठ्यचर्या का समावेशन किया जाना चाहिये था, वह इस विभाजन-दृष्टि के नाते सम्भव नहीं हो सका। डॉ. राठौर ने शोध-उपाधि धारण करने जा रहे युवा विद्यार्थियों ! से कहा कि आप ने औपचारिक शिक्षा का महत्त्वपूर्ण पड़ाव पूरा कर लिया है, मेरी शुभकामनाएं है कि ज्ञान के नवसृजन व उसकी सामाजिक उपादेयता के अभिनव पक्षों के साथ आप आगे बढ़ने की ओर प्रवृत्त हों। सम्बोधन का समापन उन्होंने अपनी एक कविता 'डिग्री तो बस तालीम की रवायत है, पर कौशल आपके हुनर की इनायत है। निखारें कौशल को उसकी शिद्दत तक, अजमत हो उसकी एक मुद्दत तक।'

दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित करते डा.लक्ष्मण सिंह राठौर

वीसी ने राज्यपाल को भेंट किया राम मन्दिर का मॉडल

अयोध्या। डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य रविशंकर सिंह ने कुलाधिपति/राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल को आकर्षक राममन्दिर का मॉडल भेंट किया। राम मन्दिर का मॉडल भेंट करते ही समारोह में मौजूद लोगों ने जयश्रीराम के नारे लगाये। कार्यक्रम में सांसद लल्लू सिंह, महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, महन्थ जन्मेजय शरण, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचन्द्र यादव, शक्ती सिंह, अतुल कुमार सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, पूर्व भाजपा अध्यक्ष अवधेश बादल आदि मौजूद थे।